CTET L1 Assamese L2 Sanskrit P1

Topic:- CDP_P1_CTET

1) Recent theories in the field of child development suggest that development gets influenced by

(i) genetics
(ii) education
(iii) culture
(iv) social policies

(1) (i) only
(2) (i), (ii) only
(3) (i), (ii), (iii) only
(4) (i), (ii), (iii), (iv)

बाल विकास के क्षेत्र में हाल ही के सिद्धान्त यह सुझावित करते हैं कि विकास प्रभावित होता है

(i) आनुवंशिकता से
(ii) शिक्षा से
(iii) संस्कृति से
(iv) सामाजिक नीतियों से

(1) केवल (i)
(2) केवल (i), (ii)
(3) केवल (i), (ii), (iii)
(4) (i), (ii), (iii), (iv)

[Question ID = 1][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q1]

1. 1 [Option ID = 1]
2. 2 [Option ID = 2]
3. 3 [Option ID = 3]
4. 4 [Option ID = 4]

2) Development of children occurs

(1) in an orderly manner but is individualistic in nature.
(2) in a disorderly manner suddenly at a particular moment.
(3) at the same rate for all children across the world.
(4) as a result of schooling only.

बच्चों का विकास किस प्रकार से होता है ?

(1) व्यवस्थित रूप से होता है परन्तु स्वाभाविक रूप से वैयक्तिक होता है ।

(2) अव्यवस्थित रूप में, किसी विशिष्ट पल में अचानक से उभर आता है ।

(3) पूरे विश्व में सभी बच्चों में एकसमान दर से होता है ।

(4) केवल विद्यालयीकरण के परिणाम से होता है ।

[Question ID = 2][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q2]

1. 1 [Option ID = 5]
2. 2 [Option ID = 6]
3. 3 [Option ID = 7]
4. 4 [Option ID = 8]

3) _____ is a primary agent/agency of socialisation and _____ is a secondary agent/agency of socialisation among young children.

(1) Family; library

(2) Parents' workplace; neighbourhood

(3) Mass media; family

(4) Law; religious organisation

छोटे बच्चों में समाजीकरण का _____ प्राथमिक कारक/संस्था है और _____ द्वितीयक कारक/संस्था है ।

(1) परिवार; पुस्तकालय

(2) अभिभावकों का कार्यस्थल; आस-पड़ोस

(3) संचार माध्यम; परिवार

(4) कानून; धार्मिक संगठन

[Question ID = 3][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q3]

1. 1 [Option ID = 9]
2. 2 [Option ID = 10]
3. 3 [Option ID = 11]
4. 4 [Option ID = 12]

4) As per Jean Piaget's theory of cognitive development, at which stage do most children clearly understand Past, Present and Future ?

(1) Sensorimotor

(2) Preoperational

(3) Concerete operational

(4) Formal operational

जीन पियाज़े के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धान्त के अनुसार, अधिकांश बच्चे किस अवस्था में बीते हुए समय, वर्तमान और भविष्य के बारे में स्पष्ट रूप से समझ बना लेते हैं ?

(1) संवेदी-गत्यात्मक

(2) पूर्व-संक्रियात्मक

(3) मूर्त संक्रियात्मक

(4) औपचारिक संक्रियात्मक

[Question ID = 4][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q4]

1. 1 [Option ID = 13]
2. 2 [Option ID = 14]
3. 3 [Option ID = 15]
4. 4 [Option ID = 16]

5) In Jean Piaget's theory, the basic building blocks of thinking are referred to as

(1) Reflexes

(2) Schemas

(3) Codes

(4) Concepts

जीन पियाज़े के सिद्धान्त में, चिन्तन की बुनियादी निर्मितियों को किस रूप में जाना जाता है ?

(1) सहज क्रियाएँ

(2) स्कीमा

(3) संकेत

(4) अवधारणाएँ

[Question ID = 5][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q5]

1. 1 [Option ID = 17]
2. 2 [Option ID = 18]
3. 3 [Option ID = 19]
4. 4 [Option ID = 20]

6) According to Lev Vygotsky's theory, _____ shape(s) _____ development.

(1) Genes; Social

(2) Culture; Cognitive

(3) Nature; Emotional

(4) Emotions; Physical

लेव वायगोत्स्की के सिद्धान्त के अनुसार, _____ विकास को _____ आकार देता/देते है/हैं।

(1) सामाजिक; आनुवंशिक कारक

(2) संज्ञानात्मक; संस्कृति

(3) भावात्मक; प्राकृतिक कारक

(4) शारीरिक; संवेग

[Question ID = 6][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q6]

1. 1 [Option ID = 21]
2. 2 [Option ID = 22]
3. 3 [Option ID = 23]
4. 4 [Option ID = 24]

7) Lev Vygotsky emphasised upon the role of _____ in the process of cognitive development.

(1) Language

(2) Cognitive conflict

(3) Reflexes

(4) Schemas

लेव वायगोत्स्की ने संज्ञानात्मक विकास की प्रक्रिया में किसकी भूमिका पर बल दिया है ?

(1) भाषा

(2) संज्ञानात्मक द्वंद्व

(3) सहज क्रियाएँ

(4) स्कीमा

[Question ID = 7][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q7]

1. 1 [Option ID = 25]
2. 2 [Option ID = 26]
3. 3 [Option ID = 27]
4. 4 [Option ID = 28]

8) Both Lawrence Kohlberg and _____ have given theories of moral development.

(1) Lev Vygotsky

(2) Jerome Bruner

(3) Jean Piaget

(4) B. F. Skinner

नैतिक विकास का सिद्धान्त लॉरेन्स कोहलबर्ग के साथ-साथ और किसके द्वारा प्रतिपादित किया गया है ?

(1) लेव वायगोत्स्की

(2) जिरोम ब्रूनर

(3) जीन पियाज़े

(4) बी. एफ. स्किनर

[Question ID = 8][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q8]

1. 1 [Option ID = 29]
2. 2 [Option ID = 30]
3. 3 [Option ID = 31]
4. 4 [Option ID = 32]

9) A teacher should be _____ about his pedagogies.

(1) rigid

(2) inflexible

(3) flexible

(4) ignorant

एक अध्यापक को अपनी शिक्षणशास्त्रीय प्रविधियों के बारे में किस प्रकृति का होना चाहिए ?

(1) दृढ़ (जड़)

(2) ग़ैर-लचीला

(3) लचीला (सुनम्य)

(4) अनजान

[Question ID = 9][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q9]

1. 1 [Option ID = 33]
2. 2 [Option ID = 34]
3. 3 [Option ID = 35]
4. 4 [Option ID = 36]

10) Intelligence Quotient (IQ) tests are often critiqued for

(1) their ability to measure a broad range of skills

(2) having an implicit western culture bias

(3) considering social influence on intelligence

(4) overestimating the influence of emotions of cognition

बुद्धि लब्धि (IQ) परीक्षणों की आलोचना प्राय: क्यों की जाती है ?

(1) कौशलों की विस्तृत श्रृंखला को मापने की उनकी क्षमता

(2) प्रत्यक्ष रूप से पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव से ग्रसित

(3) बुद्धि पर सामाजिक प्रभाव का अवबोधन

(4) संज्ञान पर भावनाओं के प्रभाव का अतिशय प्राक्कलन

[Question ID = 10][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q10]

1. 1 [Option ID = 37]
2. 2 [Option ID = 38]
3. 3 [Option ID = 39]
4. 4 [Option ID = 40]

11) *Assertion (A) :*

When a student is struggling to find solution for a given problem, the teacher should encourage the student to verbalise her thoughts.

Reason (R) :

Learning is more effective when teachers keep minimal expectation of success from students.

Choose the correct option :

(1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)

(2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A)

(3) (A) is true but (R) is false

(4) Both (A) and (R) are false

अभिकथन (A) :

जब कोई विद्यार्थी किसी दिए गए प्रश्न का हल ढूँढने की प्रक्रिया से जूझ रहा है, तो अध्यापक को उसे अपने विचार मौखिक तौर पर अभिव्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

तर्क (R) :

अधिगम तब अधिक प्रभावशाली होता है जब अध्यापक विद्यार्थियों से सफलता की कम-से-कम अपेक्षा रखते हैं।

सही विकल्प चुनिए :

(1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है

(2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है

(4) (A) और (R) दोनों गलत हैं

[Question ID = 11][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q11]

1. 1 [Option ID = 41]
2. 2 [Option ID = 42]
3. 3 [Option ID = 43]
4. 4 [Option ID = 44]

12) Gender is a _____ construct while sex is a _____ construct.

(1) social, biological

(2) social, moral

(3) moral, social

(4) biological, social

जेंडर _____ निर्मिति है जबकि लिंग _____निर्मिति है।

(1) सामाजिक, जैविक

(2) सामाजिक, नैतिक

(3) नैतिक, सामाजिक

(4) जैविक, सामाजिक

[Question ID = 12][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q12]

1. 1 [Option ID = 45]
2. 2 [Option ID = 46]
3. 3 [Option ID = 47]
4. 4 [Option ID = 48]

13) A teacher should _____ individual differences in learning preferences to facilitate learning for all.

(1) consider

(2) ignore

(3) remove

(4) downplay

एक अध्यापक को सभी के लिए अधिगम सहज-सुगम बनाने के लिए अधिगम प्राथमिकताओं में वैयक्तिक भिन्नताओं के प्रति क्या करना चाहिए ?

(1) उन्हें महत्त्वपूर्ण मानना चाहिए

(2) उनको अनदेखा करना चाहिए

(3) उनको मिटा देना चाहिए

(4) दमन करना चाहिए

[Question ID = 13][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q13]

1. 1 [Option ID = 49]
2. 2 [Option ID = 50]
3. 3 [Option ID = 51]
4. 4 [Option ID = 52]

14) The main purpose of assessments should be to

(1) find ranges in students' scores

(2) understand students' learning progress

(3) identify potential failures and achievers

(4) assign grades to the students

आकलन का मुख्य उद्देश्य क्या होना चाहिए ?

(1) विद्यार्थियों के अंकों की व्यापकता का पता लगाना

(2) विद्यार्थियों के सीखने की प्रगति के प्रति समझ बनाना

(3) संभाव्य असफल और सफल विद्यार्थियों की पहचान करना

(4) विद्यार्थियों को ग्रेड मान देना

[Question ID = 14][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q14]

1. 1 [Option ID = 53]
2. 2 [Option ID = 54]
3. 3 [Option ID = 55]
4. 4 [Option ID = 56]

15) Which of the following technique is likely to encourage critical thinking among students ?

(1) Asking for immediate response on questions

(2) Allowing reflection time to students

(3) Asking close-ended questions to students

(4) Discouraging interaction among students

निम्नलिखित में से कौन-सी प्रविधि विद्यार्थियों में समालोचनात्मक चिन्तन को प्रोत्साहित कर सकती है ?

(1) प्रश्न का तुरन्त उत्तर देने के लिए कहना

(2) विद्यार्थियों को विमर्श हेतु समय देना

(3) विद्यार्थियों से बंद-अंत वाले प्रश्न पूछना

(4) विद्यार्थियों में परस्पर अन्त:क्रिया को निरुत्साहित करना

[Question ID = 15][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q15]

1. 1 [Option ID = 57]
2. 2 [Option ID = 58]
3. 3 [Option ID = 59]
4. 4 [Option ID = 60]

16) Which of the following hinders inclusion of students belonging to disadvantaged groups ?

(1) Stereotypes and set beliefs

(2) Child-centric approaches

(3) Formative assessment

(4) Consideration of individual differences

सुविधा वंचित समूहों से संबंध रखने वाले विद्यार्थियों के समावेशन में निम्नलिखित में से किसके द्वारा अवरोध उत्पन्न होता है ?

(1) रूढ़िबद्ध और स्थापित धारणाएँ

(2) बाल-केन्द्रित उपागम

(3) रचनात्मक आकलन

(4) वैयक्तिक भिन्नताओं का ध्यान रखना

[Question ID = 16][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q16]

1. 1 [Option ID = 61]
2. 2 [Option ID = 62]
3. 3 [Option ID = 63]
4. 4 [Option ID = 64]

17) Dysgraphia poses direct challenges in

(1) Sketching

(2) Speaking

(3) Seeing

(4) Hearing

पठनवैकल्य प्रत्यक्ष रूप से किस कौशल में चुनौती का कारण बनता है/देता है ?

(1) स्केच बनाना

(2) वाचन

(3) देखना

(4) सुनना

[Question ID = 17][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q17]

1. 1 [Option ID = 65]
2. 2 [Option ID = 66]
3. 3 [Option ID = 67]
4. 4 [Option ID = 68]

18) In order to successfully include students with visual impairment, a teacher should

(1) write as much information as possible on the board

(2) restrict the use of assistive devices in class

(3) verbalise the written information

(4) give very easy tasks only to these students

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को सहजता के साथ शामिल करने के लिए अध्यापक को क्या करना चाहिए ?

(1) जितनी अधिक संभव हो सके, अधिक से अधिक सूचनाएँ श्यामपट्ट पर लिखनी चाहिए

(2) कक्षा में समर्थक उपकरणों का प्रयोग बाधित करना चाहिए

(3) लिखित सूचनाओं को मौखिक रूप से सम्प्रेषित करना चाहिए

(4) इन विद्यार्थियों को केवल बहुत ही सरल से कार्य देने चाहिए

[Question ID = 18][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q18]

1. 1 [Option ID = 69]
2. 2 [Option ID = 70]
3. 3 [Option ID = 71]
4. 4 [Option ID = 72]

19) Which of the following is a typical identifying characterstic of students with Autism ?

(1) Highly developed social skills

(2) Impulsivity

(3) Impaired communication skills

(4) Above-average IQ levels

स्वलीनता विकार से जूझते विद्यार्थियों की प्रतिनिधिक पहचान विशेषता निम्नलिखित में से क्या है ?

(1) उच्च रूप से विकसित सामाजिक कौशल

(2) आवेगशीलता

(3) अवरुद्ध सम्प्रेषण कौशल

(4) औसत से ऊपर बुद्धि लब्धि स्तर

[Question ID = 19][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q19]

1. 1 [Option ID = 73]
2. 2 [Option ID = 74]
3. 3 [Option ID = 75]
4. 4 [Option ID = 76]

20) Giftedness in children is characterised by

(1) low levels of intelligence

(2) high levels of comprehension

(3) easily giving up on tasks

(4) inability to perform simple tasks with focussed attention

बच्चों में प्रतिभाशीलता किस प्रकार से परिलक्षित होती है ?

(1) बुद्धि का निम्न स्तर

(2) बोधगम्यता का उच्च स्तर

(3) कार्यों को आसानी से छोड़ देना

(4) छोटे-छोटे कार्यों को ध्यान केन्द्रित करके कर पाने की अक्षमता

[Question ID = 20][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q20]

1. 1 [Option ID = 77]
2. 2 [Option ID = 78]
3. 3 [Option ID = 79]
4. 4 [Option ID = 80]

21) *Assertion (A) :*

Schools should emphasize on curriculum aimed at constructing new knowledge.

Reason (R) :

Children are capable of constructing and interpreting new knowledge with support of teacher.

Choose the correct option :

(1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)

(2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A)

(3) (A) is true but (R) is false

(4) Both (A) and (R) are false

अभिकथन (A) :

विद्यालयों को नवीन ज्ञान के सृजन की ओर लक्षित पाठ्यचर्या पर बल देना चाहिए।

तर्क (R) :

बच्चों में अध्यापक के सहयोग से नवीन ज्ञान के सृजन और उसकी व्याख्या करने की क्षमता होती है।

सही विकल्प चुनिए :

(1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है

(2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है

(4) (A) और (R) दोनों गलत हैं

[Question ID = 21][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q21]

1. 1 [Option ID = 81]
2. 2 [Option ID = 82]
3. 3 [Option ID = 83]
4. 4 [Option ID = 84]

22) Schools should emphasise on

(1) reproduction of materials learnt

(2) textbook learning

(3) decontextualised learning

(4) constructive learning

विद्यालयों को किस पर बल देना चाहिए ?

(1) सीखी गई सामग्रियों को ज्यों का त्यों कह देना

(2) पाठ्यपुस्तक से सीखना

(3) संदर्भरहित अधिगम

(4) रचनात्मक अधिगम

[Question ID = 22][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q22]

1. 1 [Option ID = 85]
2. 2 [Option ID = 86]
3. 3 [Option ID = 87]
4. 4 [Option ID = 88]

23) In order to create a conducive learning environment, it is important to

(1) minimise opportunities for self-learning

(2) give chances for self-assessment

(3) promote competition among students

(4) follow standarised curriculum

प्रेरक अधिगम परिवेश सृजित करने के लिए क्या महत्त्वपूर्ण है ?

(1) स्व-अधिगम के लिए अवसरों को कम कर देना

(2) स्व-आकलन हेतु अवसर देना

(3) विद्यार्थियों में प्रतियोगी भावना को बढ़ावा देना

(4) मानकीकृत पाठ्यचर्या का अनुसरण करना

[Question ID = 23][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q23]

1. 1 [Option ID = 89]
2. 2 [Option ID = 90]
3. 3 [Option ID = 91]
4. 4 [Option ID = 92]

24) *Assertion (A) :*

A teacher should encourage students to develop entity view of ability.

Reason (R) :

Entity view of ability motivates students to learn more effectively.

Choose the correct option :

(1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)

(2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A)

(3) (A) is true but (R) is false

(4) Both (A) and (R) are false

अभिकथन (A) :

अध्यापक को चाहिए कि वह विद्यार्थियों को योग्यता का सत्त्व संबंधी परिप्रेक्ष्य विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करें ।

तर्क (R) :

योग्यता का अस्तित्व संबंधी परिप्रेक्ष्य विद्यार्थियों को अधिक प्रभावशाली तरीके से सीखने के लिए अभिप्रेरित करता है ।

सही विकल्प चुनिए :

(1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है

(2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है

(4) (A) और (R) दोनों गलत हैं

[Question ID = 24][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q24]

1. 1 [Option ID = 93]
2. 2 [Option ID = 94]
3. 3 [Option ID = 95]
4. 4 [Option ID = 96]

25) Which of the following is likely to hinder problem solving ?

(1) Functional fixedness

(2) Cognitive flexibility

(3) Divergent thinking

(4) Reflective writing

निम्नलिखित में से किसके द्वारा समस्या समाधान में अवरोध पैदा होने की संभावना है ?

(1) कार्यात्मक स्थिरता

(2) संज्ञानात्मक सुनम्यता (लचीलापन)

(3) अपसारी चिंतन

(4) विमर्शात्मक लेखन

[Question ID = 25][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q25]

1. 1 [Option ID = 97]

2. 2 [Option ID = 98]
3. 3 [Option ID = 99]
4. 4 [Option ID = 100]

26) *Assertion (A) :*
Teachers should identify the misconceptions carried by students and discuss those instead of ignoring them.
Reason (R) :
These misconceptions are a form of alternative conceptions which students often form based on their interaction with environment and these are meaningful in process of learning.
Choose the correct option :

(1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)

(2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A)

(3) (A) is true but (R) is false

(4) Both (A) and (R) are false

अभिकथन (A) :
अध्यापकों को चाहिए कि वे विद्यार्थियों की भ्रांतियों की पहचान करें और उनको अनदेखी करने के बजाय उन पर चर्चा करें ।
तर्क (R) :
ये भ्रांतियाँ वैकल्पिक अवधारणाओं के रूप हैं, जो अकसर विद्यार्थी अपने परिवेश के साथ अन्त:क्रिया करके आधार बना लेते हैं और ये अधिगम की प्रक्रिया में अर्थपूर्ण हैं ।
सही विकल्प चुनिए :

(1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है

(2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है

(4) (A) और (R) दोनों गलत हैं

[Question ID = 26][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q26]
1. 1 [Option ID = 101]
2. 2 [Option ID = 102]
3. 3 [Option ID = 103]
4. 4 [Option ID = 104]

27) Emotions _____.

(1) significantly influence learning but don't have any influence on memory

(2) have no influence on learning but significantly influence memory

(3) significantly influence learning as well as memory

(4) have no influence either on learning or on memory

भावनाएँ

(1) अधिगम को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती हैं परन्तु स्मृति पर इनका कोई प्रभाव नहीं पड़ता है ।

(2) अधिगम पर किसी प्रकार का प्रभाव नहीं डालती लेकिन स्मृति को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती हैं ।

(3) अधिगम को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती हैं साथ ही साथ समृति को भी ।

(4) न तो अधिगम को प्रभावित करती हैं और न ही स्मृति को प्रभावित करती हैं ।

[Question ID = 27][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q27]

1. 1 [Option ID = 105]
2. 2 [Option ID = 106]
3. 3 [Option ID = 107]
4. 4 [Option ID = 108]

28) Students feel motivated to learn if the task is

(1) Irrelevant

(2) Unchallenging

(3) Related to their life

(4) Very abstract

विद्यार्थी सीखने के प्रति अभिप्रेरित होते हैं यदि कार्य

(1) अप्रासंगिक हो ।

(2) बिना किसी चुनौती वाला हो ।

(3) उनके जीवन से संबंधित हो ।

(4) बहुत ही अमूर्त हो ।

[Question ID = 28][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q28]

1. 1 [Option ID = 109]
2. 2 [Option ID = 110]
3. 3 [Option ID = 111]
4. 4 [Option ID = 112]

29) To facilitate students' learning, a teacher should

(1) ignore previous knowledge of students

(2) not clarify syntax and structure

(3) minimise generalisation and transfer of learning

(4) avoid use of subject-jargons

विद्यार्थियों के अधिगम को सहज-सुगम बनाने के लिए अध्यापक को क्या करना चाहिए ?

(1) विद्यार्थियों के पूर्व ज्ञान की अनदेखी करनी चाहिए

(2) वाक्य-विन्यास और संरचना स्पष्ट नहीं करनी चाहिए

(3) अधिगम के अति सामान्यीकरण और निस्तारण को कम करना चाहिए

(4) विषय से संबंधित शब्द-जाल के प्रयोग से बचना चाहिए

[Question ID = 29][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q29]

1. 1 [Option ID = 113]
2. 2 [Option ID = 114]
3. 3 [Option ID = 115]
4. 4 [Option ID = 116]

30) Which of the following hinders learning ?

(1) Relating previous knowledge with topic to be taught

(2) Sense of alienation with school culture

(3) Implementation of multisensory approach

(4) Pedagogy based on constructivism

निम्नलिखित में से किसके द्वारा अधिगम में बाधा उत्पन्न होती है ?

(1) पहले पढ़ाए गए विषय से ज्ञान को सम्बद्ध करना

(2) विद्यालयी संस्कृति से विमुखता का भाव

(3) बहुसंवेदी उपागम का क्रियान्वयन

(4) रचनावाद पर आधारित शिक्षणशास्त्रीय प्रविधियाँ

[Question ID = 30][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q30]

1. 1 [Option ID = 117]
2. 2 [Option ID = 118]
3. 3 [Option ID = 119]
4. 4 [Option ID = 120]

Topic:- MATH_Q31-45_P1_CTET

1) Ten crore twenty thousand two hundred three is written in figures as

(1) 100002203

(2) 1020203

(3) 1002203

(4) 100020203

दस करोड़ बीस हजार दो सौ तीन को अंकों में लिखा जाता है

(1) 100002203

(2) 1020203

(3) 1002203

(4) 100020203

[Question ID = 31][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q31]
1. 1 [Option ID = 121]
2. 2 [Option ID = 122]
3. 3 [Option ID = 123]
4. 4 [Option ID = 124]

2) Which of the following fractions is less than $\frac{4}{5}$ and greater than $\frac{1}{2}$?

(1) $\frac{8}{9}$

(2) $\frac{7}{9}$

(3) $\frac{1}{3}$

(4) $\frac{2}{5}$

निम्न में से कौन-सी भिन्न $\frac{4}{5}$ से छोटी है और $\frac{1}{2}$ से बड़ी है ?

(1) $\frac{8}{9}$

(2) $\frac{7}{9}$

(3) $\frac{1}{3}$

(4) $\frac{2}{5}$

[Question ID = 32][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q32]
1. 1 [Option ID = 125]
2. 2 [Option ID = 126]
3. 3 [Option ID = 127]
4. 4 [Option ID = 128]

3) What will be the value of K in the six digit number 56234K, if the number is divisible by 6 ?

(1) 0

(2) 1

(3) 4

(4) 6

छ: अंकों की संख्या 56234K, में K का क्या मान होगा, यदि यह संख्या 6 से विभाज्य हो ?

(1) 0

(2) 1

(3) 4

(4) 6

[Question ID = 33][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q33]
1. 1 [Option ID = 129]
2. 2 [Option ID = 130]
3. 3 [Option ID = 131]
4. 4 [Option ID = 132]

4) In a class of 28 students, 15 are girls. If 21 students clean their teeth daily and $\frac{3}{5}$ of the girls clean their teeth daily, then state which fraction of boys are doing the same work daily.

(1) $\frac{2}{5}$

(2) $\frac{4}{7}$

(3) $\frac{4}{9}$

(4) $\frac{12}{13}$

28 विद्यार्थियों की एक कक्षा में 15 लड़कियाँ हैं। यदि 21 विद्यार्थी प्रतिदिन अपने दाँत साफ करते हैं तथा लड़कियों का $\frac{3}{5}$ भाग प्रतिदिन अपने दाँत साफ करती हैं, तो बताइए कि लड़कों का कितना भाग प्रतिदिन यही काम करता है।

(1) $\frac{2}{5}$

(2) $\frac{4}{7}$

(3) $\frac{4}{9}$

(4) $\frac{12}{13}$

[Question ID = 34][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q34]

1. 1 [Option ID = 133]
2. 2 [Option ID = 134]
3. 3 [Option ID = 135]
4. 4 [Option ID = 136]

5) Which of the following statements are true ?

(i) Every number is always more than its additive inverse.

(ii) Sum of any two integers is always more than each of the integers.

(iii) Successor of –2 is –1.

(iv) Product of a number and its additive inverse is always negative.

Options :

(1) (i) and (iii)

(2) (ii) and (iv)

(3) (i) and (ii)

(4) (iii) and (iv)

निम्न में से कौन-से कथन सत्य हैं ?

(i) प्रत्येक संख्या अपने योज्य प्रतिलोम से सदैव बड़ी होती है ।

(ii) किन्हीं भी दो पूर्णांकों का योग उन पूर्णांकों में से प्रत्येक से बड़ा होता है ।

(iii) –2 का परवर्ती –1 है ।

(iv) एक संख्या और उसके योज्य प्रतिलोम का गुणनफल सदैव ऋणात्मक होता है ।

विकल्प :

(1) (i) और (iii)

(2) (ii) और (iv)

(3) (i) और (ii)

(4) (iii) और (iv)

[Question ID = 35][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q35]

1. 1 [Option ID = 137]
2. 2 [Option ID = 138]
3. 3 [Option ID = 139]
4. 4 [Option ID = 140]

6) A shopkeeper bought 138 boxes of apples each containing 24 apples. He could sell only $117\frac{3}{4}$ boxes of apples on the first day. How many apples are left with him ?

(1) 486

(2) 498

(3) 510

(4) 522

एक दुकानदार ने सेबों के 138 डिब्बे, जिनमें से प्रत्येक में 24 सेब हैं, खरीदे । पहले दिन वह सेबों के केवल $117\frac{3}{4}$ डिब्बे ही बेच पाया । उसके पास कितने सेब शेष बचे हैं ?

(1) 486

(2) 498

(3) 510

(4) 522

[Question ID = 36][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q36]

1. 1 [Option ID = 141]
2. 2 [Option ID = 142]
3. 3 [Option ID = 143]
4. 4 [Option ID = 144]

7) Two angles having their sum 180° are always known as

(1) Adjacent angles

(2) Complementary angles

(3) Supplementary angles

(4) Linear pair

दो कोण जिनका योग 180° है, सदैव कहलाते हैं

(1) आसन्न कोण

(2) पूरक कोण

(3) सम्पूरक कोण

(4) रैखिक युग्म

[Question ID = 37][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q37]

1. 1 [Option ID = 145]
2. 2 [Option ID = 146]
3. 3 [Option ID = 147]
4. 4 [Option ID = 148]

8) Which of the following statements is ***not*** true ?

(1) Sum of an acute angle and a right angle is always an obtuse angle.

(2) Sum of two acute angles is always less than a right angle.

(3) Sum of two right angles is equal to a straight angle.

(4) Sum of two obtuse angles is always a reflex angle.

निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य ***नहीं*** है ?

(1) एक न्यूनकोण और एक समकोण का योग सदैव एक अधिक कोण होता है।

(2) दो न्यूनकोणों का योग सदैव एक समकोण से कम होता है।

(3) दो समकोणों का योग एक ऋजु कोण के बराबर होता है।

(4) दो अधिक कोणों का योग सदैव एक प्रतिवर्ती कोण होता है।

[Question ID = 38][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q38]

1. 1 [Option ID = 149]
2. 2 [Option ID = 150]
3. 3 [Option ID = 151]
4. 4 [Option ID = 152]

9) Which one of the following groups of letters have only one line of symmetry ?

(1) B, I, H

(2) C, G, U

(3) D, E, M

(4) N, A, B

निम्न अक्षर-समूहों में से किस एक में केवल एक सममित रेखा है ?

(1) B, I, H

(2) C, G, U

(3) D, E, M

(4) N, A, B

[Question ID = 39][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q39]

1. 1 [Option ID = 153]
2. 2 [Option ID = 154]
3. 3 [Option ID = 155]
4. 4 [Option ID = 156]

10) Yogesh runs with a speed of 30 km/h and completes a race in 5 minutes. What is the length of the race (in m) ?

(1) 2050

(2) 2500

(3) 2550

(4) 2600

योगेश 30 km/h की चाल से दौड़ता है और किसी दौड़ को 5 मिनट में पूरा करता है । उस दौड़ की कितनी लंबाई (m में) है ?

(1) 2050

(2) 2500

(3) 2550

(4) 2600

[Question ID = 40][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q40]

1. 1 [Option ID = 157]
2. 2 [Option ID = 158]
3. 3 [Option ID = 159]
4. 4 [Option ID = 160]

11) Shalu reached her sister's house on 18th January, 2020 in the morning and left her house on 2nd April, 2020 at night. For how many days did she stay there ?

(1) 74

(2) 75

(3) 76

(4) 77

शालू प्रात: 18 जनवरी, 2020 को अपनी बहन के घर पहुँची और 2 अप्रैल, 2020 की रात को वापस चल पड़ी । वह वहाँ कितने दिन ठहरी ?

(1) 74

(2) 75

(3) 76

(4) 77

[Question ID = 41][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q41]

1. 1 [Option ID = 161]
2. 2 [Option ID = 162]
3. 3 [Option ID = 163]
4. 4 [Option ID = 164]

12) The side of a square is 48 cm. The length and breadth of a rectangle are $1\frac{1}{2}$ and $\frac{2}{3}$ respectively of the side of the square. The difference in their perimeters (in cm) is

(1) 10

(2) 12

(3) 14

(4) 16

एक वर्ग की भुजा 48 cm है । एक आयत की लम्बाई और चौड़ाई उस वर्ग की भुजा की क्रमश: $1\frac{1}{2}$ तथा $\frac{2}{3}$ गुनी हैं । इनके परिमापों में अन्तर (cm में) है

(1) 10

(2) 12

(3) 14

(4) 16

[Question ID = 42][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q42]

1. 1 [Option ID = 165]
2. 2 [Option ID = 166]
3. 3 [Option ID = 167]
4. 4 [Option ID = 168]

13) What will be the next number in the pattern $\frac{1}{4}, \frac{3}{16}, \frac{5}{64}, \frac{7}{256}, _____$?

(1) $\frac{8}{125}$

(2) $\frac{9}{284}$

(3) $\frac{9}{1024}$

(4) $\frac{11}{4096}$

पैटर्न $\frac{1}{4}, \frac{3}{16}, \frac{5}{64}, \frac{7}{256}, _____$ में अगली संख्या क्या आएगी ?

(1) $\frac{8}{125}$

(2) $\frac{9}{284}$

(3) $\frac{9}{1024}$

(4) $\frac{11}{4096}$

[Question ID = 43][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q43]

1. 1 [Option ID = 169]
2. 2 [Option ID = 170]
3. 3 [Option ID = 171]
4. 4 [Option ID = 172]

14) 540 persons were asked to vote for their favourite season from the three seasons – Winter, Summer, Rainy. Data so obtained was represented in a pie chart. If the central angle for winter season is 150°, then how many persons had voted for winter season ? (Assume that each person has voted for one season only)

(1) 100

(2) 150

(3) 225

(4) 300

540 व्यक्तियों से शीत, ग्रीष्म और वर्षा ऋतुओं में से उनकी पसन्द की ऋतु पूछी गई । प्राप्त आंकड़ों को पाई चार्ट पर दर्शाया गया । यदि शीत ऋतु का केन्द्रीय कोण 150° आया, तो कितने व्यक्तियों ने शीत ऋतु को पसन्द किया ? (कल्पना कीजिए कि प्रत्येक व्यक्ति ने केवल एक ऋतु को ही पसंद किया है)

(1) 100

(2) 150

(3) 225

(4) 300

[Question ID = 44][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q44]

1. 1 [Option ID = 173]
2. 2 [Option ID = 174]
3. 3 [Option ID = 175]
4. 4 [Option ID = 176]

15) Rahul saved some money every month from his pocket money as given below :

End of the month	*Total Savings (in ₹) up to that month*
January	80
February	140
March	210
April	285
May	375
June	480

Which of the following statements is correct ?

(1) Savings in May is maximum.

(2) Sum of savings in January and February is equal to the sum of savings in March and May.

(3) Least savings is in the month of February.

(4) Total savings up to end of June is ₹ 375.

राहुल ने अपने जेब खर्च में से प्रति माह कुछ बचत की, जैसा नीचे दिया है :

माह का अन्त	*उस माह तक कुल बचत (₹ में)*
जनवरी	80
फरवरी	140
मार्च	210
अप्रैल	285
मई	375
जून	480

निम्न में से कौन-सा कथन सही है ?

(1) मई में अधिकतम बचत हुई ।

(2) जनवरी और फरवरी में हुई बचत का योग मार्च तथा मई में हुई बचत के योग के बराबर है ।

(3) सबसे कम बचत फरवरी माह में हुई ।

(4) जून माह के अन्त तक की कुल बचत ₹ 375 है ।

[Question ID = 45][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q45]

1. 1 [Option ID = 177]
2. 2 [Option ID = 178]
3. 3 [Option ID = 179]
4. 4 [Option ID = 180]

Topic:- MATH_Q46-60_P1_CTET

1) According to National Curriculum Framework, 2005 discussions in a primary grade mathematics classroom should be

(1) didactic in nature.

(2) based on mathematical concepts learnt inside the classroom only.

(3) contextual and based on life-experiences of children.

(4) focused on solving problems given in mathematics textbook.

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2005 के अनुसार, प्राथमिक स्तर की गणित की कक्षा में परिचर्चा _____ होनी चाहिए ।

(1) प्रकृति में उपदेशात्मक

(2) केवल कक्षा में सीखी हुई गणितीय अवधारणाओं पर आधारित

(3) संदर्भात्मक एवं बच्चों के जीवन के अनुभवों पर आधारित

(4) गणित की पाठ्यपुस्तक में दी गई समस्याओं के समाधान पर केन्द्रित

[Question ID = 46][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q46]

1. 1 [Option ID = 181]
2. 2 [Option ID = 182]
3. 3 [Option ID = 183]
4. 4 [Option ID = 184]

2) Which of the following is the most appropriate characteristic of mathematical language at primary level ?

(1) It must be highly focused, specific and technical.

(2) It must be ambiguous and open-ended so as to make learning joyful.

(3) It should be reinforced through the language used by the child in everyday life.

(4) It should not include mathematical vocabulary at all.

निम्नलिखित में से कौन-सी प्राथमिक स्तर पर गणितीय भाषा की सर्वाधिक उपयुक्त विशिष्टताएँ हैं ?

(1) यह अत्यधिक एकाग्रचित, सुस्पष्ट और प्राविधिक होनी चाहिए ।

(2) अधिगम को आनन्दमयी बनाने के लिए इसे अस्पष्ट और आम दिनचर्या वाली भाषा की तरह होना चाहिए ।

(3) दैनिक जीवन में बच्चों द्वारा उपयोग की जाने वाली भाषा के माध्यम से इसे प्रबलित करना चाहिए ।

(4) इसमें गणितीय शब्दसंग्रह को बिल्कुल भी सम्मिलित नहीं किया जाना चाहिए ।

[Question ID = 47][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q47]

1. 1 [Option ID = 185]
2. 2 [Option ID = 186]
3. 3 [Option ID = 187]
4. 4 [Option ID = 188]

3) Which of the following is/are the most appropriate purpose of classroom assessment in mathematics at primary level ?

(A) To inform and guide teaching-learning process.

(B) To provide opportunities to the learner to reflect on their learning.

(C) To create competition among learners to improve their performance.

Choose the correct option :

(1) (A) and (B)

(2) (A) and (C)

(3) (B) and (C)

(4) Only (A)

निम्नलिखित में से प्राथमिक स्तर पर गणित के कक्षायी आकलन के सर्वाधिक उपयुक्त उद्देश्य क्या है/हैं ?

(A) शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को निर्देशित करना एवं मार्गदर्शन देना ।

(B) शिक्षार्थियों को उनके अधिगम पर विचार करने के अवसर प्रदान करना ।

(C) शिक्षार्थियों में उनके निष्पादन में सुधार के लिए प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना ।

सही विकल्प का चयन कीजिए :

(1) (A) और (B)

(2) (A) और (C)

(3) (B) और (C)

(4) केवल (A)

[Question ID = 48][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q48]

1. 1 [Option ID = 189]
2. 2 [Option ID = 190]
3. 3 [Option ID = 191]
4. 4 [Option ID = 192]

4) Which of the following is ***not*** a pre-number concept ?

(1) Matching

(2) Hierarchichal inclusion

(3) Seriating

(4) Approximation

निम्नलिखित में से कौन-सी संख्या-पूर्व अवधारणा ***नहीं*** है ?

(1) मिलान

(2) पदानुक्रमित समावेशन

(3) क्रमबद्ध लगाना

(4) सन्निकटन

[Question ID = 49][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q49]
1. 1 [Option ID = 193]
2. 2 [Option ID = 194]
3. 3 [Option ID = 195]
4. 4 [Option ID = 196]

5) The children in a mathematics class are arranging the given numbers in the following order :
28, 48, 57, 92
Which of the following concepts is being used by the children in arranging the numbers ?

(1) Proportion

(2) Place value

(3) Regrouping

(4) Approximation

गणित की कक्षा में बच्चे दी गई संख्याओं को निम्नलिखित क्रम में व्यवस्थित कर रहे हैं :
28, 48, 57, 92
बच्चों द्वारा निम्नलिखित में से कौन-सी अवधारणा का उपयोग संख्याओं को व्यवस्थित करने में किया गया है ?

(1) समानुपात

(2) स्थानीय मान

(3) पुन: समूहीकरण

(4) सन्निकटन

[Question ID = 50][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q50]
1. 1 [Option ID = 197]
2. 2 [Option ID = 198]
3. 3 [Option ID = 199]
4. 4 [Option ID = 200]

6) Which among the following is the most appropriate strategy for introducing the concept of place value to grade I learners ?

(1) Write the place value of numbers on the blackboard and explain.

(2) Write expanded form of numbers.

(3) Use manipulatives to explain 10 as a bundle of ones.

(4) Draw place value columns on a chart paper.

स्तर I के शिक्षार्थियों को स्थानीय मान की अवधारणा प्रस्तावित करने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी सबसे उपयुक्त योजना है ?

(1) श्यामपट्ट पर संख्याओं का स्थानीय मान लिखिए और समझाइए।

(2) संख्याओं के विस्तारित रूप को लिखिए।

(3) हस्त कौशल सामग्री का उपयोग करते हुए 10 को एकक के गट्ठे के रूप में समझाइये।

(4) स्थानीय मान के स्तंभों को चार्ट पेपर पर चित्रित कीजिए।

[Question ID = 51][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q51]

1. 1 [Option ID = 201]
2. 2 [Option ID = 202]
3. 3 [Option ID = 203]
4. 4 [Option ID = 204]

7) "Communication is an important process skill required in mathematics." What do you mean by mathematical communication ?

(1) Ability of the child to read the word problems quickly and correctly

(2) Ability of the child to participate in mathematics quiz

(3) Ability of the child to consolidate, organise and express mathematical thinking

(4) Ability of the child to write mathematical essays

"गणित में संप्रेषण एक महत्त्वपूर्ण वांछित प्रक्रिया कौशल है ।" गणितीय संप्रेषण से आप क्या समझते हैं ?

(1) ईबारती सवालों को शीघ्र तथा सही तरीके से पढ़ने की बच्चे की क्षमता

(2) गणितीय प्रश्नोत्तरी में भाग लेने की बच्चे की क्षमता

(3) गणितीय चिंतन को समेकित, संघटित एवं अभिव्यक्त करने की बच्चे की क्षमता

(4) गणितीय निबंध लिखने की बच्चे की क्षमता

[Question ID = 52][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q52]

1. 1 [Option ID = 205]
2. 2 [Option ID = 206]
3. 3 [Option ID = 207]
4. 4 [Option ID = 208]

8) When asked to find out 354 + 99, a primary grade student, solves it in the following way :
354 + 99 = 354 + 99 + 1 –1 = 354 + 100 – 1 = 454 – 1 = 453
The strategy used by the student to find the sum is known as

(1) Substitution

(2) Addition-Subtraction

(3) Compensation

(4) Partition

जब 354 + 99 का जोड़ ज्ञात करने के लिए कहा गया, तब प्राथमिक स्तर के विद्यार्थी ने निम्न प्रकार से उसे हल किया :
354 + 99 = 354 + 99 + 1 –1 = 354 + 100 – 1 = 454 – 1 = 453
जोड़ ज्ञात करने के लिए विद्यार्थी द्वारा प्रयुक्त विधि/कार्यनीति कहलाती है

(1) विस्थापन

(2) योजन-व्यवकलन

(3) प्रतिकरण

(4) वितरण/विभाजन

[Question ID = 53][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q53]

1. 1 [Option ID = 209]

2. 2 [Option ID = 210]
3. 3 [Option ID = 211]
4. 4 [Option ID = 212]

9) Which of the following is ***not*** true about mathematics ?

(1) It is based on empirical evidences to prove different mathematical truths.

(2) It is based on deductive reasoning.

(3) It is a creative discipline and has aesthetic value.

(4) It is validated by reasoning.

निम्नलिखित में से कौन-सा गणित के संबंध में सही ***नहीं*** है ?

(1) विभिन्न गणितीय तथ्यों को प्रमाणित करने के लिए यह अनुभवजन्य/अनुभवसिद्ध साक्ष्यों पर आधारित है ।

(2) यह निगमनात्मक विवेचन पर आधारित है ।

(3) यह एक सृजनात्मक विषय-क्षेत्र है और इसका सौंदर्यपरक मूल्य है ।

(4) इसे तर्क द्वारा वैधीकृत/अभिपुष्ट किया जाता है ।

[Question ID = 54][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q54]
1. 1 [Option ID = 213]
2. 2 [Option ID = 214]
3. 3 [Option ID = 215]
4. 4 [Option ID = 216]

10) 'NIPUN' Bharat scheme that ensures every child in India gains foundational numeracy and literacy was launched by the Education Ministry of India under National Education Policy (NEP) 2020. 'NIPUN' stands for

(1) National Initiative for Proficiency in Reading with Understanding and Numeracy

(2) National Initiative for Proficiency in Writing with Understanding and Numeracy

(3) National Initiative for Perfection in Understanding and Numeracy

(4) National Initiative for Improved Pedagogy in Understanding and Numeracy

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के अंतर्गत, भारतीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा 'निपुण' भारत योजना की शुरुआत की गई थी जो प्रत्येक छात्र में आधारभूत संख्यात्मकता एवं साक्षरता को सुनिश्चित करती है । 'निपुण' भारत का पूरा नाम है

(1) नेशनल इनीशिएटिव फॉर प्रोफिशिएंसी इन रीडिंग विद अंडरस्टैंडिंग एंड न्यूमेरेसी

(2) नेशनल इनीशिएटिव फॉर प्रोफिशिएंसी इन राइटिंग विद अंडरस्टैंडिंग एंड न्यूमेरेसी

(3) नेशनल इनीशिएटिव फॉर परफेक्शन इन अंडरस्टैंडिंग एंड न्यूमेरेसी

(4) नेशनल इनीशिएटिव फॉर इम्प्रूव्ड पैडागोजी इन अंडरस्टैंडिंग एंड न्यूमेरेसी

[Question ID = 55][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q55]
1. 1 [Option ID = 217]
2. 2 [Option ID = 218]
3. 3 [Option ID = 219]
4. 4 [Option ID = 220]

11) Class I and Class II NCERT books have chapters based on listing out daily activities in a child's routine; the days of a week, days of months, change of weather etc. Such chapters :

(1) Convey no meaning in a mathematics classroom.

(2) Make mathematics textbook colourful and fun to read.

(3) Help students learn the standard units of measurement.

(4) Help students to learn the concept of time contextually.

NCERT की कक्षा I और कक्षा II की पाठ्यपुस्तकों में ऐसे पाठ हैं जो कि बच्चे की दैनिक गतिविधियों को सूचीबद्ध करने पर; सप्ताह के दिनों पर, महीनों के दिनों पर, मौसम के परिवर्तन, आदि पर आधारित हैं । ऐसे पाठ :

(1) गणित की कक्षा में किसी अर्थ को संप्रेषित नहीं करते हैं ।

(2) गणित की पाठ्यपुस्तक को रंग-बिरंगा एवं आनंददायक बनाते हैं ।

(3) विद्यार्थियों को मापन की मानक इकाइयों को सीखने में सहयोग करते हैं ।

(4) विद्यार्थियों को समय की अवधारणा को संदर्भात्मक रूप से सीखने में सहयोग करते हैं ।

[Question ID = 56][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q56]

1. 1 [Option ID = 221]
2. 2 [Option ID = 222]
3. 3 [Option ID = 223]
4. 4 [Option ID = 224]

12) Which among the following is/are part of the key processes required for developing creative thinking in mathematics ?

A. Recognising patterns and relationships

B. Formulating hypotheses

C. Using a given formula to solve problems

(1) A and B

(2) A and C

(3) B and C

(4) Only B

निम्नलिखित में से कौन-सा/से गणित में सृजनात्मक चिंतन के विकास के लिए मुख्य प्रक्रमों का एक भाग है/हैं ?

A. पैटर्न तथा संबंधों को पहचानना

B. परिकल्पनाएँ बनाना

C. दिए गए सूत्र का उपयोग कर समस्याओं का समाधान करना

(1) A और B

(2) A और C

(3) B और C

(4) केवल B

[Question ID = 57][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q57]
1. 1 [Option ID = 225]
2. 2 [Option ID = 226]
3. 3 [Option ID = 227]
4. 4 [Option ID = 228]

13) According to National Curriculum Framework 2005, the most appropriate way to develop a positive attitude towards mathematics and a liking for it in primary grade children is to

(1) provide opportunities to enhance cognitive skills for learning mathematics

(2) use mathematical games, puzzles and stories to make connections between mathematics and childen's life experiences

(3) use an aptitude scale to find out children's score on it and provide remedial measures

(4) frequently organise sessions by experts on importance of mathematics in everyday life

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2005 के अनुसार, प्राथमिक स्तर के बच्चों में गणित के प्रति रुचि एवं एक सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास करने का सबसे उपयुक्त मार्ग है

(1) गणित के अधिगम हेतु संज्ञानात्मक कौशलों में वृद्धि के लिए अवसर प्रदान करना

(2) गणित एवं बच्चों के जीवन के अनुभवों में, गणितीय खेलों, पहेलियों और कहानियों का उपयोग कर, संबंध बनाना

(3) अभिक्षमता स्केल का उपयोग कर बच्चों का परिणाम जानना एवं उपचारी विधियाँ प्रदान करना

(4) दैनिक जीवन में गणित के महत्त्व पर विशेषज्ञों द्वारा सत्रों का निरंतर आयोजन करना

[Question ID = 58][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q58]
1. 1 [Option ID = 229]
2. 2 [Option ID = 230]
3. 3 [Option ID = 231]
4. 4 [Option ID = 232]

14) When asked to solve 12 × 25, a child uses the following method :
$12 \times 25 = 3 \times 4 \times 25 = 3 \times 100 = 300$
As a constructivist mathematics teacher what will be your reaction to the strategy used by the child ?

(1) Accept the answer but tell the child that it is not the right way to do multiplication.

(2) Instruct the child to seek help from other students to solve the problem using correct algorithm.

(3) Appreciate the child and encourage other students to come up with different ways to solve the problem.

(4) Appreciate the child's answer but advice him/her not to use this method in examination to solve the problem.

जब किसी बच्चे को 12 × 25 का हल निकालने के लिए कहा गया, तब उसने निम्नलिखित विधि अपनाई :

12 × 25 = 3 × 4 × 25 = 3 × 100 = 300

गणित के एक रचनावादी शिक्षक के रूप में, बच्चे द्वारा प्रयुक्त विधि पर आपकी क्या प्रतिक्रिया होगी ?

(1) उत्तर स्वीकारें किन्तु बच्चे को बताएँ कि गुणन करने की यह सही विधि नहीं है।

(2) सही कलन विधि का उपयोग कर प्रश्न हल करने के लिए बच्चे को अन्य विद्यार्थियों की सहायता लेने का निर्देश दें।

(3) बच्चे की सराहना करें और अन्य विद्यार्थियों को भी प्रश्न हल करने के लिए विभिन्न तरीकों को ढूँढने के लिए कहें।

(4) बच्चे के उत्तर की सराहना करें किन्तु उसे सलाह दें कि परीक्षा में प्रश्न हल करने के लिए इस विधि का उपयोग न करे।

[Question ID = 59][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q59]

1. 1 [Option ID = 233]
2. 2 [Option ID = 234]
3. 3 [Option ID = 235]
4. 4 [Option ID = 236]

15) Which of the following statements is least likely to be one of the characteristics of levels in Van Hiele's theory of geometric thinking ?

(1) They are age dependent

(2) They are sequential

(3) They are experience dependent

(4) They are developmental

निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा कथन वैन हैले की ज्यामितीय चिंतन के सिद्धांत (थ्योरी) में स्तरों की न्यून रूप से संभावनीय विशिष्टता है ?

(1) ये आयु पर निर्भर हैं

(2) ये आनुक्रमिक हैं

(3) ये अनुभव पर निर्भर हैं

(4) ये विकासात्मक हैं

[Question ID = 60][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q60]

1. 1 [Option ID = 237]
2. 2 [Option ID = 238]
3. 3 [Option ID = 239]
4. 4 [Option ID = 240]

Topic:- EVS_Q61-75_P1_CTET

1) With respect to the location of the capital of India the directions of Lucknow (Capital of Uttar Pradesh) and Jaipur (Capital of Rajasthan) respectively are

(1) North-East, North-West

(2) South-East, South-West

(3) South-West, South-East

(4) North-West, North-East

भारत की राजधानी की स्थिति के सापेक्ष लखनऊ (उत्तर प्रदेश की राजधानी) और जयपुर (राजस्थान की राजधानी) की दिशाएँ क्रमश: हैं

(1) उत्तर-पूर्व, उत्तर-पश्चिम

(2) दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पश्चिम

(3) दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व

(4) उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पूर्व

[Question ID = 61][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q61]

1. 1 [Option ID = 241]
2. 2 [Option ID = 242]
3. 3 [Option ID = 243]
4. 4 [Option ID = 244]

2) A teacher is recruited in a school in Maharashtra. She is teaching about food and she gives an example of 'bharli vangi', which is a dish made of

(1) stuffed baby eggplant preparation

(2) plain lentil stew

(3) creamy dish of fresh pomfret fishes

(4) curry made of potatoes, cauliflower and tomatoes

एक अध्यापिका की नियुक्ति महाराष्ट्र के एक विद्यालय में हुई है । वह भोजन के विषय में पढ़ा रही है तथा वह 'भरली वांगी' का उदाहरण देती है जो कि एक व्यंजन है जो बना है

(1) छोटे-छोटे भरवाँ बैंगन से

(2) सादा दाल का दमपुख्त (स्टू)

(3) ताजी पोमफ्रेट मछलियों का मलाईदार व्यंजन

(4) आलू, फूलगोभी तथा टमाटर की करी

[Question ID = 62][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q62]

1. 1 [Option ID = 245]
2. 2 [Option ID = 246]
3. 3 [Option ID = 247]
4. 4 [Option ID = 248]

3) The feathers of the birds are of different colours, shapes and sizes. Their feathers help them to fly and

A. eat different types of food
B. keep them warm
C. walk in different ways
D. keep them waterproof

(1) B and C
(2) B and D
(3) B, C and D
(4) A, B, C and D

पक्षियों के पंख विभिन्न रंगों, आकारों एवं माप के होते हैं। इनके पंख उन्हें उड़ने में सहायता करते हैं तथा

A. विभिन्न प्रकार का भोजन खाने में
B. उन्हें गर्म रखते हैं
C. विभिन्न तरीकों से चलने में
D. उन्हें जलसह बनाते हैं

(1) B और C
(2) B और D
(3) B, C और D
(4) A, B, C और D

[Question ID = 63][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q63]

1. 1 [Option ID = 249]
2. 2 [Option ID = 250]
3. 3 [Option ID = 251]
4. 4 [Option ID = 252]

4) Animals that lay eggs have following characteristics :

(1) external ears and hair on their bodies
(2) internal ears and no hair on their bodies
(3) external ears and no hair on their bodies
(4) internal ears and have hair on their bodies

जो पशु अण्डे देते हैं, उनकी निम्नलिखित विशेषताएँ होती हैं :

(1) उनके बाहरी कान एवं शरीर पर बाल होते हैं।
(2) उनके आंतरिक कान होते हैं एवं शरीर पर बाल नहीं होते हैं।
(3) उनके बाहरी कान होते हैं एवं शरीर पर बाल नहीं होते हैं।
(4) उनके आंतरिक कान एवं शरीर पर बाल होते हैं।

[Question ID = 64][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q64]

1. 1 [Option ID = 253]
2. 2 [Option ID = 254]
3. 3 [Option ID = 255]
4. 4 [Option ID = 256]

5) The name of the first Indian women who reached the peak of the Mount Everest and pitched the national flag and took photographs of the event is

(1) Karnam Malleswari

(2) Sunita Williams

(3) Suryamani

(4) Bacchhendri Pal

उस पहली भारतीय महिला का नाम, जिन्होंने एवरेस्ट पर्वत की चोटी पर कदम रखा और राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा) गाड़ा तथा कई फोटो भी खींचीं, है

(1) कर्णम मल्लेश्वरी

(2) सुनीता विलियम्स

(3) सूर्यमणि

(4) बछेन्द्री पाल

[Question ID = 65][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q65]

1. 1 [Option ID = 257]
2. 2 [Option ID = 258]
3. 3 [Option ID = 259]
4. 4 [Option ID = 260]

6) Which of the following statement(s) is/are true regarding Manipur ?

A. Manipur means 'Land of Jewels'.

B. Lavani is the folk dance of Manipur.

C. Loktak lake is known for circular floating swamps called phumdis.

D. Manipur is the largest producer of bamboo products.

(1) A only

(2) A, C and D

(3) A, B and C

(4) A and C

निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन मणिपुर के सम्बन्ध में सही है/हैं ?

A. मणिपुर का अर्थ है 'ज़ेवरों का देश' ।

B. लावनी मणिपुर का लोक नृत्य है ।

C. लोकटक ताल जाना जाता है फुमदी नामक गोलाकार तैरते हुए दलदलों के लिए ।

D. मणिपुर बाँस के उत्पादों का सबसे बड़ा उत्पादक है ।

(1) केवल A

(2) A, C और D

(3) A, B और C

(4) A और C

[Question ID = 66][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q66]

1. 1 [Option ID = 261]
2. 2 [Option ID = 262]
3. 3 [Option ID = 263]
4. 4 [Option ID = 264]

7) Work is something we do to

A. earn fame

B. have fun

C. support oneself and others

D. save energy

(1) A and B

(2) B and C

(3) C only

(4) C and D

कार्य ऐसी चीज़ है जो हम करते हैं

A. यश कमाने के लिए

B. मनोरंजन के लिए

C. अपने को व अन्य लोगों को सहारा/भरण-पोषण के लिए

D. ऊर्जा बचाने के लिए

(1) A और B

(2) B और C

(3) केवल C

(4) C और D

[Question ID = 67][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q67]

1. 1 [Option ID = 265]
2. 2 [Option ID = 266]
3. 3 [Option ID = 267]
4. 4 [Option ID = 268]

8) Which of the following is true about an elephant herd ?

A. Their herd always has two or more old male elephants in it.

B. Their herd has all male elephants and baby elephants living with female elephants.

C. Male elephants live in the herd till they are 14-15 years old.

D. Their herd has only female and baby elephants.

Choose the correct option :

(1) A and B

(2) B and C

(3) C and D

(4) A and D

हाथियों के झुंड के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा सही है ?

A. उनके झुंड में हमेशा दो या उससे अधिक नर हाथी होते हैं।

B. उनके झुंड में सारे नर हाथी होते हैं तथा हाथी के बच्चे मादा हाथियों के साथ रहते हैं।

C. नर हाथी झुंड के साथ 14-15 वर्ष की आयु तक रहते हैं।

D. उनके झुंड में केवल मादाएँ तथा हाथियों के बच्चे रहते हैं।

सही विकल्प का चयन कीजिए :

(1) A तथा B

(2) B तथा C

(3) C तथा D

(4) A तथा D

[Question ID = 68][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q68]

1. 1 [Option ID = 269]
2. 2 [Option ID = 270]
3. 3 [Option ID = 271]
4. 4 [Option ID = 272]

9) In the textbook for class V a map of Golconda Fort is given. On the right bottom of the map following scale is printed.

Scale 1 cm = 110 metre

If on the map the distance between the Fateh Darwaza and Patancheru Darwaza is 15·2 cm, the actual distance between these two places is

(1) 1·520 km

(2) 1·652 km

(3) 1·672 km

(4) 16·72 km

कक्षा V की पाठ्यपुस्तक में गोलकोंडा किले का मानचित्र दिया गया है। इस पर दाहिने नीचे की ओर पैमाना छपा है।
पैमाना 1 सेमी = 110 मीटर
यदि इस मानचित्र पर फतेह दरवाजा और पटनचेरु दरवाजा के बीच की दूरी 15·2 सेमी है, तो इन दोनों स्थानों के बीच की वास्तविक दूरी है

(1) 1·520 किलोमीटर

(2) 1·652 किलोमीटर

(3) 1·672 किलोमीटर

(4) 16·72 किलोमीटर

[Question ID = 69][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q69]

1. 1 [Option ID = 273]
2. 2 [Option ID = 274]
3. 3 [Option ID = 275]
4. 4 [Option ID = 276]

10) Sona's friend Tara is from Mizoram. Tara has difficulty in speaking Hindi because in Mizoram the main languages spoken are

(1) Khasi, Assamese

(2) Mizo, Lusei, Kuki

(3) Meiteilon, English

(4) Mao, Bengali

सोना की सहेली तारा मिज़ोरम से है। तारा को हिन्दी बोलने में परेशानी होती है क्योंकि मिज़ोरम में बोली जाने वाली प्रमुख भाषाएँ हैं

(1) खासी, असमी

(2) मिज़ो, लूसेई, कुकी

(3) मेतेलॉन, अंग्रेजी

(4) माओ, बंगाली

[Question ID = 70][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q70]

1. 1 [Option ID = 277]
2. 2 [Option ID = 278]
3. 3 [Option ID = 279]
4. 4 [Option ID = 280]

11) Petroleum and Coal are known as non-renewable fuels because they

(1) cause pollution

(2) are expensive

(3) are obtained through fractional distillation

(4) take many years to form

पेट्रोलियम तथा कोयले को अनवीकरणीय ईंधन कहा जाता है क्योंकि ये

(1) प्रदूषण फैलाते हैं

(2) महँगे होते हैं

(3) प्रभाजी आसवन के द्वारा प्राप्त किए जाते हैं

(4) बनने में कई साल लगते हैं

[Question ID = 71][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q71]

1. 1 [Option ID = 281]
2. 2 [Option ID = 282]
3. 3 [Option ID = 283]
4. 4 [Option ID = 284]

12) Mountaineers carry oxygen cylinders with them because they need it for

(1) Cooking food as availability of fuel is less in mountains.

(2) Keeping them warm by burning oxygen in it.

(3) breathing as less oxygen is available at high altitudes.

(4) Putting up support for tents.

पर्वतारोही अपने साथ ऑक्सीजन सिलिंडर ले जाते हैं क्योंकि उन्हें इसकी जरूरत होती है

(1) खाना पकाने के लिए क्योंकि पर्वतों में ईंधन की उपलब्धता कम होती है।

(2) अपने को गर्म रखने के लिए उसमें उपस्थित ऑक्सीजन को जला कर।

(3) साँस लेने के लिए क्योंकि अधिक ऊँचाइयों पर ऑक्सीजन की मात्रा कम मिलती है।

(4) टेंट लगाने के लिए सहारे के रूप में।

[Question ID = 72][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q72]

1. 1 [Option ID = 285]
2. 2 [Option ID = 286]
3. 3 [Option ID = 287]
4. 4 [Option ID = 288]

13) Three Indian states having coast on the Arabian Sea are

(1) Karnataka, Tamil Nadu, Andhra Pradesh

(2) Maharashtra, Karnataka, Puducherry

(3) Goa, Maharashtra, Kerala

(4) Telangana, Kerala, Karnataka

अरब सागर के तीन भारतीय तटवर्ती प्रदेश (राज्य) हैं

(1) कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश

(2) महाराष्ट्र, कर्नाटक, पुदुचेरी

(3) गोआ, महाराष्ट्र, केरल

(4) तेलंगाना, केरल, कर्नाटक

[Question ID = 73][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q73]

1. 1 [Option ID = 289]

2. 2 [Option ID = 290]
3. 3 [Option ID = 291]
4. 4 [Option ID = 292]

14) The traditional dance of Rajasthan where veiled women dancers balance seven to nine brass pots on their head is known as

(1) Kalbelia

(2) Kathak

(3) Terah Taali

(4) Bhavai

राजस्थान का पारम्परिक नृत्य जिसमें घूँघट वाली महिला नृत्यांगनाएँ सिर पर सात से नौ पीतल के घड़ों को संभालती हैं, कहलाता है

(1) कालबेलिया

(2) कथक

(3) तेरह ताली

(4) भवाई

[Question ID = 74][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q74]

1. 1 [Option ID = 293]
2. 2 [Option ID = 294]
3. 3 [Option ID = 295]
4. 4 [Option ID = 296]

15) Madhubani is a famous

A. Lake in Rajasthan

B. Shawl from Bihar

C. Woven saree from Andhra Pradesh

D. Form of folk art Paintings from Bihar

E. Place in Bihar

(1) A and B

(2) B and C

(3) B, D and E

(4) D and E

मधुबनी एक प्रसिद्ध

A. झील है राजस्थान में

B. बिहार की शॉल है

C. आंध्र प्रदेश की बुनी हुई साड़ी है

D. बिहार की एक प्रकार की लोक-कला चित्रकारी है

E. बिहार का एक स्थान है

(1) A और B

(2) B और C

(3) B, D और E

(4) D और E

[Question ID = 75][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q75]

1. 1 [Option ID = 297]
2. 2 [Option ID = 298]
3. 3 [Option ID = 299]
4. 4 [Option ID = 300]

Topic:- EVS_Q76-90_P1_CTET

1) Shobhit observes a pitcure in a book where girls are shown playing with pebbles and boys are shown playing cricket. He asks his teacher that why are boys and girls playing separately ? Why are boys not playing pebbles ? Why are girls not playing cricket ?
Which of the following EVS teaching objectives are included in this event ?

A. Development of higher level critical thinking.

B. Development of broad cultural attitude and aesthetic sensitivity.

C. Development of an understanding based on observation and picturization.

D. Development of cognitive ability for generating curosity about a social event.

(1) A, B and C

(2) B, C and D

(3) A, B and D

(4) A, C and D

शोभित किताब में एक चित्र देखता है, जिसमें लड़कियों को गोटियाँ खेलते तथा लड़कों को क्रिकेट खेलते हुए दिखाया गया है। वह अपने अध्यापक से पूछता है कि लड़के और लड़कियाँ अलग-अलग क्यों खेल रहे हैं ? लड़के गोटियाँ क्यों नहीं खेल रहे हैं ? लड़कियाँ क्रिकेट क्यों नहीं खेल रही हैं ?

निम्नलिखित में से कौन-से पर्यावरण अध्ययन शिक्षण उद्देश्य इस घटना में सम्मिलित हैं ?

A. उच्च स्तरीय आलोचनात्मक सोच विकसित करना।

B. व्यापक सांस्कृतिक नज़रिया एवं सौन्दर्य के प्रति संवेदना विकसित करना।

C. अवलोकन और चित्रण के आधार पर समझ विकसित करना।

D. सामाजिक घटना के बारे में जिज्ञासु बनाने के लिए संज्ञानात्मक क्षमता विकसित करना।

(1) A, B और C

(2) B, C और D

(3) A, B और D

(4) A, C और D

[Question ID = 76][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q76]

1. 1 [Option ID = 301]
2. 2 [Option ID = 302]
3. 3 [Option ID = 303]
4. 4 [Option ID = 304]

2) As an EVS teacher, you want to introduce the theme of 'Seasons' to your learners of class II. Which one of the following would be the best pedagogic strategy ?

(1) Use charts and books to explain the concept of seasons

(2) Use videos of seasons to later explain seasons on blackboard

(3) Use newspapers to read about articles on seasons

(4) Use food habits, clothes worn and relevant local literature to develop interest in seasons

पर्यावरण अध्ययन के एक शिक्षक के रूप में, आप कक्षा II के अपने विद्यार्थियों के समक्ष विषय 'ऋतुएँ' प्रस्तावित करना चाहते हैं। निम्नलिखित में से कौन एक उत्तम शिक्षणशास्त्रीय युक्ति होगी ?

(1) संप्रत्यय ऋतुएँ समझाने के लिए चार्ट एवं पुस्तकों का उपयोग

(2) श्यामपट्ट पर लिखे विषय ऋतुएँ को बाद में समझाने के लिए ऋतुओं के वीडियो का उपयोग

(3) ऋतुओं पर लिखे लेख पढ़ने के लिए समाचार-पत्रों का उपयोग

(4) ऋतुओं के विषय में रुचि का विकास करने के लिए भोजन की आदतों, पहनने के वस्त्रों और संदर्भित स्थानीय साहित्य का उपयोग

[Question ID = 77][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q77]

1. 1 [Option ID = 305]
2. 2 [Option ID = 306]

3. 3 [Option ID = 307]
4. 4 [Option ID = 308]

3) Which of the following statements are the correct description of the nature of assessment ?

A. It is a part of teaching-learning process, that is continuous.

B. It acquaints about the achievement level of students and what they don't know.

C. It diagnoses the hindrances in learning and helps in their removal.

D. It acquaints about the tendency to learn, interests and prior experiences of students.

(1) A, B and C

(2) B, C and D

(3) A, C and D

(4) A, B and D

निम्नलिखित में से कौन-से कथन आकलन की प्रकृति की सही व्याख्या करते हैं ?

A. शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया का एक अंग है, जो सतत चलता रहता है।

B. विद्यार्थियों के उपलब्धि स्तर तथा उन्हें क्या नहीं आता है, के बारे में अवगत कराता है।

C. सीखने में आई बाधाओं का पता लगाकर उन्हें दूर करने में सहायक है।

D. विद्यार्थियों की सीखने की प्रवृत्ति, रुचि एवं पूर्व अनुभवों के बारे में अवगत कराता है।

(1) A, B और C

(2) B, C और D

(3) A, C और D

(4) A, B और D

[Question ID = 78][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q78]

1. 1 [Option ID = 309]
2. 2 [Option ID = 310]
3. 3 [Option ID = 311]
4. 4 [Option ID = 312]

4) As EVS teacher of class V, in the chapter 'Walls Tell Stories' you need to introduce learners to historical monuments, which method you think will suit best ?

(1) Virtual tours, online games and quiz related to historical monuments

(2) Passage reading on historical monuments

(3) Visits to local historical monuments followed by discussion

(4) Lecture discussion method to explain the past of historical monuments

कक्षा V के पर्यावरण अध्ययन शिक्षक के रूप में, पाठ 'बोलती इमारतें' के लिए आपको विद्यार्थियों को ऐतिहासिक इमारतों को प्रस्तुत करने की आवश्यकता है, आप क्या सोचते हैं कि कौन-सी विधि सर्वथा उत्तम होगी ?

(1) ऐतिहासिक इमारतों से संबंधित आभासी सैर, ऑन-लाइन खेल और पहेली

(2) ऐतिहासिक इमारतों पर परिच्छेद पठन

(3) स्थानीय ऐतिहासिक इमारतों का भ्रमण और तत्पश्चात् उन पर चर्चा

(4) ऐतिहासिक इमारतों का भूतकाल समझाने के लिए व्याख्यान-चर्चा विधि

[Question ID = 79][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q79]

1. 1 [Option ID = 313]
2. 2 [Option ID = 314]
3. 3 [Option ID = 315]
4. 4 [Option ID = 316]

5) A teacher asked students to draw an ant. Some students made 4 legs of ant while some made 6 and some 8 legs. What should the teacher do ?

(1) Tell them that ants have 6 legs and not 4 or 8 legs

(2) Tell them that students who made 6 legs are correct and all other students are wrong

(3) Show them a picture of an ant and ask them to observe the number of legs

(4) Give them a magnifying lens and ask to them observe the number of legs in an ant

अध्यापक विद्यार्थियों से एक चींटी का चित्र बनाने को कहते हैं । कुछ विद्यार्थी चींटी के चार पैर बनाते हैं, जबकि कुछ छह और कुछ आठ पैर बनाते हैं । अध्यापक को क्या करना चाहिए ?

(1) यह कहना चाहिए कि चींटी के छह पैर होते हैं, चार या आठ नहीं होते

(2) यह कहना चाहिए कि जिन विद्यार्थियों ने छह पैर बनाए हैं, वे सही हैं और बाकी सभी विद्यार्थी गलत हैं

(3) उन्हें चींटी का चित्र दिखाकर पैरों की संख्या देखने के लिए कहना चाहिए

(4) उन्हें आवर्धक लेंस देकर, चींटी के पैरों की संख्या को देखने के लिए कहना चाहिए

[Question ID = 80][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q80]

1. 1 [Option ID = 317]
2. 2 [Option ID = 318]
3. 3 [Option ID = 319]
4. 4 [Option ID = 320]

6) As an EVS teacher of class IV, you have to indroduce the concept of astronauts to learners. Which method will you follow ?

(1) Explain the definition of astronaut and ask students to memorise

(2) Deliver a lecture on astronauts

(3) Share biographies of astronauts of India and then highlight main features

(4) Share stories on astronauts to help students understand the concept

कक्षा IV के पर्यावरण अध्ययन के शिक्षक के रूप में, आपको विद्यार्थियों को अंतरिक्षयात्रियों का संप्रत्यय प्रस्तावित करना है। इसलिए आप कौन-से प्रक्रम का अनुसरण करेंगे ?

(1) विद्यार्थियों को अंतरिक्षयात्रियों की परिभाषा समझाइए और याद करने के लिए कहिए

(2) अंतरिक्षयात्रियों पर एक व्याख्यान दीजिए

(3) भारत के अंतरिक्षयात्रियों की आत्मकथाएँ साझा कीजिए और उनकी मुख्य विशेषताओं को इंगित कीजिए

(4) अंतरिक्षयात्रियों की कहानियाँ साझा कीजिए और विद्यार्थियों को विषय को समझने में सहायता कीजिए

[Question ID = 81][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q81]

1. 1 [Option ID = 321]
2. 2 [Option ID = 322]
3. 3 [Option ID = 323]
4. 4 [Option ID = 324]

7) Yash asked his teacher, "Why some food-product packets are labelled with red while some food-product packets are labelled with green dot ?". Teacher explained that green dot indicates vegetarian food while red dot indicates non-vegetarian food. She asked students to observe various food-product packets and enlist them as vegetarian and non-vegetarian. Which of the following processes are involved in this activity ?

A. Identification
B. Imagination
C. Bias
D. Classification

(1) A and B

(2) B and C

(3) C and D

(4) A and D

यश ने अपने अध्यापक से पूछा, "कुछ भोजन उत्पादों के पैकेट पर हरे गोले क्यों हैं, जबकि कुछ भोजन उत्पादों के पैकेट पर लाल गोले बने हैं ?" । अध्यापक समझाते हैं कि हरे गोले शाकाहारी खाने तथा लाल गोले मांसाहारी खाने को सूचित करते हैं । अध्यापक ने विद्यार्थियों को विभिन्न भोजन उत्पादों के पैकेट देखकर उन्हें शाकाहारी अथवा मांसाहारी में सूचीबद्ध करने को कहा । इस गतिविधि में निम्नलिखित में से कौन-सी प्रक्रियाएँ शामिल हैं ?

A. पहचान
B. कल्पना
C. पूर्वाग्रह
D. वर्गीकरण

(1) A और B
(2) B और C
(3) C और D
(4) A और D

[Question ID = 82][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q82]

1. 1 [Option ID = 325]
2. 2 [Option ID = 326]
3. 3 [Option ID = 327]
4. 4 [Option ID = 328]

8) As an EVS teacher, you decide to familiarise students with contemporary issues related to environment. Which one of the following would you prefer ?

(1) Ask students to watch news channels
(2) Ask students to subscribe to newspapers at home
(3) Relate relevant articles in class and also share them
(4) Talk to parents to ensure newspaper reading at home

एक पर्यावरण अध्ययन शिक्षक के रूप में, अपने विद्यार्थियों को पर्यावरण से संबंधित समकालीन मुद्दों से परिचित करवाना है । निम्नलिखित में से आप किसे प्राथमिकता देंगे ?

(1) विद्यार्थियों को समाचार चैनल देखने के लिए कहेंगे
(2) विद्यार्थियों को घर पर समाचार-पत्रों का ग्राहक बनने के लिए कहेंगे
(3) कक्षा में संबंधित लेखों का उल्लेख करेंगे एवं उनको साझा भी करेंगे
(4) घर पर समाचार-पत्र पठन को सुनिश्चित करने के लिए माता-पिता से बात करेंगे

[Question ID = 83][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q83]

1. 1 [Option ID = 329]
2. 2 [Option ID = 330]
3. 3 [Option ID = 331]
4. 4 [Option ID = 332]

9) John is forming animal shadows with the help of his hands and asks students to guess which animal is being formed in the shadow. Which of the following processes are involved in this activity ?

A. Prediction
B. Observation
C. Inference
D. Description

(1) A, B and D
(2) A, B and C
(3) C and D
(4) A and D

जॉन अपने हाथों की सहायता से जंतुओं की परछाई बना रहा है और वह विद्यार्थियों से यह अंदाजा लगाने को कहता है कि परछाई में कौन-सा जानवर बन रहा है । इस गतिविधि में निम्नलिखित में से कौन-सी प्रक्रियाएँ शामिल हैं ?

A. अनुमान
B. अवलोकन
C. निष्कर्ष
D. वर्णन

(1) A, B और D
(2) A, B और C
(3) C और D
(4) A और D

[Question ID = 84][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q84]

1. 1 [Option ID = 333]
2. 2 [Option ID = 334]
3. 3 [Option ID = 335]
4. 4 [Option ID = 336]

10) Integrated perspective in EVS denotes which of the following ?

(1) Draw insights from science and social studies
(2) Draw insights from social studies and environment education
(3) Draw insights from science and environment education
(4) Draw insights from science, social studies and environment education

पर्यावरण अध्ययन में एकीकृत/संगठित परिप्रेक्ष्य, निम्नलिखित में से किसे निर्दिष्ट करता है ?

(1) विज्ञान एवं सामाजिक अध्ययन से पूरी जानकारी

(2) सामाजिक अध्ययन एवं पर्यावरण शिक्षा से पूरी जानकारी

(3) विज्ञान एवं पर्यावरण शिक्षा से पूरी जानकारी

(4) विज्ञान, सामाजिक अध्ययन एवं पर्यावरण शिक्षा से पूरी जानकारी

[Question ID = 85][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q85]

1. 1 [Option ID = 337]
2. 2 [Option ID = 338]
3. 3 [Option ID = 339]
4. 4 [Option ID = 340]

11) Rini asked his teacher, "Why are the stems of plants round and not square shaped ?" What should the teacher do ?

A. Teacher should tell students that they will learn about this in higher classes.

B. Teacher should explain students that the reason of round stems is the gravity.

C. Teacher should ask students to think about the reason for the round shape of stem.

D. Teacher should take students for a garden visit and ask to observe the shape of various stems.

(1) A and B

(2) B and C

(3) C and D

(4) A and D

रिनी ने अध्यापक से पूछा, "पौधों के तने गोल क्यों होते हैं, चौकोर क्यों नहीं" ? अध्यापक को क्या करना चाहिए ?

A. अध्यापक को विद्यार्थियों से कहना चाहिए कि वे इस बारे में उच्च कक्षाओं में सीखेंगे ।

B. अध्यापक को विद्यार्थियों को समझाना चाहिए कि गोल तने का कारण गुरुत्वाकर्षण है ।

C. अध्यापक को विद्यार्थियों से तने के गोल आकार होने के कारण सोचने के बारे में कहना चाहिए ।

D. अध्यापक को विद्यार्थियों को बाग में घूमने ले जाना चाहिए तथा विभिन्न तनों के आकार देखने के लिए कहना चाहिए ।

(1) A और B

(2) B और C

(3) C और D

(4) A और D

[Question ID = 86][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q86]

1. 1 [Option ID = 341]
2. 2 [Option ID = 342]
3. 3 [Option ID = 343]
4. 4 [Option ID = 344]

12) Which of the following methods can be effective in transaction of EVS ?

A. Chalk and Talk method

B. Lecture method

C. Role play

D. Story telling

(1) A and B

(2) B and C

(3) C and D

(4) A, B, C and D

निम्नलिखित में से कौन-सी विधियाँ पर्यावरण अध्ययन के सम्पादन में प्रभावी हो सकती हैं ?

A. चॉक एवं टॉक विधि

B. व्याख्यान विधि

C. भूमिका निर्वहन

D. कहानी सुनाना

(1) A और B

(2) B और C

(3) C और D

(4) A, B, C और D

[Question ID = 87][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q87]

1. 1 [Option ID = 345]
2. 2 [Option ID = 346]
3. 3 [Option ID = 347]
4. 4 [Option ID = 348]

13) An EVS teacher asked students to write a poem describing their mother. Pammi read her poem, "My mother is sweet like sugar and honey". Some students don't know the meaning of sugar and honey.
What will you do if you are Pammi's teacher ?

(1) Bring sugar and honey and make the students eat

(2) Tell students meaning of sugar and honey in local language

(3) Bring sugar and honey and show them to students

(4) Explain students how sugar and honey are made

एक पर्यावरण अध्ययन अध्यापक विद्यार्थियों को उनकी मम्मी का वर्णन करने वाली कविता लिखने को कहती है। पम्मी अपनी कविता पढ़ती है, "मेरी मम्मी मीठी है, जैसे मिष्टी दोई"। कुछ विद्यार्थी मिष्टी दोई का अर्थ नहीं जानते हैं।
यदि आप पम्मी के अध्यापक हैं, तो आप क्या करेंगे ?

(1) विद्यार्थियों को मिष्टी दोई लाकर खिलाएँगे

(2) विद्यार्थियों को मिष्टी दोई का अर्थ स्थानीय भाषा में बताएँगे

(3) विद्यार्थियों को मिष्टी दोई लाकर दिखाएँगे

(4) विद्यार्थियों को मिष्टी दोई कैसे बनता है समझाएँगे

[Question ID = 88][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q88]

1. 1 [Option ID = 349]
2. 2 [Option ID = 350]
3. 3 [Option ID = 351]
4. 4 [Option ID = 352]

14) Characteristic of a good EVS curriculum at primary level is to

(1) engage learners in inventing new products

(2) focus on acquiring knowledge

(3) develop socio-emotional skills learners

(4) help learners to earn their livelihood

प्राथमिक स्तर पर एक अच्छे पर्यावरण अध्ययन के पाठ्यचर्या की विशेषता है

(1) विद्यार्थियों को नए उत्पादों के आविष्कार में लगाना

(2) ज्ञान अर्जित करने पर केन्द्रित होना

(3) विद्यार्थियों में सामाजिक-भावनात्मक कौशलों को विकसित करना

(4) विद्यार्थियों को जीविकोपार्जन में सहायता करना

[Question ID = 89][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q89]

1. 1 [Option ID = 353]
2. 2 [Option ID = 354]
3. 3 [Option ID = 355]
4. 4 [Option ID = 356]

15) In EVS group discussion should be conducted, this creates meaningful knowledge. Which of the following statement best describes this fact ?

(1) Learning is faciliated due to social contact.

(2) Thoughts and experiences are shared with others.

(3) Every child is free to express his/her view.

(4) Every response is accepted without criticism.

पर्यावरण अध्ययन में समूह-चर्चा कराना चाहिए, इससे सार्थक ज्ञान का निर्माण होता है। निम्नलिखित में से कौन-सा कथन इस तथ्य की सर्वोत्तम व्याख्या है ?

(1) सामाजिक संपर्क के माध्यम से अधिगम सरल हो जाता है।

(2) विचार और अनुभव दूसरों के साथ साझा किए जाते हैं।

(3) प्रत्येक बच्चा अपनी राय व्यक्त करने हेतु स्वतंत्र है।

(4) प्रत्येक प्रतिक्रिया को बिना आलोचना स्वीकार किया जाता है।

[Question ID = 90][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q90]

1. 1 [Option ID = 357]
2. 2 [Option ID = 358]
3. 3 [Option ID = 359]
4. 4 [Option ID = 360]

Topic:- Assamese_Q91-99_L1_P1_CTET

1) ***নির্দেশ :*** *তলৰ গদ্যাংশ পঢ়ি তাৰ তলত দিয়া প্ৰশ্নৰ উত্তৰসমূহ প্ৰদত্ত বিকল্পৰ মাজৰ পৰা চিনাক্ত কৰাঁ –*

সৃষ্টি পাতনিৰে পৰা মানুহে অস্তিত্ব ৰক্ষাৰ কাৰণে কৰি আহিছে প্ৰকৃতিৰ লগত সংগ্ৰাম – আৰু তাৰ ফলত লাভ কৰিছে একো একোটা আপুৰুগীয়া জ্ঞান । আদিতে, জীয়াই থাকিবলৈ মানুহৰ আৱশ্যক হ'ল আহাৰ আৰু তাপ । চাৰিওফালে থকা প্ৰকৃতিৰ পৰা সংগ্ৰহ হ'ল শৰীৰে সহ্য কৰিব পৰা সামগ্ৰী আৰু নানান শিক্ষাৰ ফলত আৱিষ্কাৰ হ'ল শিলে শিলে ঘহিলে সৃষ্টি হোৱা তাপৰ – এয়ে হ'ল শিক্ষাৰ পাতনি । লাহে লাহে মানুহৰ মাজৰ কেইজনমান বুদ্ধিমন্তই জীৱন উন্নত কৰিলে প্ৰাকৃতিক সম্পদ উৎঘাটন কৰি আৰু কেইজনমান চিন্তাশীলে দৰ্শন আৰু সাহিত্যৰ সৃষ্টি কৰিলে আদি-অনন্তৰ কথা ভাবি গুণি । সমাজ বৃদ্ধি পালে, মানুহে শৃঙ্খলাৱদ্ধ হৈ দেশ শাসনৰ ভাৰ লবলৈ শিকিলে । আমাৰ দেশতো জ্ঞানীসকলে আশ্ৰম পাতি যোগ্যজনক শিক্ষা দিলে দৰ্শন, অৰ্থনীতি, ৰাজনীতি আৰু যুদ্ধনীতিত ।

আমাৰ বুৰঞ্জীৰ পাত মেলিলে আমি দেখিম পৌৰাণিক ভাৰতত প্ৰচলিত এক শিক্ষা প্ৰণালী, যি প্ৰণালীয়ে কুৰি শতিকাৰ প্ৰগতিশীল শিক্ষাবিদকো আচৰিত কৰি দিয়ে । ব্যক্তিগত উন্নতি সাধন কৰি প্ৰত্যেককে উচ্চতম জীৱন-যাত্ৰা নিৰ্ব্বাহ কৰিবলৈ প্ৰস্তুত কৰাকে আদৰ্শ হিচাবে লবলৈ বৰ্তমান শিক্ষাবিদসকলে আমাক কয় – আৰু এয়ে আছিল আমাৰ গুৰুঘৰৰ শিক্ষাৰ আদৰ্শ । হিন্দুৱেই হওক বা মুছলমানেই হওক, ভাৰতীয় শাসনকৰ্ত্তাসকলে ধৰ্ম্ম আৰু জ্ঞানৰ মাজত সমন্বয় সৃষ্টি কৰি গঢ়ি তুলিছিল এক আদৰ্শনীয় শিক্ষানীতি । ১৭০৭ চনত আউৰংজেবৰ মৃত্যুৰ পাচৰে পৰা বৃটিচ ৰাজত্বৰ আৰম্ভলৈকে ৰাষ্ট্ৰবিপ্লৱ, যুদ্ধ-বিগ্ৰহ আদিয়ে ভাৰতীয় শিক্ষা বুৰঞ্জীত আন্ধাৰ যুগ নমালে । ১৮ শ' শতিকাৰ শেষভাগত বিদেশী মিচনাৰী সকলৰ চেষ্টাত ভাৰতত প্ৰচলিত হ'ল এক নতুন শিক্ষাপদ্ধতি । প্ৰথমে ইয়াৰ ভেটি আছিল ধৰ্ম্ম আৰু উদ্দেশ্য আছিল ধৰ্ম্ম প্ৰচাৰ । সময়ত চৰকাৰৰ প্ৰভাৱে এই শিক্ষাক দৃঢ়ভাৱে প্ৰতিষ্ঠা কৰিলে আমাৰ সমাজত ।

শিলে শিলে ঘহিলে তাপৰ উৎপত্তি হোৱাৰ পৰা –

(1) মানুহৰ সভ্যতাৰ আৰম্ভণি

(2) মানুহৰ অস্তিত্ব ৰক্ষাৰ সূচনা

(3) মানুহৰ শিক্ষাৰ আৰম্ভণি

(4) মানুহৰ বুদ্ধিমত্তাৰ আৰম্ভণি

[Question ID = 151][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q91]

1. 1 [Option ID = 601]
2. 2 [Option ID = 602]
3. 3 [Option ID = 603]
4. 4 [Option ID = 604]

2) ***নির্দেশ :*** *তলৰ গদ্যাংশ পঢ়ি তাৰ তলত দিয়া প্ৰশ্নৰ উত্তৰসমূহ প্ৰদত্ত বিকল্পৰ মাজৰ পৰা চিনাক্ত কৰাঁ –*

সৃষ্টি পাতনিৰে পৰা মানুহে অস্তিত্ব ৰক্ষাৰ কাৰণে কৰি আহিছে প্ৰকৃতিৰ লগত সংগ্ৰাম – আৰু তাৰ ফলত লাভ কৰিছে একো একোটা আপুৰুগীয়া জ্ঞান । আদিতে, জীয়াই থাকিবলৈ মানুহৰ আৱশ্যক হ'ল আহাৰ আৰু তাপ । চাৰিওফালে থকা প্ৰকৃতিৰ পৰা সংগ্ৰহ হ'ল শৰীৰে সহ্য কৰিব পৰা সামগ্ৰী আৰু নানান শিক্ষাৰ ফলত আৱিষ্কাৰ হ'ল শিলে শিলে ঘহিলে সৃষ্টি হোৱা তাপৰ – এয়ে হ'ল শিক্ষাৰ পাতনি । লাহে লাহে মানুহৰ মাজৰ কেইজনমান বুদ্ধিমন্তই জীৱন উন্নত কৰিলে প্ৰাকৃতিক সম্পদ উৎঘাটন কৰি আৰু কেইজনমান চিন্তাশীলে দৰ্শন আৰু সাহিত্যৰ সৃষ্টি কৰিলে আদি-অনন্তৰ কথা ভাবি গুণি । সমাজ বৃদ্ধি পালে, মানুহে শৃঙ্খলাৱদ্ধ হৈ দেশ শাসনৰ ভাৰ লবলৈ শিকিলে । আমাৰ দেশতো জ্ঞানীসকলে আশ্ৰম পাতি যোগ্যজনক শিক্ষা দিলে দৰ্শন, অৰ্থনীতি, ৰাজনীতি আৰু যুদ্ধনীতিত ।

আমাৰ বুৰঞ্জীৰ পাত মেলিলে আমি দেখিম পৌৰাণিক ভাৰতত প্ৰচলিত এক শিক্ষা প্ৰণালী, যি প্ৰণালীয়ে কুৰি শতিকাৰ প্ৰগতিশীল শিক্ষাবিদকো আচৰিত কৰি দিয়ে । ব্যক্তিগত উন্নতি সাধন কৰি প্ৰত্যেককে উচ্চতম জীৱন-যাত্ৰা নিৰ্ব্বাহ কৰিবলৈ প্ৰস্তুত কৰাকে আদৰ্শ হিচাবে লবলৈ বৰ্তমান শিক্ষাবিদসকলে আমাক কয় – আৰু এয়ে আছিল আমাৰ গুৰুঘৰৰ শিক্ষাৰ আদৰ্শ । হিন্দুৱেই হওক বা মুছলমানেই হওক, ভাৰতীয় শাসনকৰ্ত্তাসকলে ধৰ্ম্ম আৰু জ্ঞানৰ মাজত সমন্বয় সৃষ্টি কৰি গঢ়ি তুলিছিল এক আদৰ্শনীয় শিক্ষানীতি । ১৭০৭ চনত আউৰংজেবৰ মৃত্যুৰ পাচৰে পৰা বৃটিচ ৰাজত্বৰ আৰম্ভলৈকে ৰাষ্ট্ৰবিপ্লৱ, যুদ্ধ-বিগ্ৰহ আদিয়ে ভাৰতীয় শিক্ষা বুৰঞ্জীত আন্ধাৰ যুগ নমালে । ১৮ শ' শতিকাৰ শেষভাগত বিদেশী মিচনাৰী সকলৰ চেষ্টাত ভাৰতত প্ৰচলিত হ'ল এক নতুন শিক্ষাপদ্ধতি । প্ৰথমে ইয়াৰ ভেটি আছিল ধৰ্ম্ম আৰু উদ্দেশ্য আছিল ধৰ্ম্ম প্ৰচাৰ । সময়ত চৰকাৰৰ প্ৰভাৱে এই শিক্ষাক দৃঢ়ভাৱে প্ৰতিষ্ঠা কৰিলে আমাৰ সমাজত ।

আদিম মানুহক জীয়াই থাকিবলৈ কিহৰ প্ৰয়োজন হ'ল ?

(1) শিক্ষা আৰু জ্ঞান

(2) আহাৰ আৰু ভাগ

(3) অৰ্থ

(4) বস্তু

[Question ID = 152][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q92]

1. 1 [Option ID = 605]
2. 2 [Option ID = 606]
3. 3 [Option ID = 607]
4. 4 [Option ID = 608]

3) ***নির্দেশ :*** *তলৰ গদ্যাংশ পঢ়ি তাৰ তলত দিয়া প্ৰশ্নৰ উত্তৰসমূহ প্ৰদত্ত বিকল্পৰ মাজৰ পৰা চিনাক্ত কৰাঁ –*

সৃষ্টি পাতনিৰে পৰা মানুহে অস্তিত্ব ৰক্ষাৰ কাৰণে কৰি আহিছে প্ৰকৃতিৰ লগত সংগ্ৰাম – আৰু তাৰ ফলত লাভ কৰিছে একো একোটা আপুৰুগীয়া জ্ঞান । আদিতে, জীয়াই থাকিবলৈ মানুহৰ আৱশ্যক হ'ল আহাৰ আৰু তাপ । চাৰিওফালে থকা প্ৰকৃতিৰ পৰা সংগ্ৰহ হ'ল শৰীৰে সহ্য কৰিব পৰা সামগ্ৰী আৰু নানান শিক্ষাৰ ফলত আৱিষ্কাৰ হ'ল শিলে শিলে ঘহিলে সৃষ্টি হোৱা তাপৰ – এয়ে হ'ল শিক্ষাৰ পাতনি । লাহে লাহে মানুহৰ মাজৰ কেইজনমান বুদ্ধিমন্তই জীৱন উন্নত কৰিলে প্ৰাকৃতিক সম্পদ উৎঘাটন কৰি আৰু কেইজনমান চিন্তাশীলে দৰ্শন আৰু সাহিত্যৰ সৃষ্টি কৰিলে আদি-অনন্তৰ কথা ভাবি গুণি । সমাজ বৃদ্ধি পালে, মানুহে শৃঙ্খলাৱদ্ধ হৈ দেশ শাসনৰ ভাৰ লবলৈ শিকিলে । আমাৰ দেশতো জ্ঞানীসকলে আশ্ৰম পাতি যোগ্যজনক শিক্ষা দিলে দৰ্শন, অৰ্থনীতি, ৰাজনীতি আৰু যুদ্ধনীতিত ।

আমাৰ বুৰঞ্জীৰ পাত মেলিলে আমি দেখিম পৌৰাণিক ভাৰতত প্ৰচলিত এক শিক্ষা প্ৰণালী, যি প্ৰণালীয়ে কুৰি শতিকাৰ প্ৰগতিশীল শিক্ষাবিদকো আচৰিত কৰি দিয়ে । ব্যক্তিগত উন্নতি সাধন কৰি প্ৰত্যেককে উচ্চতম জীৱন-যাত্ৰা নিৰ্ব্বাহ কৰিবলৈ প্ৰস্তুত কৰাকে আদৰ্শ হিচাবে লবলৈ বৰ্তমান শিক্ষাবিদসকলে আমাক কয় – আৰু এয়ে আছিল আমাৰ গুৰুঘৰৰ শিক্ষাৰ আদৰ্শ । হিন্দুৱেই হওক বা মুছলমানেই হওক, ভাৰতীয় শাসনকৰ্ত্তাসকলে ধৰ্ম্ম আৰু জ্ঞানৰ মাজত সমন্বয় সৃষ্টি কৰি গঢ়ি তুলিছিল এক আদৰ্শনীয় শিক্ষানীতি । ১৭০৭ চনত আউৰংজেবৰ মৃত্যুৰ পাচৰে পৰা বৃটিচ ৰাজত্বৰ আৰম্ভলৈকে ৰাষ্ট্ৰবিপ্লৱ, যুদ্ধ-বিগ্ৰহ আদিয়ে ভাৰতীয় শিক্ষা বুৰঞ্জীত আন্ধাৰ যুগ নমালে । ১৮ শ' শতিকাৰ শেষভাগত বিদেশী মিচনাৰী সকলৰ চেষ্টাত ভাৰতত প্ৰচলিত হ'ল এক নতুন শিক্ষাপদ্ধতি । প্ৰথমে ইয়াৰ ভেটি আছিল ধৰ্ম্ম আৰু উদ্দেশ্য আছিল ধৰ্ম্ম প্ৰচাৰ । সময়ত চৰকাৰৰ প্ৰভাৱে এই শিক্ষাক দৃঢ়ভাৱে প্ৰতিষ্ঠা কৰিলে আমাৰ সমাজত ।

দৰ্শন, অৰ্থনীতি, ৰাজনীতি আৰু যুদ্ধনীতিৰ শিক্ষাৰ বাবে কি কৰা হৈছিল ?

(1) একক ভাবে চৰ্চা কৰা হৈছিল

(2) আশ্ৰম পতা হৈছিল

(3) দৰ্শন চৰ্চা কৰা হৈছিল

(4) ৰজাঘৰৰ পৰা অৰ্থৰ যোগান ধৰা হৈছিল

[Question ID = 153][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q93]

1. 1 [Option ID = 609]
2. 2 [Option ID = 610]
3. 3 [Option ID = 611]
4. 4 [Option ID = 612]

4) ***নির্দেশ :*** *তলৰ গদ্যাংশ পঢ়ি তাৰ তলত দিয়া প্ৰশ্নৰ উত্তৰসমূহ প্ৰদত্ত বিকল্পৰ মাজৰ পৰা চিনাক্ত কৰাঁ –*

সৃষ্টি পাতনিৰে পৰা মানুহে অস্তিত্ব ৰক্ষাৰ কাৰণে কৰি আহিছে প্ৰকৃতিৰ লগত সংগ্ৰাম – আৰু তাৰ ফলত লাভ কৰিছে একো একোটা আপুৰুগীয়া জ্ঞান । আদিতে, জীয়াই থাকিবলৈ মানুহৰ আৱশ্যক হ'ল আহাৰ আৰু তাপ । চাৰিওফালে থকা প্ৰকৃতিৰ পৰা সংগ্ৰহ হ'ল শৰীৰে সহ্য কৰিব পৰা সামগ্ৰী আৰু নানান শিক্ষাৰ ফলত আৱিষ্কাৰ হ'ল শিলে শিলে ঘহিলে সৃষ্টি হোৱা তাপৰ – এয়ে হ'ল শিক্ষাৰ পাতনি । লাহে লাহে মানুহৰ মাজৰ কেইজনমান বুদ্ধিমন্তই জীৱন উন্নত কৰিলে প্ৰাকৃতিক সম্পদ উৎঘাটন কৰি আৰু কেইজনমান চিন্তাশীলে দৰ্শন আৰু সাহিত্যৰ সৃষ্টি কৰিলে আদি-অনন্তৰ কথা ভাবি গুণি । সমাজ বৃদ্ধি পালে, মানুহে শৃঙ্খলাৱদ্ধ হৈ দেশ শাসনৰ ভাৰ লবলৈ শিকিলে । আমাৰ দেশতো জ্ঞানীসকলে আশ্ৰম পাতি যোগ্যজনক শিক্ষা দিলে দৰ্শন, অৰ্থনীতি, ৰাজনীতি আৰু যুদ্ধনীতিত ।

আমাৰ বুৰঞ্জীৰ পাত মেলিলে আমি দেখিম পৌৰাণিক ভাৰতত প্ৰচলিত এক শিক্ষা প্ৰণালী, যি প্ৰণালীয়ে কুৰি শতিকাৰ প্ৰগতিশীল শিক্ষাবিদকো আচৰিত কৰি দিয়ে । ব্যক্তিগত উন্নতি সাধন কৰি প্ৰত্যেককে উচ্চতম জীৱন-যাত্ৰা নিৰ্ব্বাহ কৰিবলৈ প্ৰস্তুত কৰাকে আদৰ্শ হিচাবে লবলৈ বৰ্তমান শিক্ষাবিদসকলে আমাক কয় – আৰু এয়ে আছিল আমাৰ গুৰুঘৰৰ শিক্ষাৰ আদৰ্শ । হিন্দুৱেই হওক বা মুছলমানেই হওক, ভাৰতীয় শাসনকৰ্ত্তাসকলে ধৰ্ম্ম আৰু জ্ঞানৰ মাজত সমন্বয় সৃষ্টি কৰি গঢ়ি তুলিছিল এক আদৰ্শনীয় শিক্ষানীতি । ১৭০৭ চনত আউৰংজেবৰ মৃত্যুৰ পাচৰে পৰা বৃটিচ ৰাজত্বৰ আৰম্ভলৈকে ৰাষ্ট্ৰবিপ্লৱ, যুদ্ধ-বিগ্ৰহ আদিয়ে ভাৰতীয় শিক্ষা বুৰঞ্জীত আন্ধাৰ যুগ নমালে । ১৮ শ' শতিকাৰ শেষভাগত বিদেশী মিচনাৰী সকলৰ চেষ্টাত ভাৰতত প্ৰচলিত হ'ল এক নতুন শিক্ষাপদ্ধতি । প্ৰথমে ইয়াৰ ভেটি আছিল ধৰ্ম্ম আৰু উদ্দেশ্য আছিল ধৰ্ম্ম প্ৰচাৰ । সময়ত চৰকাৰৰ প্ৰভাৱে এই শিক্ষাক দৃঢ়ভাৱে প্ৰতিষ্ঠা কৰিলে আমাৰ সমাজত ।

গুৰুঘৰৰ শিক্ষাৰ আদৰ্শ কি ?

(1) শাসন প্ৰক্ৰিয়া পৰিচ্ছন্ন কৰাত অৰিহনা যোগোৱা

(2) ব্যক্তিগত উন্নতি সাধন কৰি প্ৰত্যেককে উচ্চতম জীৱন-যাত্ৰা নিৰ্বাহ কৰিবলৈ প্ৰস্তুত কৰা

(3) ধৰ্ম আৰু জ্ঞানৰ চৰ্চা কৰা

(4) দৰ্শনৰ জ্ঞান দিয়া

[Question ID = 154][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q94]

1. 1 [Option ID = 613]
2. 2 [Option ID = 614]
3. 3 [Option ID = 615]
4. 4 [Option ID = 616]

5) ***নির্দেশ :*** *তলৰ গদ্যাংশ পঢ়ি তাৰ তলত দিয়া প্ৰশ্নৰ উত্তৰসমূহ প্ৰদত্ত বিকল্পৰ মাজৰ পৰা চিনাক্ত কৰাঁ –*

সৃষ্টি পাতনিৰে পৰা মানুহে অস্তিত্ব ৰক্ষাৰ কাৰণে কৰি আহিছে প্ৰকৃতিৰ লগত সংগ্ৰাম – আৰু তাৰ ফলত লাভ কৰিছে একো একোটা আপুৰুগীয়া জ্ঞান । আদিতে, জীয়াই থাকিবলৈ মানুহৰ আৱশ্যক হ'ল আহাৰ আৰু তাপ । চাৰিওফালে থকা প্ৰকৃতিৰ পৰা সংগ্ৰহ হ'ল শৰীৰে সহ্য কৰিব পৰা সামগ্ৰী আৰু নানান শিক্ষাৰ ফলত আৱিষ্কাৰ হ'ল শিলে শিলে ঘহিলে সৃষ্টি হোৱা তাপৰ – এয়ে হ'ল শিক্ষাৰ পাতনি । লাহে লাহে মানুহৰ মাজৰ কেইজনমান বুদ্ধিমন্তই জীৱন উন্নত কৰিলে প্ৰাকৃতিক সম্পদ উৎঘাটন কৰি আৰু কেইজনমান চিন্তাশীলে দৰ্শন আৰু সাহিত্যৰ সৃষ্টি কৰিলে আদি-অনন্তৰ কথা ভাবি গুণি । সমাজ বৃদ্ধি পালে, মানুহে শৃঙ্খলাৱদ্ধ হৈ দেশ শাসনৰ ভাৰ লবলৈ শিকিলে । আমাৰ দেশতো জ্ঞানীসকলে আশ্ৰম পাতি যোগ্যজনক শিক্ষা দিলে দৰ্শন, অৰ্থনীতি, ৰাজনীতি আৰু যুদ্ধনীতিত ।

আমাৰ বুৰঞ্জীৰ পাত মেলিলে আমি দেখিম পৌৰাণিক ভাৰতত প্ৰচলিত এক শিক্ষা প্ৰণালী, যি প্ৰণালীয়ে কুৰি শতিকাৰ প্ৰগতিশীল শিক্ষাবিদকো আচৰিত কৰি দিয়ে । ব্যক্তিগত উন্নতি সাধন কৰি প্ৰত্যেককে উচ্চতম জীৱন-যাত্ৰা নিৰ্ব্বাহ কৰিবলৈ প্ৰস্তুত কৰাকে আদৰ্শ হিচাবে লবলৈ বৰ্তমান শিক্ষাবিদসকলে আমাক কয় – আৰু এয়ে আছিল আমাৰ গুৰুঘৰৰ শিক্ষাৰ আদৰ্শ । হিন্দুৱেই হওক বা মুছলমানেই হওক, ভাৰতীয় শাসনকৰ্ত্তাসকলে ধৰ্ম্ম আৰু জ্ঞানৰ মাজত সমন্বয় সৃষ্টি কৰি গঢ়ি তুলিছিল এক আদৰ্শনীয় শিক্ষানীতি । ১৭০৭ চনত আউৰংজেবৰ মৃত্যুৰ পাচৰে পৰা বৃটিচ ৰাজত্বৰ আৰম্ভলৈকে ৰাষ্ট্ৰবিপ্লৱ, যুদ্ধ-বিগ্ৰহ আদিয়ে ভাৰতীয় শিক্ষা বুৰঞ্জীত আন্ধাৰ যুগ নমালে । ১৮ শ' শতিকাৰ শেষভাগত বিদেশী মিচনাৰী সকলৰ চেষ্টাত ভাৰতত প্ৰচলিত হ'ল এক নতুন শিক্ষাপদ্ধতি । প্ৰথমে ইয়াৰ ভেটি আছিল ধৰ্ম্ম আৰু উদ্দেশ্য আছিল ধৰ্ম্ম প্ৰচাৰ । সময়ত চৰকাৰৰ প্ৰভাৱে এই শিক্ষাক দৃঢ়ভাৱে প্ৰতিষ্ঠা কৰিলে আমাৰ সমাজত ।

ভাৰতীয় শিক্ষাৰ বুৰঞ্জীত আন্ধাৰ যুগ কেতিয়া নামিলে ?

(1) বৃটিছ অহাৰ পাছত

(2) আউৰংজেৱৰ মৃত্যুৰ পাছত

(3) আউৰংজেৱৰ দিনৰ পৰা

(4) মিচনেৰীসকলৰ আগমনৰ পাছত

[Question ID = 155][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q95]

1. 1 [Option ID = 617]
2. 2 [Option ID = 618]
3. 3 [Option ID = 619]
4. 4 [Option ID = 620]

6) ***নির্দেশ :*** *তলৰ গদ্যাংশ পঢ়ি তাৰ তলত দিয়া প্ৰশ্নৰ উত্তৰসমূহ প্ৰদত্ত বিকল্পৰ মাজৰ পৰা চিনাক্ত কৰাঁ –*

সৃষ্টি পাতনিৰে পৰা মানুহে অস্তিত্ব ৰক্ষাৰ কাৰণে কৰি আহিছে প্ৰকৃতিৰ লগত সংগ্ৰাম – আৰু তাৰ ফলত লাভ কৰিছে একো একোটা আপুৰুগীয়া জ্ঞান । আদিতে, জীয়াই থাকিবলৈ মানুহৰ আৱশ্যক হ'ল আহাৰ আৰু তাপ । চাৰিওফালে থকা প্ৰকৃতিৰ পৰা সংগ্ৰহ হ'ল শৰীৰে সহ্য কৰিব পৰা সামগ্ৰী আৰু নানান শিক্ষাৰ ফলত আৱিষ্কাৰ হ'ল শিলে শিলে ঘহিলে সৃষ্টি হোৱা তাপৰ – এয়ে হ'ল শিক্ষাৰ পাতনি । লাহে লাহে মানুহৰ মাজৰ কেইজনমান বুদ্ধিমন্তই জীৱন উন্নত কৰিলে প্ৰাকৃতিক সম্পদ উৎঘাটন কৰি আৰু কেইজনমান চিন্তাশীলে দৰ্শন আৰু সাহিত্যৰ সৃষ্টি কৰিলে আদি-অনন্তৰ কথা ভাবি গুণি । সমাজ বৃদ্ধি পালে, মানুহে শৃঙ্খলাৱদ্ধ হৈ দেশ শাসনৰ ভাৰ লবলৈ শিকিলে । আমাৰ দেশতো জ্ঞানীসকলে আশ্ৰম পাতি যোগ্যজনক শিক্ষা দিলে দৰ্শন, অৰ্থনীতি, ৰাজনীতি আৰু যুদ্ধনীতিত ।

আমাৰ বুৰঞ্জীৰ পাত মেলিলে আমি দেখিম পৌৰাণিক ভাৰতত প্ৰচলিত এক শিক্ষা প্ৰণালী, যি প্ৰণালীয়ে কুৰি শতিকাৰ প্ৰগতিশীল শিক্ষাবিদকো আচৰিত কৰি দিয়ে । ব্যক্তিগত উন্নতি সাধন কৰি প্ৰত্যেককে উচ্চতম জীৱন-যাত্ৰা নিৰ্ব্বাহ কৰিবলৈ প্ৰস্তুত কৰাকে আদৰ্শ হিচাবে লবলৈ বৰ্তমান শিক্ষাবিদসকলে আমাক কয় – আৰু এয়ে আছিল আমাৰ গুৰুঘৰৰ শিক্ষাৰ আদৰ্শ । হিন্দুৱেই হওক বা মুছলমানেই হওক, ভাৰতীয় শাসনকৰ্ত্তাসকলে ধৰ্ম্ম আৰু জ্ঞানৰ মাজত সমন্বয় সৃষ্টি কৰি গঢ়ি তুলিছিল এক আদৰ্শনীয় শিক্ষানীতি । ১৭০৭ চনত আউৰংজেবৰ মৃত্যুৰ পাচৰে পৰা বৃটিচ ৰাজত্বৰ আৰম্ভলৈকে ৰাষ্ট্ৰবিপ্লৱ, যুদ্ধ-বিগ্ৰহ আদিয়ে ভাৰতীয় শিক্ষা বুৰঞ্জীত আন্ধাৰ যুগ নমালে । ১৮ শ' শতিকাৰ শেষভাগত বিদেশী মিচনাৰী সকলৰ চেষ্টাত ভাৰতত প্ৰচলিত হ'ল এক নতুন শিক্ষাপদ্ধতি । প্ৰথমে ইয়াৰ ভেটি আছিল ধৰ্ম্ম আৰু উদ্দেশ্য আছিল ধৰ্ম্ম প্ৰচাৰ । সময়ত চৰকাৰৰ প্ৰভাৱে এই শিক্ষাক দৃঢ়ভাৱে প্ৰতিষ্ঠা কৰিলে আমাৰ সমাজত ।

ভাৰতত নতুন শিক্ষা পদ্ধতি কেতিয়া আৰম্ভ হ'ল ?

(1) অষ্টাদশ শতিকাৰ শেষভাগত

(2) ঊনবিংশ শতিকাৰ শেষভাগত

(3) আউৰংজেবৰ মৃত্যুৰ লগে লগে

(4) প্ৰাচীন আশ্ৰমবোৰৰ বুকুত

[Question ID = 156][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q96]

1. 1 [Option ID = 621]
2. 2 [Option ID = 622]
3. 3 [Option ID = 623]
4. 4 [Option ID = 624]

7) ***নির্দেশ :*** *তলৰ গদ্যাংশ পঢ়ি তাৰ তলত দিয়া প্ৰশ্নৰ উত্তৰসমূহ প্ৰদত্ত বিকল্পৰ মাজৰ পৰা চিনাক্ত কৰাঁ –*

সৃষ্টি পাতনিৰে পৰা মানুহে অস্তিত্ব ৰক্ষাৰ কাৰণে কৰি আহিছে প্ৰকৃতিৰ লগত সংগ্ৰাম – আৰু তাৰ ফলত লাভ কৰিছে একো একোটা আপুৰুগীয়া জ্ঞান । আদিতে, জীয়াই থাকিবলৈ মানুহৰ আৱশ্যক হ'ল আহাৰ আৰু তাপ । চাৰিওফালে থকা প্ৰকৃতিৰ পৰা সংগ্ৰহ হ'ল শৰীৰে সহ্য কৰিব পৰা সামগ্ৰী আৰু নানান শিক্ষাৰ ফলত আৱিষ্কাৰ হ'ল শিলে শিলে ঘহিলে সৃষ্টি হোৱা তাপৰ – এয়ে হ'ল শিক্ষাৰ পাতনি । লাহে লাহে মানুহৰ মাজৰ কেইজনমান বুদ্ধিমন্তই জীৱন উন্নত কৰিলে প্ৰাকৃতিক সম্পদ উৎঘাটন কৰি আৰু কেইজনমান চিন্তাশীলে দৰ্শন আৰু সাহিত্যৰ সৃষ্টি কৰিলে আদি-অনন্তৰ কথা ভাবি গুণি । সমাজ বৃদ্ধি পালে, মানুহে শৃঙ্খলাৱদ্ধ হৈ দেশ শাসনৰ ভাৰ লবলৈ শিকিলে । আমাৰ দেশতো জ্ঞানীসকলে আশ্ৰম পাতি যোগ্যজনক শিক্ষা দিলে দৰ্শন, অৰ্থনীতি, ৰাজনীতি আৰু যুদ্ধনীতিত ।

আমাৰ বুৰঞ্জীৰ পাত মেলিলে আমি দেখিম পৌৰাণিক ভাৰতত প্ৰচলিত এক শিক্ষা প্ৰণালী, যি প্ৰণালীয়ে কুৰি শতিকাৰ প্ৰগতিশীল শিক্ষাবিদকো আচৰিত কৰি দিয়ে । ব্যক্তিগত উন্নতি সাধন কৰি প্ৰত্যেককে উচ্চতম জীৱন-যাত্ৰা নিৰ্ব্বাহ কৰিবলৈ প্ৰস্তুত কৰাকে আদৰ্শ হিচাবে লবলৈ বৰ্তমান শিক্ষাবিদসকলে আমাক কয় – আৰু এয়ে আছিল আমাৰ গুৰুঘৰৰ শিক্ষাৰ আদৰ্শ । হিন্দুৱেই হওক বা মুছলমানেই হওক, ভাৰতীয় শাসনকৰ্ত্তাসকলে ধৰ্ম্ম আৰু জ্ঞানৰ মাজত সমন্বয় সৃষ্টি কৰি গঢ়ি তুলিছিল এক আদৰ্শনীয় শিক্ষানীতি । ১৭০৭ চনত আউৰংজেবৰ মৃত্যুৰ পাচৰে পৰা বৃটিচ ৰাজত্বৰ আৰম্ভলৈকে ৰাষ্ট্ৰবিপ্লৱ, যুদ্ধ-বিগ্ৰহ আদিয়ে ভাৰতীয় শিক্ষা বুৰঞ্জীত আন্ধাৰ যুগ নমালে । ১৮ শ' শতিকাৰ শেষভাগত বিদেশী মিচনাৰী সকলৰ চেষ্টাত ভাৰতত প্ৰচলিত হ'ল এক নতুন শিক্ষাপদ্ধতি । প্ৰথমে ইয়াৰ ভেটি আছিল ধৰ্ম্ম আৰু উদ্দেশ্য আছিল ধৰ্ম্ম প্ৰচাৰ । সময়ত চৰকাৰৰ প্ৰভাৱে এই শিক্ষাক দৃঢ়ভাৱে প্ৰতিষ্ঠা কৰিলে আমাৰ সমাজত ।

ভাৰতীয় শাসনকৰ্তা সকলে –

(1) ধৰ্ম আৰু জ্ঞানক পৃথক কৰি চাইছিল

(2) ধৰ্ম আৰু জ্ঞানৰ মাজত সমন্বয় স্থাপন কৰিছিল

(3) ধৰ্ম আৰু শিক্ষা একাকাৰ কৰিছিল

(4) উত্তম জীৱন-যাত্ৰাৰ বাবে ধৰ্মক শিক্ষাৰ অন্তৰ্ভুক্ত কৰিছিল

[Question ID = 157][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q97]

1. 1 [Option ID = 625]
2. 2 [Option ID = 626]
3. 3 [Option ID = 627]
4. 4 [Option ID = 628]

8) ***নির্দেশ :*** *তলৰ গদ্যাংশ পঢ়ি তাৰ তলত দিয়া প্ৰশ্নৰ উত্তৰসমূহ প্ৰদত্ত বিকল্পৰ মাজৰ পৰা চিনাক্ত কৰাঁ –*

সৃষ্টি পাতনিৰে পৰা মানুহে অস্তিত্ব ৰক্ষাৰ কাৰণে কৰি আহিছে প্ৰকৃতিৰ লগত সংগ্ৰাম – আৰু তাৰ ফলত লাভ কৰিছে একো একোটা আপুৰুগীয়া জ্ঞান । আদিতে, জীয়াই থাকিবলৈ মানুহৰ আৱশ্যক হ'ল আহাৰ আৰু তাপ । চাৰিওফালে থকা প্ৰকৃতিৰ পৰা সংগ্ৰহ হ'ল শৰীৰে সহ্য কৰিব পৰা সামগ্ৰী আৰু নানান শিক্ষাৰ ফলত আৱিষ্কাৰ হ'ল শিলে শিলে ঘহিলে সৃষ্টি হোৱা তাপৰ – এয়ে হ'ল শিক্ষাৰ পাতনি । লাহে লাহে মানুহৰ মাজৰ কেইজনমান বুদ্ধিমন্তই জীৱন উন্নত কৰিলে প্ৰাকৃতিক সম্পদ উৎঘাটন কৰি আৰু কেইজনমান চিন্তাশীলে দৰ্শন আৰু সাহিত্যৰ সৃষ্টি কৰিলে আদি-অনন্তৰ কথা ভাবি গুণি । সমাজ বৃদ্ধি পালে, মানুহে শৃঙ্খলাৱদ্ধ হৈ দেশ শাসনৰ ভাৰ লবলৈ শিকিলে । আমাৰ দেশতো জ্ঞানীসকলে আশ্ৰম পাতি যোগ্যজনক শিক্ষা দিলে দৰ্শন, অৰ্থনীতি, ৰাজনীতি আৰু যুদ্ধনীতিত ।

আমাৰ বুৰঞ্জীৰ পাত মেলিলে আমি দেখিম পৌৰাণিক ভাৰতত প্ৰচলিত এক শিক্ষা প্ৰণালী, যি প্ৰণালীয়ে কুৰি শতিকাৰ প্ৰগতিশীল শিক্ষাবিদকো আচৰিত কৰি দিয়ে । ব্যক্তিগত উন্নতি সাধন কৰি প্ৰত্যেককে উচ্চতম জীৱন-যাত্ৰা নিৰ্ব্বাহ কৰিবলৈ প্ৰস্তুত কৰাকে আদৰ্শ হিচাবে লবলৈ বৰ্তমান শিক্ষাবিদসকলে আমাক কয় – আৰু এয়ে আছিল আমাৰ গুৰুঘৰৰ শিক্ষাৰ আদৰ্শ । হিন্দুৱেই হওক বা মুছলমানেই হওক, ভাৰতীয় শাসনকৰ্ত্তাসকলে ধৰ্ম্ম আৰু জ্ঞানৰ মাজত সমন্বয় সৃষ্টি কৰি গঢ়ি তুলিছিল এক আদৰ্শনীয় শিক্ষানীতি । ১৭০৭ চনত আউৰংজেবৰ মৃত্যুৰ পাচৰে পৰা বৃটিচ ৰাজত্বৰ আৰম্ভলৈকে ৰাষ্ট্ৰবিপ্লৱ, যুদ্ধ-বিগ্ৰহ আদিয়ে ভাৰতীয় শিক্ষা বুৰঞ্জীত আন্ধাৰ যুগ নমালে । ১৮ শ' শতিকাৰ শেষভাগত বিদেশী মিচনাৰী সকলৰ চেষ্টাত ভাৰতত প্ৰচলিত হ'ল এক নতুন শিক্ষাপদ্ধতি । প্ৰথমে ইয়াৰ ভেটি আছিল ধৰ্ম্ম আৰু উদ্দেশ্য আছিল ধৰ্ম্ম প্ৰচাৰ । সময়ত চৰকাৰৰ প্ৰভাৱে এই শিক্ষাক দৃঢ়ভাৱে প্ৰতিষ্ঠা কৰিলে আমাৰ সমাজত ।

ওপৰৰ পাঠছোৱাৰ আধাৰত দিয়া তলৰ উক্তিকেইটিৰ শুদ্ধাশুদ্ধ বিচাৰ কৰাঁ –

a. সভ্যতাৰ আদি স্তৰত বুদ্ধিমন্তসকলে প্ৰাকৃতিক সম্পদ উদ্ঘাটন কৰি জীৱন উন্নত কৰিলে ।

b. শৃংখলাবদ্ধ হৈ দেশ শাসন কৰাৰে পৰা জ্ঞানী সকলে সকলো দিশৰ প্ৰয়োজনীয় শিক্ষা দিয়াৰ ব্যৱস্থা কৰিলে ।

(1) a শুদ্ধ b অশুদ্ধ

(2) a অশুদ্ধ b শুদ্ধ

(3) a আৰু b দুয়োটাই শুদ্ধ

(4) a আৰু b দুয়োটাই অশুদ্ধ

[Question ID = 158][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q98]

1. 1 [Option ID = 629]

2. 2 [Option ID = 630]
3. 3 [Option ID = 631]
4. 4 [Option ID = 632]

9) ***নির্দেশ :*** *তলৰ গদ্যাংশ পঢ়ি তাৰ তলত দিয়া প্ৰশ্নৰ উত্তৰসমূহ প্ৰদত্ত বিকল্পৰ মাজৰ পৰা চিনাক্ত কৰাঁ –*

সৃষ্টি পাতনিৰে পৰা মানুহে অস্তিত্ব ৰক্ষাৰ কাৰণে কৰি আহিছে প্ৰকৃতিৰ লগত সংগ্ৰাম – আৰু তাৰ ফলত লাভ কৰিছে একো একোটা আপুৰুগীয়া জ্ঞান । আদিতে, জীয়াই থাকিবলৈ মানুহৰ আৱশ্যক হ'ল আহাৰ আৰু তাপ । চাৰিওফালে থকা প্ৰকৃতিৰ পৰা সংগ্ৰহ হ'ল শৰীৰে সহ্য কৰিব পৰা সামগ্ৰী আৰু নানান শিক্ষাৰ ফলত আৱিষ্কাৰ হ'ল শিলে শিলে ঘহিলে সৃষ্টি হোৱা তাপৰ – এয়ে হ'ল শিক্ষাৰ পাতনি । লাহে লাহে মানুহৰ মাজৰ কেইজনমান বুদ্ধিমন্তই জীৱন উন্নত কৰিলে প্ৰাকৃতিক সম্পদ উৎঘাটন কৰি আৰু কেইজনমান চিন্তাশীলে দৰ্শন আৰু সাহিত্যৰ সৃষ্টি কৰিলে আদি-অনন্তৰ কথা ভাবি গুণি । সমাজ বৃদ্ধি পালে, মানুহে শৃঙ্খলাৱদ্ধ হৈ দেশ শাসনৰ ভাৰ লবলৈ শিকিলে । আমাৰ দেশতো জ্ঞানীসকলে আশ্ৰম পাতি যোগ্যজনক শিক্ষা দিলে দৰ্শন, অৰ্থনীতি, ৰাজনীতি আৰু যুদ্ধনীতিত ।

আমাৰ বুৰঞ্জীৰ পাত মেলিলে আমি দেখিম পৌৰাণিক ভাৰতত প্ৰচলিত এক শিক্ষা প্ৰণালী, যি প্ৰণালীয়ে কুৰি শতিকাৰ প্ৰগতিশীল শিক্ষাবিদকো আচৰিত কৰি দিয়ে । ব্যক্তিগত উন্নতি সাধন কৰি প্ৰত্যেককে উচ্চতম জীৱন-যাত্ৰা নিৰ্ব্বাহ কৰিবলৈ প্ৰস্তুত কৰাকে আদৰ্শ হিচাবে লবলৈ বৰ্তমান শিক্ষাবিদসকলে আমাক কয় – আৰু এয়ে আছিল আমাৰ গুৰুঘৰৰ শিক্ষাৰ আদৰ্শ । হিন্দুৱেই হওক বা মুছলমানেই হওক, ভাৰতীয় শাসনকৰ্ত্তাসকলে ধৰ্ম্ম আৰু জ্ঞানৰ মাজত সমন্বয় সৃষ্টি কৰি গঢ়ি তুলিছিল এক আদৰ্শনীয় শিক্ষানীতি । ১৭০৭ চনত আউৰংজেবৰ মৃত্যুৰ পাচৰে পৰা বৃটিচ ৰাজত্বৰ আৰম্ভলৈকে ৰাষ্ট্ৰবিপ্লৱ, যুদ্ধ-বিগ্ৰহ আদিয়ে ভাৰতীয় শিক্ষা বুৰঞ্জীত আন্ধাৰ যুগ নমালে । ১৮ শ' শতিকাৰ শেষভাগত বিদেশী মিচনাৰী সকলৰ চেষ্টাত ভাৰতত প্ৰচলিত হ'ল এক নতুন শিক্ষাপদ্ধতি । প্ৰথমে ইয়াৰ ভেটি আছিল ধৰ্ম্ম আৰু উদ্দেশ্য আছিল ধৰ্ম্ম প্ৰচাৰ । সময়ত চৰকাৰৰ প্ৰভাৱে এই শিক্ষাক দৃঢ়ভাৱে প্ৰতিষ্ঠা কৰিলে আমাৰ সমাজত ।

'শৃঙ্খলাৱদ্ধ' শব্দটো সন্ধি ভাঙিলে হ'ব –

(1) শৃংখলা + আৱদ্ধ

(2) শৃংখল + আ + বদ্ধ

(3) শৃংখল + বদ্ধ

(4) শৃংখল + আ + বদ্ + ধ

[Question ID = 159][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q99]

1. 1 [Option ID = 633]
2. 2 [Option ID = 634]
3. 3 [Option ID = 635]
4. 4 [Option ID = 636]

Topic:- Assamese_Q100-105_L1_P1_CTET

1) ***নিৰ্দেশ :*** *তলৰ পদ্যাংশ পঢ়ি তাৰ তলত দিয়া প্ৰশ্নকেইটিৰ সৈতে দিয়া বিকল্পসমূহৰ পৰা শুদ্ধ বিকল্পটো চিনাক্ত কৰাঁ ।*

কালি সন্ধিয়া বেলিকা
পাতৰ মাজত থকা সৰু কলিটি;
আজি দেখিলোঁ এতিয়া,
ৰূপে-ভৰা ফুলি থকা সৰু হাঁহিটি ।
কালি দেখি ভাল পাই,
আনো বুলি যোৱা নাই,
এবেলি চকুৰে চাই
লভিছিলোঁ মৰমৰ বুজনি এটি;
নাছিল ছিঙিম মোৰ ভাব এনেটি ।
আজি দেখি মন মোৰ,
চাপি যাব খোজে তোৰ,
খোজে আজি হব চোৰ,
কাষলই ছিঙি আনি তোৰ হাঁহিটি,
মিহলাই তোৰ-মোৰ হাঁহি দুয়োটি ।
মূৰ দাঙি দেখা পাওঁ,
য'লকেবা গুচি যাওঁ,
লুকালেও গম পাওঁ
বতাহত বিয়পোতে তোৰ গোন্ধটি;
তোৰ বিনে মোৰ আশা নাই একোটি ।

পাতৰ মাজত কালি দেখা সৰু কলিটো আজি কবিয়ে কেনেদৰে দেখিলে ?

(1) ফুলৰ দৰে

(2) সৰু হাঁহিটোৰ দৰে

(3) অপৰূপ সৌন্দৰ্যৰে ভৰপুৰ

(4) ৰঙীন

[Question ID = 160][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q100]

1. 1 [Option ID = 637]
2. 2 [Option ID = 638]
3. 3 [Option ID = 639]
4. 4 [Option ID = 640]

2) ***নিৰ্দেশ :*** *তলৰ পদ্যাংশ পঢ়ি তাৰ তলত দিয়া প্ৰশ্নকেইটিৰ সৈতে দিয়া বিকল্পসমূহৰ পৰা শুদ্ধ বিকল্পটো চিনাক্ত কৰাঁ ।*

কালি সন্ধিয়া বেলিকা
পাতৰ মাজত থকা সৰু কলিটি;
আজি দেখিলোঁ এতিয়া,
ৰূপে-ভৰা ফুলি থকা সৰু হাঁহিটি ।
কালি দেখি ভাল পাই,
আনো বুলি যোৱা নাই,
এবেলি চকুৰে চাই
লভিছিলোঁ মৰমৰ বুজনি এটি;
নাছিল ছিঙিম মোৰ ভাব এনেটি ।
আজি দেখি মন মোৰ,
চাপি যাব খোজে তোৰ,
খোজে আজি হব চোৰ,
কাষলই ছিঙি আনি তোৰ হাঁহিটি,
মিহলাই তোৰ-মোৰ হাঁহি দুয়োটি ।
মূৰ দাঙি দেখা পাওঁ,
য'লকেবা গুচি যাওঁ,
লুকালেও গম পাওঁ
বতাহত বিয়পোতে তোৰ গোন্ধটি;
তোৰ বিনে মোৰ আশা নাই একোটি ।

ফুলৰ কলিটো দেখি কবিয়ে –

(1) ছিঙিব খুজিছিল

(2) মৰম বুজনি দি ছিঙিব বিচৰা নাছিল

(3) নিজৰ হাঁহিটোৰ লগত মিলাই দিব বিচাৰিছিল

(4) চোৰৰ দৰে চিঙিব বিচাৰিছিল

[Question ID = 161][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q101]

1. 1 [Option ID = 641]
2. 2 [Option ID = 642]
3. 3 [Option ID = 643]
4. 4 [Option ID = 644]

3) ***নির্দেশ :*** *তলৰ পদ্যাংশ পঢ়ি তাৰ তলত দিয়া প্ৰশ্নকেইটিৰ সৈতে দিয়া বিকল্পসমূহৰ পৰা শুদ্ধ বিকল্পটো চিনাক্ত কৰাঁ ।*

কালি সন্ধিয়া বেলিকা
পাতৰ মাজত থকা সৰু কলিটি;
আজি দেখিলোঁ এতিয়া,
ৰূপে-ভৰা ফুলি থকা সৰু হাঁহিটি ।
কালি দেখি ভাল পাই,
আনো বুলি যোৱা নাই,
এবেলি চকুৰে চাই
লভিছিলোঁ মৰমৰ বুজনি এটি;
নাছিল ছিঙিম মোৰ ভাব এনেটি ।
আজি দেখি মন মোৰ,
চাপি যাব খোজে তোৰ,
খোজে আজি হব চোৰ,
কাষলই ছিঙি আনি তোৰ হাঁহিটি,
মিহলাই তোৰ-মোৰ হাঁহি দুয়োটি ।
মূৰ দাঙি দেখা পাওঁ,
য'লকেবা গুচি যাওঁ,
লুকালেও গম পাওঁ
বতাহত বিয়পোতে তোৰ গোন্ধটি;
তোৰ বিনে মোৰ আশা নাই একোটি ।

"মূৰ দাঙি দেখা পাওঁ
য'লকেবা গুচি যাওঁ,
লুকালেও গম পাওঁ"

– এই স্তৱকটোত কি কাব্যিক উপাদান দেখা গৈছে ?

(1) উপমা

(2) উৎপ্ৰেক্ষা

(3) ৰূপক

(4) অনুপ্ৰাস

[Question ID = 162][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q102]

1. 1 [Option ID = 645]
2. 2 [Option ID = 646]
3. 3 [Option ID = 647]
4. 4 [Option ID = 648]

4) ***নিৰ্দেশ :*** *তলৰ পদ্যাংশ পঢ়ি তাৰ তলত দিয়া প্ৰশ্নকেইটিৰ সৈতে দিয়া বিকল্পসমূহৰ পৰা শুদ্ধ বিকল্পটো চিনাক্ত কৰাঁ ।*

কালি সন্ধিয়া বেলিকা
পাতৰ মাজত থকা সৰু কলিটি;
আজি দেখিলোঁ এতিয়া,
ৰূপে-ভৰা ফুলি থকা সৰু হাঁহিটি ।
কালি দেখি ভাল পাই,
আনো বুলি যোৱা নাই,
এবেলি চকুৰে চাই
লভিছিলোঁ মৰমৰ বুজনি এটি;
নাছিল ছিঙিম মোৰ ভাব এনেটি ।
আজি দেখি মন মোৰ,
চাপি যাব খোজে তোৰ,
খোজে আজি হব চোৰ,
কাষলই ছিঙি আনি তোৰ হাঁহিটি,
মিহলাই তোৰ-মোৰ হাঁহি দুয়োটি ।
মূৰ দাঙি দেখা পাওঁ,
য'লকেবা গুচি যাওঁ,
লুকালেও গম পাওঁ
বতাহত বিয়পোতে তোৰ গোন্ধটি;
তোৰ বিনে মোৰ আশা নাই একোটি ।

সৰু কলিটি কবিয়ে কেতিয়া দেখিছিল ?

(1) কালি সন্ধিয়া

(2) আজি সন্ধিয়া

(3) কালি পুৱা

(4) আজি দুপৰীয়া

[Question ID = 163][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q103]

1. 1 [Option ID = 649]
2. 2 [Option ID = 650]
3. 3 [Option ID = 651]
4. 4 [Option ID = 652]

5) ***নিৰ্দেশ :*** *তলৰ পদ্যাংশ পঢ়ি তাৰ তলত দিয়া প্ৰশ্নকেইটিৰ সৈতে দিয়া বিকল্পসমূহৰ পৰা শুদ্ধ বিকল্পটো চিনাক্ত কৰাঁ ।*

কালি সন্ধিয়া বেলিকা
পাতৰ মাজত থকা সৰু কলিটি;
আজি দেখিলোঁ এতিয়া,
ৰূপে-ভৰা ফুলি থকা সৰু হাঁহিটি ।
কালি দেখি ভাল পাই,
আনো বুলি যোৱা নাই,
এবেলি চকুৰে চাই
লভিছিলোঁ মৰমৰ বুজনি এটি;
নাছিল ছিঙিম মোৰ ভাব এনেটি ।
আজি দেখি মন মোৰ,
চাপি যাব খোজে তোৰ,
খোজে আজি হব চোৰ,
কাষলই ছিঙি আনি তোৰ হাঁহিটি,
মিহলাই তোৰ-মোৰ হাঁহি দুয়োটি ।
মূৰ দাঙি দেখা পাওঁ,
য'লকেবা গুচি যাওঁ,
লুকালেও গম পাওঁ
বতাহত বিয়পোতে তোৰ গোন্ধটি;
তোৰ বিনে মোৰ আশা নাই একোটি ।

কবিয়ে হাঁহি যেন ফুল পাহি কিহৰ সৈতে মিলাই দিব বিচাৰে ?

(1) বতাহৰ সৈতে

(2) নিজৰ হাঁহিৰ সৈতে

(3) চকুৰ চাৱনিৰ সৈতে

(4) প্ৰকৃতিৰ সৌন্দৰ্যৰ সৈতে

[Question ID = 164][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q104]

1. 1 [Option ID = 653]
2. 2 [Option ID = 654]
3. 3 [Option ID = 655]
4. 4 [Option ID = 656]

6) ***নির্দেশ :*** *তলৰ পদ্যাংশ পঢ়ি তাৰ তলত দিয়া প্ৰশ্নকেইটিৰ সৈতে দিয়া বিকল্পসমূহৰ পৰা শুদ্ধ বিকল্পটো চিনাক্ত কৰাঁ ।*

কালি সন্ধিয়া বেলিকা
পাতৰ মাজত থকা সৰু কলিটি;
আজি দেখিলোঁ এতিয়া,
ৰূপে-ভৰা ফুলি থকা সৰু হাঁহিটি ।
কালি দেখি ভাল পাই,
আনো বুলি যোৱা নাই,
এবেলি চকুৰে চাই
লভিছিলোঁ মৰমৰ বুজনি এটি;
নাছিল ছিঙিম মোৰ ভাব এনেটি ।
আজি দেখি মন মোৰ,
চাপি যাব খোজে তোৰ,
খোজে আজি হব চোৰ,
কাষলই ছিঙি আনি তোৰ হাঁহিটি,
মিহলাই তোৰ-মোৰ হাঁহি দুয়োটি ।
মূৰ দাঙি দেখা পাওঁ,
য'লকেবা গুচি যাওঁ,
লুকালেও গম পাওঁ
বতাহত বিয়পোতে তোৰ গোন্ধটি;
তোৰ বিনে মোৰ আশা নাই একোটি ।

"তোৰ বিনে মোৰ আশা নাই একোটি ।" – কবিয়ে কিহৰ বাদে একো আশা নাই বুলি কৈছে ?

(1) ফুলপাহৰ সুগন্ধি
(2) সুগন্ধি ফুলপাহ
(3) সৰু ধুনীয়া কলিটি
(4) ফুলৰ হাঁহিটি

[Question ID = 165][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q105]

1. 1 [Option ID = 657]
2. 2 [Option ID = 658]
3. 3 [Option ID = 659]
4. 4 [Option ID = 660]

Topic:- Assamese_Q106-120_L1_P1_CTET

1) তলত দিয়াকেইটাৰ ভিতৰত কোনটো আধাৰ বা প্ৰাৰম্ভিক পঠন দক্ষতা নহয় ?

(1) বিসংকেতীকৰণ

(2) শব্দ চিনাক্তকৰণ

(3) ৰূপতত্ব

(4) শব্দসম্ভাৰ পঠন

[Question ID = 166][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q106]

1. 1 [Option ID = 661]
2. 2 [Option ID = 662]
3. 3 [Option ID = 663]
4. 4 [Option ID = 664]

2) আৰম্ভনিৰ বছৰবোৰত শিশুৱে তেঁওলোকৰ ভাষাটো আহৰণ কৰিবৰ কাৰণে এগৰাকী শিক্ষকে নির্দেশ আৰু নির্দেশ পালন কৰিবলৈ উৎসাহিত কৰিছে । এইক্ষেত্ৰত শিক্ষকগৰাকীয়ে কি অনুসৰণ কৰিছে ?

(1) 'তুমি নিজে কৰা' (Do it yourself) কৌশল

(2) সম্পূৰ্ণ শাৰীৰিক সঁহাৰি অধিগম

(3) 'কৰাৰ মাধ্যমেৰে শিকা' অধিগম

(4) সাধুকথন কৌশল

[Question ID = 167][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q107]

1. 1 [Option ID = 665]
2. 2 [Option ID = 666]
3. 3 [Option ID = 667]
4. 4 [Option ID = 668]

3) ভাষা হৈছে _____ ৰ এক সামাজিক আহিলা ।

(1) ব্যাখ্যা বা তর্জমা

(2) কথা-বার্তা

(3) অনুকৰণ

(4) হস্তক্ষেপ

[Question ID = 168][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q108]

1. 1 [Option ID = 669]
2. 2 [Option ID = 670]
3. 3 [Option ID = 671]
4. 4 [Option ID = 672]

4) পাঠ এটা পঢ়ি যাঁওতে, বর্ণনা, স্থান, নাম, সময়, দিন-বাৰ বা তাৰিখ আদি চিহ্নিত কৰিব পৰাটো হৈছে –

(1) গোলকীয় বোধশক্তি

(2) স্থানীয় বোধশক্তি

(3) হস্তক্ষেপকৰণ

(4) পাঠটোৰ ব্যাখ্যা

[Question ID = 169][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q109]

1. 1 [Option ID = 673]
2. 2 [Option ID = 674]
3. 3 [Option ID = 675]
4. 4 [Option ID = 676]

5) এগৰাকী শিক্ষকে পঞ্চম মানৰ ছাত্র-ছাত্রীক পঠনৰ আনন্দ ল'বৰ কাৰণে আৰু পাঠটোৰ ধাৰণাবোৰ ভালদৰে বুজি পাবৰ কাৰণে এটা দীঘল পাঠ পঢ়িবলৈ দিছে । শিক্ষকগৰাকীয়ে এইক্ষেত্রত তলত কোনটোৰ অভ্যাস কৰোৱাইছে ?

(1) বিস্তৃত পঠন

(2) ঐকান্তিক পঠন

(3) জটিল খন্ডসমূহৰ পুনৰসজ্জিত পঠন

(4) অংশীদাৰী বা সংগ পঠন

[Question ID = 170][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q110]

1. 1 [Option ID = 677]
2. 2 [Option ID = 678]
3. 3 [Option ID = 679]
4. 4 [Option ID = 680]

6) ন-শিকাৰুক নতুন শব্দ কিছুমান শিকাবৰ কাৰণে শিক্ষকে সঁচা বস্তু কিছুমান ব্যৱহাৰ কৰিছে । কাৰণ,

(1) এই কার্যই শব্দবোৰৰ শুদ্ধ বানান শিকোৱাত সহায় কৰে

(2) কেৱল বস্তুৰ জৰিয়তেহে শব্দসম্ভাৰ শিকাব পৰা যায়

(3) কোমল বয়সীয়া শিকাৰুৱে জটিল আৰু বিমূর্ত ধাৰণা বুজিব নোৱাৰে

(4) এই কার্যই শিকাৰুক বাস্তৱ জীৱনত দেখা বস্তুবোৰৰ সৈতে শব্দবোৰ সম্পর্কিত কৰাত সহায় কৰে

[Question ID = 171][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q111]

1. 1 [Option ID = 681]
2. 2 [Option ID = 682]
3. 3 [Option ID = 683]
4. 4 [Option ID = 684]

7) যেতিয়া ছাত্র-ছাত্রীয়ে নতুন ভাষা এটা বুজিব পাৰে, কিন্তু ক'ব নোৱাৰে, তেতিয়া এই স্তৰটোক কি বুলি কোৱা হয় ?

(1) বচন উদীয়মান (speech emergent)

(2) নীৰৱ

(3) প্ৰাৰম্ভিক উৎপাদন

(4) উদীয়মান

[Question ID = 172][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q112]

1. 1 [Option ID = 685]
2. 2 [Option ID = 686]
3. 3 [Option ID = 687]
4. 4 [Option ID = 688]

8) এগৰাকী ভাল ভাষাৰ শিক্ষকে তলত দিয়া কোনটো কৰিব ?

(1) পাঠ্যপুথিত থকা সকলো প্ৰশ্নৰে উত্তৰবোৰ শিকাব

(2) পাঠ্যপুথিখনক শিকনৰ আৰু এক উৎসৰূপে গ্ৰহণ কৰিব

(3) কেৱল পাঠ্যপুথিত অন্তৰ্ভুক্ত প্ৰশ্নৰে প্ৰশ্নকাকত প্ৰস্তুত কৰিব

(4) প্ৰদত্ত পাঠ্যপুথিৰ ওপৰত সম্পূৰ্ণৰূপে ভৰসা কৰিব

[Question ID = 173][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q113]

1. 1 [Option ID = 689]
2. 2 [Option ID = 690]
3. 3 [Option ID = 691]
4. 4 [Option ID = 692]

9) এগৰাকী শিক্ষকে ছাত্র-ছাত্রীৰ ভাষাৰ কৰ্মসমূহ ফ'ল্ডাৰ এটাত ৰাখি গৈছে আৰু পাছত সেইটো পাৰদৰ্শিতাৰ মূল্যায়ন কৰোঁতে ব্যৱহাৰ কৰিছে । এইক্ষেত্ৰত শিক্ষকজনে ব্যৱহাৰ কৰা মূল্যায়ন কৌশলটো হৈছে –

(1) নিৰূপণ বা চিহ্নিতকৰণ পৰীক্ষা

(2) সৰু সৰু বা চুটি কথাৰ তথ্য সংগ্ৰহ

(3) সকলো সামৰা শেষ বা মূল পৰীক্ষা

(4) পত্ৰাধাৰ (Portfolio) মূল্যায়ন

[Question ID = 174][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q114]

1. 1 [Option ID = 693]
2. 2 [Option ID = 694]
3. 3 [Option ID = 695]
4. 4 [Option ID = 696]

10) শিকাৰুৰ মাতৃভাষাই লক্ষ্য ভাষাত হস্তক্ষেপ কৰিবলৈ নিদিয়াৰ শিকন পদ্ধতিটোক কি বুলি কোৱা হয় ?

(1) প্রত্যক্ষ পদ্ধতি

(2) ব্যাকৰণ অনুবাদ পদ্ধতি

(3) দ্বিভাষিক পদ্ধতি

(4) পৰিস্থিতিজনিত পদ্ধতি

[Question ID = 175][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q115]

1. 1 [Option ID = 697]
2. 2 [Option ID = 698]
3. 3 [Option ID = 699]
4. 4 [Option ID = 700]

11) তলত উল্লেখ কৰা কোনটো অধোমুখী অভিগম (Top-down Approach)ৰ ভিত্তিত নহয় ?

(1) ভাষাৰ অর্থ উদ্ধাৰৰ কাৰণে শিক্ষার্থীগৰাকীয়ে তেঁওৰ পূর্বজ্ঞান ব্যৱহাৰ কৰে

(2) পঢ়ি যাঁওতে বা শুনোঁতে শিক্ষার্থীয়ে তাৰ পাছত কি হ'ব অনুমান কৰিব পাৰে

(3) শিক্ষার্থী এটা এটা শব্দ আৰু খণ্ডবাক্যৰ ওপৰত মনোযোগ দি ভাষা বুজিবলৈ চেষ্টা কৰে

(4) শিক্ষার্থী প্রথমে কবিতা আৰু সাধুৰ পৰা আৰম্ভ কৰি তাৰ পাছতহে বর্ণমালালৈ আহে

[Question ID = 176][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q116]

1. 1 [Option ID = 701]
2. 2 [Option ID = 702]
3. 3 [Option ID = 703]
4. 4 [Option ID = 704]

12) উপচাৰাত্মক বা নিদানমূলক শিক্ষণে –

(1) শিকাৰুৰ শিকনত আহি পৰা অন্তৰায়বোৰ পূৰণ কৰে

(2) ভুলকৈ বুজা ধাৰণাবোৰৰ সংশোধন কৰে

(3) শ্রেণীকোঠাত সমজাতীয়তা বা সমাংগতা বজাই ৰাখে

(4) নতুন ভাষা সামগ্রী পৰিচয় কৰোৱায়

[Question ID = 177][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q117]

1. 1 [Option ID = 705]
2. 2 [Option ID = 706]
3. 3 [Option ID = 707]
4. 4 [Option ID = 708]

13) আখৰ, শব্দ আৰু প্ৰতীকবোৰ পঢ়া, ব্যাখা কৰা তথা বুজি পোৱাত অসুবিধাৰ সৃষ্টি কৰা শিকন অক্ষমতাবিধ হৈছে

(1) ডিছলেসিয়া

(2) ডিছকেল্কুলিয়া

(3) ডিছফেযিয়া

(4) ডিছপ্রাসিয়া

[Question ID = 178][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q118]

1. 1 [Option ID = 709]
2. 2 [Option ID = 710]
3. 3 [Option ID = 711]
4. 4 [Option ID = 712]

14) ছপাসমৃদ্ধ (print rich) পৰিৱেশ এটাত কি থাকে ?

(1) শ্ৰেণীকোঠাত তালিকা, পোষ্টাৰ, জাননী আদি সজাই থোৱা থাকে

(2) চাইনবোৰ্ড, প্লে'কার্ড, লেবেল, বন্ধা কাগজ আদি থাকে

(3) শ্ৰেণীকোঠাৰ আলমাৰীত কিতাপ থাকে

(4) টিভি, কম্পিউটাৰ, স্মাৰ্ট ফোন আদি ইলেকট্ৰনিক মাধ্যমৰ সামগ্ৰীবোৰ থাকে

[Question ID = 179][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q119]

1. 1 [Option ID = 713]
2. 2 [Option ID = 714]
3. 3 [Option ID = 715]
4. 4 [Option ID = 716]

15) প্ৰথম পীড়ি বা প্ৰজন্মৰ শিকাৰু (The first generation learners) হৈছে –

(1) পৰিয়াল এটাৰ পৰা বিদ্যালয়লৈ যোৱা প্ৰথমসকল

(2) বিদ্যালয়ত নামভৰ্তি কৰিবলৈ প্ৰথম অহাসকল

(3) বিদ্যালয়ত আয়োজন কৰা বিদ্যালয়প্ৰস্তুতি অনুষ্ঠানত উপস্থিত থকাসকল

(4) বিদ্যালয়ত প্ৰথমবাৰৰ কাৰণে ভাষা শিকাসকল

[Question ID = 180][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_ASSAMESE_Q120]

1. 1 [Option ID = 717]
2. 2 [Option ID = 718]
3. 3 [Option ID = 719]
4. 4 [Option ID = 720]

Topic:- Sanskrit_Q121-128_L2_P1_CTET

1) ***निर्देशः :*** *अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

गंगातीरे एकः विशालः वटवृक्षः आसीत् । तस्य शाखासु बहवः खगाः स्नेहेन निवसन्ति स्म । एकदा प्रातःकाले एकः व्याधः तत्रागच्छत् । सः वृक्षस्य अधः जालम् प्रासारयत् । जालस्य उपरि तण्डुलान् विकीर्य सः एकस्मिन् स्थाने अतिष्ठत् । ततः चित्रग्रीवः नामकः कपोतराजः सपरिवारं तत्रागच्छत् । तण्डुलकणान् दृष्ट्वा सः अकथयत् – अत्र निर्जने वने तण्डुलप्राप्तिः कथम् सम्भवा ? अत्र विपत्तिः सन्निकटा दृश्यते । अतः शीघ्रम् उत्पतत । किन्तु तस्य सहचरा तु बुभुक्षिताः आसन् । अतः तस्य वचनानि उपेक्ष्य ते अवदन् – अधुना भोजनस्य अभावः अस्ति । अत्र शोभनाः तण्डुलाः दृश्यन्ते । अपि च कोऽपि न अस्ति अत्र । आगच्छत, खादामः ।

कपोतराजः पुनरपि तान सचेतान् कर्तुम् अकथयत् – सहसा क्रियां न विदधीत । अतः सम्यक् विचार्य एव कार्यं कर्तव्यम् । तण्डुललोभात् सर्वे कपोताः शीघ्रमेव तण्डुलान् भक्षयितुं नीचैः आगच्छन् यदा एव ते तण्डुलकणान् खादितुम् आरभन्त तदा एव ते सर्वे जाले बद्धाः अभवन् । ते जालात् बहिः आगन्तुम् बहु प्रायतन्त किन्तु सफलाः न अभवन् ।

चित्रग्रीवः व्याधं दृष्ट्वा तान् अवदत् – अधुना यूयं सर्वे मिलित्वा जालम् आदाय शीघ्रं उत्पतत । ते तथैव अकुर्वन् । व्याधः तान् अन्वधावत् किन्तु शीघ्रमेव ते अगोचराः अभवन् । निराशः व्याधः स्वगृहम् आगच्छत् ।

वनस्य एकस्मिन् स्थाने हिरण्यकः नाम मूषकः अवसत् । सः कपोतराजस्य मित्रम् आसीत् । सर्वे कपोताः जालम् आदाय तस्य समीपम् अगच्छन् । तेषां प्रार्थनाम् आकर्ण्य सः जालम् अकृन्तत् । एवं कपोताः पुनः स्वतन्त्राः अभवन् । परस्परं सहयोगेन एव ते स्वतन्त्राः सफलाः च अभवन् । सत्यमेव कथ्यते – समवायो हि दुर्जयः ।

भक्षयितुं इत्यस्मिन् पदे कः प्रत्ययः अस्ति ?

(1) क्त

(2) क्तिन्

(3) तुमुन्

(4) ल्युट्

[Question ID = 1111][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q121]

1. 1 [Option ID = 4441]
2. 2 [Option ID = 4442]
3. 3 [Option ID = 4443]
4. 4 [Option ID = 4444]

2) ***निर्देशः :*** *अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

गंगातीरे एकः विशालः वटवृक्षः आसीत् । तस्य शाखासु बहवः खगाः स्नेहेन निवसन्ति स्म । एकदा प्रातःकाले एकः व्याधः तत्रागच्छत् । सः वृक्षस्य अधः जालम् प्रासारयत् । जालस्य उपरि तण्डुलान् विकीर्य सः एकस्मिन् स्थाने अतिष्ठत् । ततः चित्रग्रीवः नामकः कपोतराजः सपरिवारं तत्रागच्छत् । तण्डुलकणान् दृष्ट्वा सः अकथयत् – अत्र निर्जने वने तण्डुलप्राप्तिः कथम् सम्भवा ? अत्र विपत्तिः सन्निकटा दृश्यते । अतः शीघ्रम् उत्पतत । किन्तु तस्य सहचरा तु बुभुक्षिताः आसन् । अतः तस्य वचनानि उपेक्ष्य ते अवदन् – अधुना भोजनस्य अभावः अस्ति । अत्र शोभनाः तण्डुलाः दृश्यन्ते । अपि च कोऽपि न अस्ति अत्र । आगच्छत, खादामः ।

कपोतराजः पुनरपि तान सचेतान् कर्तुम् अकथयत् – सहसा क्रियां न विदधीत । अतः सम्यक् विचार्य एव कार्यं कर्तव्यम् । तण्डुललोभात् सर्वे कपोताः शीघ्रमेव तण्डुलान् भक्षयितुं नीचैः आगच्छन् यदा एव ते तण्डुलकणान् खादितुम् आरभन्त तदा एव ते सर्वे जाले बद्धाः अभवन् । ते जालात् बहिः आगन्तुम् बहु प्रायतन्त किन्तु सफलाः न अभवन् ।

चित्रग्रीवः व्याधं दृष्ट्वा तान् अवदत् – अधुना यूयं सर्वे मिलित्वा जालम् आदाय शीघ्रं उत्पतत । ते तथैव अकुर्वन् । व्याधः तान् अन्वधावत् किन्तु शीघ्रमेव ते अगोचराः अभवन् । निराशः व्याधः स्वगृहम् आगच्छत् ।

वनस्य एकस्मिन् स्थाने हिरण्यकः नाम मूषकः अवसत् । सः कपोतराजस्य मित्रम् आसीत् । सर्वे कपोताः जालम् आदाय तस्य समीपम् अगच्छन् । तेषां प्रार्थनाम् आकर्ण्य सः जालम् अकृन्तत् । एवं कपोताः पुनः स्वतन्त्राः अभवन् । परस्परं सहयोगेन एव ते स्वतन्त्राः सफलाः च अभवन् । सत्यमेव कथ्यते – समवायो हि दुर्जयः ।

वनस्य एकस्मिन् स्थाने कः अवसत् ?

(1) मृगः

(2) मूषकः

(3) सिंहः

(4) मयूरः

[Question ID = 1112][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q122]

1. 1 [Option ID = 4445]
2. 2 [Option ID = 4446]
3. 3 [Option ID = 4447]
4. 4 [Option ID = 4448]

3) ***निर्देशः :*** *अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

गंगातीरे एकः विशालः वटवृक्षः आसीत् । तस्य शाखासु बहवः खगाः स्नेहेन निवसन्ति स्म । एकदा प्रातःकाले एकः व्याधः तत्रागच्छत् । सः वृक्षस्य अधः जालम् प्रासारयत् । जालस्य उपरि तण्डुलान् विकीर्य सः एकस्मिन् स्थाने अतिष्ठत् । ततः चित्रग्रीवः नामकः कपोतराजः सपरिवारं तत्रागच्छत् । तण्डुलकणान् दृष्ट्वा सः अकथयत् – अत्र निर्जने वने तण्डुलप्राप्तिः कथम् सम्भवा ? अत्र विपत्तिः सन्निकटा दृश्यते । अतः शीघ्रम् उत्पतत । किन्तु तस्य सहचरा तु बुभुक्षिताः आसन् । अतः तस्य वचनानि उपेक्ष्य ते अवदन् – अधुना भोजनस्य अभावः अस्ति । अत्र शोभनाः तण्डुलाः दृश्यन्ते । अपि च कोऽपि न अस्ति अत्र । आगच्छत, खादामः ।

कपोतराजः पुनरपि तान सचेतान् कर्तुम् अकथयत् – सहसा क्रियां न विदधीत । अतः सम्यक् विचार्य एव कार्यं कर्तव्यम् । तण्डुललोभात् सर्वे कपोताः शीघ्रमेव तण्डुलान् भक्षयितुं नीचैः आगच्छन् यदा एव ते तण्डुलकणान् खादितुम् आरभन्त तदा एव ते सर्वे जाले बद्धाः अभवन् । ते जालात् बहिः आगन्तुम् बहु प्रायतन्त किन्तु सफलाः न अभवन् ।

चित्रग्रीवः व्याधं दृष्ट्वा तान् अवदत् – अधुना यूयं सर्वे मिलित्वा जालम् आदाय शीघ्रं उत्पतत । ते तथैव अकुर्वन् । व्याधः तान् अन्वधावत् किन्तु शीघ्रमेव ते अगोचराः अभवन् । निराशः व्याधः स्वगृहम् आगच्छत् ।

वनस्य एकस्मिन् स्थाने हिरण्यकः नाम मूषकः अवसत् । सः कपोतराजस्य मित्रम् आसीत् । सर्वे कपोताः जालम् आदाय तस्य समीपम् अगच्छन् । तेषां प्रार्थनाम् आकर्ण्य सः जालम् अकृन्तत् । एवं कपोताः पुनः स्वतन्त्राः अभवन् । परस्परं सहयोगेन एव ते स्वतन्त्राः सफलाः च अभवन् । सत्यमेव कथ्यते – समवायो हि दुर्जयः ।

'सहसा क्रियां न विदधीत' इति कः कम् कथयति ?

(1) चित्रग्रीवः कपोतान्

(2) व्याधः मूषकम्

(3) मूषकः चित्रग्रीवम्

(4) कपोतः मूषकम्

[Question ID = 1113][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q123]

1. 1 [Option ID = 4449]
2. 2 [Option ID = 4450]
3. 3 [Option ID = 4451]
4. 4 [Option ID = 4452]

4) ***निर्देशः :*** *अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

गंगातीरे एकः विशालः वटवृक्षः आसीत् । तस्य शाखासु बहवः खगाः स्नेहेन निवसन्ति स्म । एकदा प्रातःकाले एकः व्याधः तत्रागच्छत् । सः वृक्षस्य अधः जालम् प्रासारयत् । जालस्य उपरि तण्डुलान् विकीर्य सः एकस्मिन् स्थाने अतिष्ठत् । ततः चित्रग्रीवः नामकः कपोतराजः सपरिवारं तत्रागच्छत् । तण्डुलकणान् दृष्ट्वा सः अकथयत् – अत्र निर्जने वने तण्डुलप्राप्तिः कथम् सम्भवा ? अत्र विपत्तिः सन्निकटा दृश्यते । अतः शीघ्रम् उत्पतत । किन्तु तस्य सहचरा तु बुभुक्षिताः आसन् । अतः तस्य वचनानि उपेक्ष्य ते अवदन् – अधुना भोजनस्य अभावः अस्ति । अत्र शोभनाः तण्डुलाः दृश्यन्ते । अपि च कोऽपि न अस्ति अत्र । आगच्छत, खादामः ।

कपोतराजः पुनरपि तान सचेतान् कर्तुम् अकथयत् – सहसा क्रियां न विदधीत । अतः सम्यक् विचार्य एव कार्यं कर्तव्यम् । तण्डुललोभात् सर्वे कपोताः शीघ्रमेव तण्डुलान् भक्षयितुं नीचैः आगच्छन् यदा एव ते तण्डुलकणान् खादितुम् आरभन्त तदा एव ते सर्वे जाले बद्धाः अभवन् । ते जालात् बहिः आगन्तुम् बहु प्रायतन्त किन्तु सफलाः न अभवन् ।

चित्रग्रीवः व्याधं दृष्ट्वा तान् अवदत् – अधुना यूयं सर्वे मिलित्वा जालम् आदाय शीघ्रं उत्पतत । ते तथैव अकुर्वन् । व्याधः तान् अन्वधावत् किन्तु शीघ्रमेव ते अगोचराः अभवन् । निराशः व्याधः स्वगृहम् आगच्छत् ।

वनस्य एकस्मिन् स्थाने हिरण्यकः नाम मूषकः अवसत् । सः कपोतराजस्य मित्रम् आसीत् । सर्वे कपोताः जालम् आदाय तस्य समीपम् अगच्छन् । तेषां प्रार्थनाम् आकर्ण्य सः जालम् अकृन्तत् । एवं कपोताः पुनः स्वतन्त्राः अभवन् । परस्परं सहयोगेन एव ते स्वतन्त्राः सफलाः च अभवन् । सत्यमेव कथ्यते – समवायो हि दुर्जयः ।

अधोलिखितेषु किं अव्ययपदं न अस्ति ?

(1) यदा

(2) तदा

(3) तथा

(4) कथ्यते

[Question ID = 1114][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q124]

1. 1 [Option ID = 4453]
2. 2 [Option ID = 4454]
3. 3 [Option ID = 4455]
4. 4 [Option ID = 4456]

5) ***निर्देशः :*** *अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

गंगातीरे एकः विशालः वटवृक्षः आसीत् । तस्य शाखासु बहवः खगाः स्नेहेन निवसन्ति स्म । एकदा प्रातःकाले एकः व्याधः तत्रागच्छत् । सः वृक्षस्य अधः जालम् प्रासारयत् । जालस्य उपरि तण्डुलान् विकीर्य सः एकस्मिन् स्थाने अतिष्ठत् । ततः चित्रग्रीवः नामकः कपोतराजः सपरिवारं तत्रागच्छत् । तण्डुलकणान् दृष्ट्वा सः अकथयत् – अत्र निर्जने वने तण्डुलप्राप्तिः कथम् सम्भवा ? अत्र विपत्तिः सन्निकटा दृश्यते । अतः शीघ्रम् उत्पतत । किन्तु तस्य सहचरा तु बुभुक्षिताः आसन् । अतः तस्य वचनानि उपेक्ष्य ते अवदन् – अधुना भोजनस्य अभावः अस्ति । अत्र शोभनाः तण्डुलाः दृश्यन्ते । अपि च कोऽपि न अस्ति अत्र । आगच्छत, खादामः ।

कपोतराजः पुनरपि तान सचेतान् कर्तुम् अकथयत् – सहसा क्रियां न विदधीत । अतः सम्यक् विचार्य एव कार्यं कर्तव्यम् । तण्डुललोभात् सर्वे कपोताः शीघ्रमेव तण्डुलान् भक्षयितुं नीचैः आगच्छन् यदा एव ते तण्डुलकणान् खादितुम् आरभन्त तदा एव ते सर्वे जाले बद्धाः अभवन् । ते जालात् बहिः आगन्तुम् बहु प्रायतन्त किन्तु सफलाः न अभवन् ।

चित्रग्रीवः व्याधं दृष्ट्वा तान् अवदत् – अधुना यूयं सर्वे मिलित्वा जालम् आदाय शीघ्रं उत्पतत । ते तथैव अकुर्वन् । व्याधः तान् अन्वधावत् किन्तु शीघ्रमेव ते अगोचराः अभवन् । निराशः व्याधः स्वगृहम् आगच्छत् ।

वनस्य एकस्मिन् स्थाने हिरण्यकः नाम मूषकः अवसत् । सः कपोतराजस्य मित्रम् आसीत् । सर्वे कपोताः जालम् आदाय तस्य समीपम् अगच्छन् । तेषां प्रार्थनाम् आकर्ण्य सः जालम् अकृन्तत् । एवं कपोताः पुनः स्वतन्त्राः अभवन् । परस्परं सहयोगेन एव ते स्वतन्त्राः सफलाः च अभवन् । सत्यमेव कथ्यते – समवायो हि दुर्जयः ।

कपोताः पुनः _____ अभवन् ।

(1) प्रसन्नाः

(2) बुभुक्षिताः

(3) बहवः

(4) स्वतन्त्राः

[Question ID = 1115][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q125]

1. 1 [Option ID = 4457]
2. 2 [Option ID = 4458]
3. 3 [Option ID = 4459]
4. 4 [Option ID = 4460]

6) ***निर्देशः :*** *अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

गंगातीरे एकः विशालः वटवृक्षः आसीत् । तस्य शाखासु बहवः खगाः स्नेहेन निवसन्ति स्म । एकदा प्रातःकाले एकः व्याधः तत्रागच्छत् । सः वृक्षस्य अधः जालम् प्रासारयत् । जालस्य उपरि तण्डुलान् विकीर्य सः एकस्मिन् स्थाने अतिष्ठत् । ततः चित्रग्रीवः नामकः कपोतराजः सपरिवारं तत्रागच्छत् । तण्डुलकणान् दृष्ट्वा सः अकथयत् – अत्र निर्जने वने तण्डुलप्राप्तिः कथम् सम्भवा ? अत्र विपत्तिः सन्निकटा दृश्यते । अतः शीघ्रम् उत्पतत । किन्तु तस्य सहचरा तु बुभुक्षिताः आसन् । अतः तस्य वचनानि उपेक्ष्य ते अवदन् – अधुना भोजनस्य अभावः अस्ति । अत्र शोभनाः तण्डुलाः दृश्यन्ते । अपि च कोऽपि न अस्ति अत्र । आगच्छत, खादामः ।

कपोतराजः पुनरपि तान सचेतान् कर्तुम् अकथयत् – सहसा क्रियां न विदधीत । अतः सम्यक् विचार्य एव कार्यं कर्तव्यम् । तण्डुललोभात् सर्वे कपोताः शीघ्रमेव तण्डुलान् भक्षयितुं नीचैः आगच्छन् यदा एव ते तण्डुलकणान् खादितुम् आरभन्त तदा एव ते सर्वे जाले बद्धाः अभवन् । ते जालात् बहिः आगन्तुम् बहु प्रायतन्त किन्तु सफलाः न अभवन् ।

चित्रग्रीवः व्याधं दृष्ट्वा तान् अवदत् – अधुना यूयं सर्वे मिलित्वा जालम् आदाय शीघ्रं उत्पतत । ते तथैव अकुर्वन् । व्याधः तान् अन्वधावत् किन्तु शीघ्रमेव ते अगोचराः अभवन् । निराशः व्याधः स्वगृहम् आगच्छत् ।

वनस्य एकस्मिन् स्थाने हिरण्यकः नाम मूषकः अवसत् । सः कपोतराजस्य मित्रम् आसीत् । सर्वे कपोताः जालम् आदाय तस्य समीपम् अगच्छन् । तेषां प्रार्थनाम् आकर्ण्य सः जालम् अकृन्तत् । एवं कपोताः पुनः स्वतन्त्राः अभवन् । परस्परं सहयोगेन एव ते स्वतन्त्राः सफलाः च अभवन् । सत्यमेव कथ्यते – समवायो हि दुर्जयः ।

सत्यमेव किं कथ्यते ?

(1) सत्यमेव जयते

(2) शठे शाठ्यम् समाचरेत्

(3) समवायो हि दुर्जयः

(4) बुद्धिः एव बलम्

[Question ID = 1116][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q126]

1. 1 [Option ID = 4461]
2. 2 [Option ID = 4462]
3. 3 [Option ID = 4463]
4. 4 [Option ID = 4464]

7) ***निर्देशः :*** *अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

गंगातीरे एकः विशालः वटवृक्षः आसीत् । तस्य शाखासु बहवः खगाः स्नेहेन निवसन्ति स्म । एकदा प्रातःकाले एकः व्याधः तत्रागच्छत् । सः वृक्षस्य अधः जालम् प्रासारयत् । जालस्य उपरि तण्डुलान् विकीर्य सः एकस्मिन् स्थाने अतिष्ठत् । ततः चित्रग्रीवः नामकः कपोतराजः सपरिवारं तत्रागच्छत् । तण्डुलकणान् दृष्ट्वा सः अकथयत् – अत्र निर्जने वने तण्डुलप्राप्तिः कथम् सम्भवा ? अत्र विपत्तिः सन्निकटा दृश्यते । अतः शीघ्रम् उत्पतत । किन्तु तस्य सहचरा तु बुभुक्षिताः आसन् । अतः तस्य वचनानि उपेक्ष्य ते अवदन् – अधुना भोजनस्य अभावः अस्ति । अत्र शोभनाः तण्डुलाः दृश्यन्ते । अपि च कोऽपि न अस्ति अत्र । आगच्छत, खादामः ।

कपोतराजः पुनरपि तान सचेतान् कर्तुम् अकथयत् – सहसा क्रियां न विदधीत । अतः सम्यक् विचार्य एव कार्यं कर्तव्यम् । तण्डुललोभात् सर्वे कपोताः शीघ्रमेव तण्डुलान् भक्षयितुं नीचैः आगच्छन् यदा एव ते तण्डुलकणान् खादितुम् आरभन्त तदा एव ते सर्वे जाले बद्धाः अभवन् । ते जालात् बहिः आगन्तुम् बहु प्रायतन्त किन्तु सफलाः न अभवन् ।

चित्रग्रीवः व्याधं दृष्ट्वा तान् अवदत् – अधुना यूयं सर्वे मिलित्वा जालम् आदाय शीघ्रं उत्पतत । ते तथैव अकुर्वन् । व्याधः तान् अन्वधावत् किन्तु शीघ्रमेव ते अगोचराः अभवन् । निराशः व्याधः स्वगृहम् आगच्छत् ।

वनस्य एकस्मिन् स्थाने हिरण्यकः नाम मूषकः अवसत् । सः कपोतराजस्य मित्रम् आसीत् । सर्वे कपोताः जालम् आदाय तस्य समीपम् अगच्छन् । तेषां प्रार्थनाम् आकर्ण्य सः जालम् अकृन्तत् । एवं कपोताः पुनः स्वतन्त्राः अभवन् । परस्परं सहयोगेन एव ते स्वतन्त्राः सफलाः च अभवन् । सत्यमेव कथ्यते – समवायो हि दुर्जयः ।

'स्वतन्त्राः' इति अस्मिन् पदे का विभक्तिः ?

(1) पञ्चमी

(2) षष्ठी

(3) तृतीया

(4) प्रथमा

[Question ID = 1117][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q127]

1. 1 [Option ID = 4465]
2. 2 [Option ID = 4466]
3. 3 [Option ID = 4467]
4. 4 [Option ID = 4468]

8) ***निर्देशः :*** *अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

गंगातीरे एकः विशालः वटवृक्षः आसीत् । तस्य शाखासु बहवः खगाः स्नेहेन निवसन्ति स्म । एकदा प्रातःकाले एकः व्याधः तत्रागच्छत् । सः वृक्षस्य अधः जालम् प्रासारयत् । जालस्य उपरि तण्डुलान् विकीर्य सः एकस्मिन् स्थाने अतिष्ठत् । ततः चित्रग्रीवः नामकः कपोतराजः सपरिवारं तत्रागच्छत् । तण्डुलकणान् दृष्ट्वा सः अकथयत् – अत्र निर्जने वने तण्डुलप्राप्तिः कथम् सम्भवा ? अत्र विपत्तिः सन्निकटा दृश्यते । अतः शीघ्रम् उत्पतत । किन्तु तस्य सहचरा तु बुभुक्षिताः आसन् । अतः तस्य वचनानि उपेक्ष्य ते अवदन् – अधुना भोजनस्य अभावः अस्ति । अत्र शोभनाः तण्डुलाः दृश्यन्ते । अपि च कोऽपि न अस्ति अत्र । आगच्छत, खादामः ।

कपोतराजः पुनरपि तान सचेतान् कर्तुम् अकथयत् – सहसा क्रियां न विदधीत । अतः सम्यक् विचार्य एव कार्यं कर्तव्यम् । तण्डुललोभात् सर्वे कपोताः शीघ्रमेव तण्डुलान् भक्षयितुं नीचैः आगच्छन् यदा एव ते तण्डुलकणान् खादितुम् आरभन्त तदा एव ते सर्वे जाले बद्धाः अभवन् । ते जालात् बहिः आगन्तुम् बहु प्रायतन्त किन्तु सफलाः न अभवन् ।

चित्रग्रीवः व्याधं दृष्ट्वा तान् अवदत् – अधुना यूयं सर्वे मिलित्वा जालम् आदाय शीघ्रं उत्पतत । ते तथैव अकुर्वन् । व्याधः तान् अन्वधावत् किन्तु शीघ्रमेव ते अगोचराः अभवन् । निराशः व्याधः स्वगृहम् आगच्छत् ।

वनस्य एकस्मिन् स्थाने हिरण्यकः नाम मूषकः अवसत् । सः कपोतराजस्य मित्रम् आसीत् । सर्वे कपोताः जालम् आदाय तस्य समीपम् अगच्छन् । तेषां प्रार्थनाम् आकर्ण्य सः जालम् अकृन्तत् । एवं कपोताः पुनः स्वतन्त्राः अभवन् । परस्परं सहयोगेन एव ते स्वतन्त्राः सफलाः च अभवन् । सत्यमेव कथ्यते – समवायो हि दुर्जयः ।

गङ्गातीरे किं आसीत् ?

(1) वटवृक्षः

(2) पशवः

(3) खगाः

(4) जनाः

[Question ID = 1118][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q128]

1. 1 [Option ID = 4469]
2. 2 [Option ID = 4470]
3. 3 [Option ID = 4471]
4. 4 [Option ID = 4472]

Topic:- Sanskrit_Q129-135_L2_P1_CTET

1) ***निर्देशः :*** *अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

एकदा विजयसिंहः नाम कश्चित् राजा मृगयार्थं वनम् अगच्छत् । तत्र सः कस्यचित् ऋषेः आश्रमं प्राप्तवान् । तत्र सः ऋषेः अङ्के उपविष्टं कञ्चन शुकम् अपश्यत् । ऋषिः शिष्यान् वेदमंत्रान् अपाठयत् । शुकः अपि छात्रैः सह वेदमन्त्रान् अगायत् । यदा आचार्यः शिष्यान् प्रश्नान् अपृच्छत् तदा शुकः अपि तैः सह उत्तराणि अवदत् । शुकस्य तद् पाण्डित्यं दृष्ट्वा राज्ञः मनः तस्मै शुकाय अलोभत । सः ऋषिं तं शुकम् अयाचत । ऋषिः अवदत् – "राजन्, यथा इच्छसि तथा कुरु ।"

राजा ऋषेः अनुज्ञया तं शुकं वनात् राजप्रासादम् आनयत् । अहो आश्चर्य ! तत्र आगत्य सः शुकः कदापि वेदमन्त्रान् न अगायत् । तत्रऽस्थितानां राजपुत्राणां सम्भाषणं, सेवकानां परस्पर कलहान् अपशब्दान् च सः प्रतिदिनम् अशृणोत् । सः अपि तथैव भाषितुम् आरभत । शुकस्य मुखात् वेदमन्त्राणां स्थाने अपशब्दान् श्रुत्वा राजा चकितः अभवत् । अन्येद्युः सः शुकं गृहीत्वा ऋषेः आश्रमम् आगत्य, अवदत् क्रोधेन – "आचार्य, भवतः एष शुकः वञ्चकः । एष अत्र आश्रमे वेदमन्त्रान् वदति, मम प्रासादे तु अपशब्दान् कलहपूर्णां वाणीं च वदति । न अहम् इच्छामि अस्य सहवासम् । स्वीकरोतु भवान् एव एनं खगम् ।" इत्युक्त्वा सः तं शुकम् ऋषये अयच्छत् । ऋषिः शान्तेन मनसा महता प्रेम्णा तं शुकं अङ्के उपावेशयत्, अवदत् च – "राजन्, अनुकरणशीलः अयं पक्षी । यद् शृणोति तदेव अनुवदति । प्रकृतिः इयं तस्य । तस्मै किं श्रावणीयं किं वा न श्रावणीयम् इति अस्माभिः एव सम्यक् चिन्तनीयम् । भवान् आदौ आत्मपरीक्षणं करोतु अनन्तरमेव एनं शुकं दूषयतु ।" ऋषेः वचनं श्रुत्वा राजा स्वापराधम् अवगम्य अधोवदनः तस्मात् आश्रमात् विनिर्गतः ।

राजा ऋषेः अङ्के किं अपश्यत् ?

(1) चटकाम्

(2) शुकम्

(3) मार्जारीम्

(4) सारिकाम्

[Question ID = 1119][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q129]

1. 1 [Option ID = 4473]
2. 2 [Option ID = 4474]
3. 3 [Option ID = 4475]
4. 4 [Option ID = 4476]

2) ***निर्देशः :*** *अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

एकदा विजयसिंहः नाम कश्चित् राजा मृगयार्थं वनम् अगच्छत् । तत्र सः कस्यचित् ऋषेः आश्रमं प्राप्तवान् । तत्र सः ऋषेः अङ्के उपविष्टं कञ्चन शुकम् अपश्यत् । ऋषिः शिष्यान् वेदमंत्रान् अपाठयत् । शुकः अपि छात्रैः सह वेदमन्त्रान् अगायत् । यदा आचार्यः शिष्यान् प्रश्नान् अपृच्छत् तदा शुकः अपि तैः सह उत्तराणि अवदत् । शुकस्य तद् पाण्डित्यं दृष्ट्वा राज्ञः मनः तस्मै शुकाय अलोभत । सः ऋषिं तं शुकम् अयाचत । ऋषिः अवदत् – "राजन्, यथा इच्छसि तथा कुरु ।"

राजा ऋषेः अनुज्ञया तं शुकं वनात् राजप्रासादम् आनयत् । अहो आश्चर्य ! तत्र आगत्य सः शुकः कदापि वेदमन्त्रान् न अगायत् । तत्रऽस्थितानां राजपुत्राणां सम्भाषणं, सेवकानां परस्पर कलहान् अपशब्दान् च सः प्रतिदिनम् अशृणोत् । सः अपि तथैव भाषितुम् आरभत । शुकस्य मुखात् वेदमन्त्राणां स्थाने अपशब्दान् श्रुत्वा राजा चकितः अभवत् । अन्येद्युः सः शुकं गृहीत्वा ऋषेः आश्रमम् आगत्य, अवदत् क्रोधेन – "आचार्य, भवतः एष शुकः वञ्चकः । एष अत्र आश्रमे वेदमन्त्रान् वदति, मम प्रासादे तु अपशब्दान् कलहपूर्णां वाणीं च वदति । न अहम् इच्छामि अस्य सहवासम् । स्वीकरोतु भवान् एव एनं खगम् ।" इत्युक्त्वा सः तं शुकम् ऋषये अयच्छत् । ऋषिः शान्तेन मनसा महता प्रेम्णा तं शुकं अङ्के उपावेशयत्, अवदत् च – "राजन्, अनुकरणशीलः अयं पक्षी । यद् शृणोति तदेव अनुवदति । प्रकृतिः इयं तस्य । तस्मै किं श्रावणीयं किं वा न श्रावणीयम् इति अस्माभिः एव सम्यक् चिन्तनीयम् । भवान् आदौ आत्मपरीक्षणं करोतु अनन्तरमेव एनं शुकं दूषयतु ।" ऋषेः वचनं श्रुत्वा राजा स्वापराधम् अवगम्य अधोवदनः तस्मात् आश्रमात् विनिर्गतः ।

'अभवत्' इत्यस्य पदस्य शुद्धः लकारः अस्ति ।

(1) लट्लकारः

(2) विधिलिङ्

(3) लृट्लकारः

(4) लङ्लकारः

[Question ID = 1120][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q130]

1. 1 [Option ID = 4477]
2. 2 [Option ID = 4478]
3. 3 [Option ID = 4479]
4. 4 [Option ID = 4480]

3) ***निर्देशः :*** *अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

एकदा विजयसिंहः नाम कश्चित् राजा मृगयार्थं वनम् अगच्छत् । तत्र सः कस्यचित् ऋषेः आश्रमं प्राप्तवान् । तत्र सः ऋषेः अङ्के उपविष्टं कञ्चन शुकम् अपश्यत् । ऋषिः शिष्यान् वेदमंत्रान् अपाठयत् । शुकः अपि छात्रैः सह वेदमन्त्रान् अगायत् । यदा आचार्यः शिष्यान् प्रश्नान् अपृच्छत् तदा शुकः अपि तैः सह उत्तराणि अवदत् । शुकस्य तद् पाण्डित्यं दृष्ट्वा राज्ञः मनः तस्मै शुकाय अलोभत । सः ऋषिं तं शुकम् अयाचत । ऋषिः अवदत् – "राजन्, यथा इच्छसि तथा कुरु ।"

राजा ऋषेः अनुज्ञया तं शुकं वनात् राजप्रासादम् आनयत् । अहो आश्चर्य ! तत्र आगत्य सः शुकः कदापि वेदमन्त्रान् न अगायत् । तत्रऽस्थितानां राजपुत्राणां सम्भाषणं, सेवकानां परस्पर कलहान् अपशब्दान् च सः प्रतिदिनम् अशृणोत् । सः अपि तथैव भाषितुम् आरभत । शुकस्य मुखात् वेदमन्त्राणां स्थाने अपशब्दान् श्रुत्वा राजा चकितः अभवत् । अन्येद्युः सः शुकं गृहीत्वा ऋषेः आश्रमम् आगत्य, अवदत् क्रोधेन – "आचार्य, भवतः एष शुकः वञ्चकः । एष अत्र आश्रमे वेदमन्त्रान् वदति, मम प्रासादे तु अपशब्दान् कलहपूर्णां वाणीं च वदति । न अहम् इच्छामि अस्य सहवासम् । स्वीकरोतु भवान् एव एनं खगम् ।" इत्युक्त्वा सः तं शुकम् ऋषये अयच्छत् । ऋषिः शान्तेन मनसा महता प्रेम्णा तं शुकं अङ्के उपावेशयत्, अवदत् च – "राजन्, अनुकरणशीलः अयं पक्षी । यद् शृणोति तदेव अनुवदति । प्रकृतिः इयं तस्य । तस्मै किं श्रावणीयं किं वा न श्रावणीयम् इति अस्माभिः एव सम्यक् चिन्तनीयम् । भवान् आदौ आत्मपरीक्षणं करोतु अनन्तरमेव एनं शुकं दूषयतु ।" ऋषेः वचनं श्रुत्वा राजा स्वापराधम् अवगम्य अधोवदनः तस्मात् आश्रमात् विनिर्गतः ।

शुकः छात्रैः सह किं अगायत् ?

(1) गीतानि

(2) वेदमन्त्रान्

(3) व्याकरणसूत्राणि

(4) कविताम्

[Question ID = 1121][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q131]

1. 1 [Option ID = 4481]
2. 2 [Option ID = 4482]
3. 3 [Option ID = 4483]
4. 4 [Option ID = 4484]

4) ***निर्देशः :*** *अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

एकदा विजयसिंहः नाम कश्चित् राजा मृगयार्थं वनम् अगच्छत् । तत्र सः कस्यचित् ऋषेः आश्रमं प्राप्तवान् । तत्र सः ऋषेः अङ्के उपविष्टं कञ्चन शुकम् अपश्यत् । ऋषिः शिष्यान् वेदमंत्रान् अपाठयत् । शुकः अपि छात्रैः सह वेदमन्त्रान् अगायत् । यदा आचार्यः शिष्यान् प्रश्नान् अपृच्छत् तदा शुकः अपि तैः सह उत्तराणि अवदत् । शुकस्य तद् पाण्डित्यं दृष्ट्वा राज्ञः मनः तस्मै शुकाय अलोभत । सः ऋषिं तं शुकम् अयाचत । ऋषिः अवदत् – "राजन्, यथा इच्छसि तथा कुरु ।"

राजा ऋषेः अनुज्ञया तं शुकं वनात् राजप्रासादम् आनयत् । अहो आश्चर्य ! तत्र आगत्य सः शुकः कदापि वेदमन्त्रान् न अगायत् । तत्रऽस्थितानां राजपुत्राणां सम्भाषणं, सेवकानां परस्पर कलहान् अपशब्दान् च सः प्रतिदिनम् अशृणोत् । सः अपि तथैव भाषितुम् आरभत । शुकस्य मुखात् वेदमन्त्राणां स्थाने अपशब्दान् श्रुत्वा राजा चकितः अभवत् । अन्येद्युः सः शुकं गृहीत्वा ऋषेः आश्रमम् आगत्य, अवदत् क्रोधेन – "आचार्य, भवतः एष शुकः वञ्चकः । एष अत्र आश्रमे वेदमन्त्रान् वदति, मम प्रासादे तु अपशब्दान् कलहपूर्णां वाणीं च वदति । न अहम् इच्छामि अस्य सहवासम् । स्वीकरोतु भवान् एव एनं खगम् ।" इत्युक्त्वा सः तं शुकम् ऋषये अयच्छत् । ऋषिः शान्तेन मनसा महता प्रेम्णा तं शुकं अङ्के उपावेशयत्, अवदत् च – "राजन्, अनुकरणशीलः अयं पक्षी । यद् शृणोति तदेव अनुवदति । प्रकृतिः इयं तस्य । तस्मै किं श्रावणीयं किं वा न श्रावणीयम् इति अस्माभिः एव सम्यक् चिन्तनीयम् । भवान् आदौ आत्मपरीक्षणं करोतु अनन्तरमेव एनं शुकं दूषयतु ।" ऋषेः वचनं श्रुत्वा राजा स्वापराधम् अवगम्य अधोवदनः तस्मात् आश्रमात् विनिर्गतः ।

'इत्युक्त्वा' इत्यस्य पदस्य शुद्धः विच्छेदः किं अस्ति ?

(1) इत्यु + क्त्वा

(2) इत्युक् + त्वा

(3) इत्य + उक्त्वा

(4) इति + उक्त्वा

[Question ID = 1122][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q132]

1. 1 [Option ID = 4485]
2. 2 [Option ID = 4486]
3. 3 [Option ID = 4487]
4. 4 [Option ID = 4488]

5) ***निर्देशः :*** *अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

एकदा विजयसिंहः नाम कश्चित् राजा मृगयार्थं वनम् अगच्छत् । तत्र सः कस्यचित् ऋषेः आश्रमं प्राप्तवान् । तत्र सः ऋषेः अङ्के उपविष्टं कञ्चन शुकम् अपश्यत् । ऋषिः शिष्यान् वेदमंत्रान् अपाठयत् । शुकः अपि छात्रैः सह वेदमन्त्रान् अगायत् । यदा आचार्यः शिष्यान् प्रश्नान् अपृच्छत् तदा शुकः अपि तैः सह उत्तराणि अवदत् । शुकस्य तद् पाण्डित्यं दृष्ट्वा राज्ञः मनः तस्मै शुकाय अलोभत । सः ऋषिं तं शुकम् अयाचत । ऋषिः अवदत् – "राजन्, यथा इच्छसि तथा कुरु ।"

राजा ऋषेः अनुज्ञया तं शुकं वनात् राजप्रासादम् आनयत् । अहो आश्चर्य ! तत्र आगत्य सः शुकः कदापि वेदमन्त्रान् न अगायत् । तत्रऽस्थितानां राजपुत्राणां सम्भाषणं, सेवकानां परस्पर कलहान् अपशब्दान् च सः प्रतिदिनम् अशृणोत् । सः अपि तथैव भाषितुम् आरभत । शुकस्य मुखात् वेदमन्त्राणां स्थाने अपशब्दान् श्रुत्वा राजा चकितः अभवत् । अन्येद्युः सः शुकं गृहीत्वा ऋषेः आश्रमम् आगत्य, अवदत् क्रोधेन – "आचार्य, भवतः एष शुकः वञ्चकः । एष अत्र आश्रमे वेदमन्त्रान् वदति, मम प्रासादे तु अपशब्दान् कलहपूर्णां वाणीं च वदति । न अहम् इच्छामि अस्य सहवासम् । स्वीकरोतु भवान् एव एनं खगम् ।" इत्युक्त्वा सः तं शुकम् ऋषये अयच्छत् । ऋषिः शान्तेन मनसा महता प्रेम्णा तं शुकं अङ्के उपावेशयत्, अवदत् च – "राजन्, अनुकरणशीलः अयं पक्षी । यद् शृणोति तदेव अनुवदति । प्रकृतिः इयं तस्य । तस्मै किं श्रावणीयं किं वा न श्रावणीयम् इति अस्माभिः एव सम्यक् चिन्तनीयम् । भवान् आदौ आत्मपरीक्षणं करोतु अनन्तरमेव एनं शुकं दूषयतु ।" ऋषेः वचनं श्रुत्वा राजा स्वापराधम् अवगम्य अधोवदनः तस्मात् आश्रमात् विनिर्गतः ।

'अनुकरणशीलः अयं पक्षी' इति कः कम् कथयति ?

(1) राजा ऋषिम्

(2) ऋषिः शिष्यान्

(3) ऋषिः राजानम्

(4) राजा शिष्यान्

[Question ID = 1123][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q133]

1. 1 [Option ID = 4489]
2. 2 [Option ID = 4490]
3. 3 [Option ID = 4491]
4. 4 [Option ID = 4492]

6) ***निर्देशः :*** *अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

एकदा विजयसिंहः नाम कश्चित् राजा मृगयार्थं वनम् अगच्छत् । तत्र सः कस्यचित् ऋषेः आश्रमं प्राप्तवान् । तत्र सः ऋषेः अङ्के उपविष्टं कञ्चन शुकम् अपश्यत् । ऋषिः शिष्यान् वेदमंत्रान् अपाठयत् । शुकः अपि छात्रैः सह वेदमन्त्रान् अगायत् । यदा आचार्यः शिष्यान् प्रश्नान् अपृच्छत् तदा शुकः अपि तैः सह उत्तराणि अवदत् । शुकस्य तद् पाण्डित्यं दृष्ट्वा राज्ञः मनः तस्मै शुकाय अलोभत । सः ऋषिं तं शुकम् अयाचत । ऋषिः अवदत् – "राजन्, यथा इच्छसि तथा कुरु ।"

राजा ऋषेः अनुज्ञया तं शुकं वनात् राजप्रासादम् आनयत् । अहो आश्चर्य ! तत्र आगत्य सः शुकः कदापि वेदमन्त्रान् न अगायत् । तत्रऽस्थितानां राजपुत्राणां सम्भाषणं, सेवकानां परस्पर कलहान् अपशब्दान् च सः प्रतिदिनम् अशृणोत् । सः अपि तथैव भाषितुम् आरभत । शुकस्य मुखात् वेदमन्त्राणां स्थाने अपशब्दान् श्रुत्वा राजा चकितः अभवत् । अन्येद्युः सः शुकं गृहीत्वा ऋषेः आश्रमम् आगत्य, अवदत् क्रोधेन – "आचार्य, भवतः एष शुकः वञ्चकः । एष अत्र आश्रमे वेदमन्त्रान् वदति, मम प्रासादे तु अपशब्दान् कलहपूर्णां वाणीं च वदति । न अहम् इच्छामि अस्य सहवासम् । स्वीकरोतु भवान् एव एनं खगम् ।" इत्युक्त्वा सः तं शुकम् ऋषये अयच्छत् । ऋषिः शान्तेन मनसा महता प्रेम्णा तं शुकं अङ्के उपावेशयत्, अवदत् च – "राजन्, अनुकरणशीलः अयं पक्षी । यद् शृणोति तदेव अनुवदति । प्रकृतिः इयं तस्य । तस्मै किं श्रावणीयं किं वा न श्रावणीयम् इति अस्माभिः एव सम्यक् चिन्तनीयम् । भवान् आदौ आत्मपरीक्षणं करोतु अनन्तरमेव एनं शुकं दूषयतु ।" ऋषेः वचनं श्रुत्वा राजा स्वापराधम् अवगम्य अधोवदनः तस्मात् आश्रमात् विनिर्गतः ।

गद्यांशे क्त्वाप्रत्ययान्तं पदं किं अस्ति ?

(1) दृष्ट्वा

(2) आरभत्

(3) भवान्

(4) अवदत्

[Question ID = 1124][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q134]

1. 1 [Option ID = 4493]
2. 2 [Option ID = 4494]
3. 3 [Option ID = 4495]
4. 4 [Option ID = 4496]

7) ***निर्देशः :*** *अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

एकदा विजयसिंहः नाम कश्चित् राजा मृगयार्थं वनम् अगच्छत् । तत्र सः कस्यचित् ऋषेः आश्रमं प्राप्तवान् । तत्र सः ऋषेः अङ्के उपविष्टं कञ्चन शुकम् अपश्यत् । ऋषिः शिष्यान् वेदमंत्रान् अपाठयत् । शुकः अपि छात्रैः सह वेदमन्त्रान् अगायत् । यदा आचार्यः शिष्यान् प्रश्नान् अपृच्छत् तदा शुकः अपि तैः सह उत्तराणि अवदत् । शुकस्य तद् पाण्डित्यं दृष्ट्वा राज्ञः मनः तस्मै शुकाय अलोभत । सः ऋषिं तं शुकम् अयाचत । ऋषिः अवदत् – "राजन्, यथा इच्छसि तथा कुरु ।"

राजा ऋषेः अनुज्ञया तं शुकं वनात् राजप्रासादम् आनयत् । अहो आश्चर्य ! तत्र आगत्य सः शुकः कदापि वेदमन्त्रान् न अगायत् । तत्रऽस्थितानां राजपुत्राणां सम्भाषणं, सेवकानां परस्पर कलहान् अपशब्दान् च सः प्रतिदिनम् अशृणोत् । सः अपि तथैव भाषितुम् आरभत । शुकस्य मुखात् वेदमन्त्राणां स्थाने अपशब्दान् श्रुत्वा राजा चकितः अभवत् । अन्येद्युः सः शुकं गृहीत्वा ऋषेः आश्रमम् आगत्य, अवदत् क्रोधेन – "आचार्य, भवतः एष शुकः वञ्चकः । एष अत्र आश्रमे वेदमन्त्रान् वदति, मम प्रासादे तु अपशब्दान् कलहपूर्णां वाणीं च वदति । न अहम् इच्छामि अस्य सहवासम् । स्वीकरोतु भवान् एव एनं खगम् ।" इत्युक्त्वा सः तं शुकम् ऋषये अयच्छत् । ऋषिः शान्तेन मनसा महता प्रेम्णा तं शुकं अङ्के उपावेशयत्, अवदत् च – "राजन्, अनुकरणशीलः अयं पक्षी । यद् शृणोति तदेव अनुवदति । प्रकृतिः इयं तस्य । तस्मै किं श्रावणीयं किं वा न श्रावणीयम् इति अस्माभिः एव सम्यक् चिन्तनीयम् । भवान् आदौ आत्मपरीक्षणं करोतु अनन्तरमेव एनं शुकं दूषयतु ।" ऋषेः वचनं श्रुत्वा राजा स्वापराधम् अवगम्य अधोवदनः तस्मात् आश्रमात् विनिर्गतः ।

राजा सक्रोधः ऋषये किं अयच्छत् ?

(1) दण्डः

(2) दानम्

(3) शुकः

(4) फलम्

[Question ID = 1125][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q135]

1. 1 [Option ID = 4497]
2. 2 [Option ID = 4498]
3. 3 [Option ID = 4499]
4. 4 [Option ID = 4500]

Topic:- Sanskrit_Q136-150_L2_P1_CTET

1) छात्रै: कस्यापि प्रदत्तकार्यस्य, कक्षाया:, पाठ्यक्रमस्य कार्यक्रमस्य च समाप्तौ ज्ञानं, कौशलं अभिवृत्ति: च अर्जितव्या । एतत् किं कथनं वर्णयितुं सम्भवति ?

(1) शिक्षणस्य प्रतिफलं

(2) शिक्षणस्य शैली

(3) शिक्षणस्य स्तरा:

(4) शिक्षणस्य अक्षमता

[Question ID = 1126][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q136]

1. 1 [Option ID = 4501]
2. 2 [Option ID = 4502]
3. 3 [Option ID = 4503]
4. 4 [Option ID = 4504]

2) एका शिक्षिका छात्रेभ्य: शिक्षणगतिविधीनाम् माध्यमेन मौखिकभाषां लिखितभाषां प्रयोक्तुम् अन्वेष्टुं च अवसरान् ददाति । सा केन्द्रिता अस्ति

(1) सकलशारीरिकप्रतिक्रियायां

(2) कार्याधारित भाषाशिक्षणे

(3) पाठ्यपुस्तकाधारितभाषाशिक्षणे

(4) शिक्षणस्य शाब्दिकोपागमे

[Question ID = 1127][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q137]

1. 1 [Option ID = 4505]
2. 2 [Option ID = 4506]
3. 3 [Option ID = 4507]
4. 4 [Option ID = 4508]

3) प्रथमकक्षाया: एका अध्यापिका छात्रै: सह क्रीडा: क्रीडति । तासु क्रीडासु सा ता: छात्रान् चलितुम् धावितुम् उपवेष्टुम् उपसर्पितुम् (Crawl) अन्यगतिविधीन् च कर्तुम् निर्दिशति । अनेन प्रकारेण तया छात्राणां किं विकस्यते ?

(1) सकलसञ्चालनकौशलम् (Gross motor skill)

(2) सूक्ष्मसञ्चालनकौशलम् (Fine motor skill)

(3) सकलशारीरिकप्रतिक्रिया (Total physical response)

(4) शारीरिकशिक्षागतिविधय: (Physical education activities)

[Question ID = 1128][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q138]

1. 1 [Option ID = 4509]
2. 2 [Option ID = 4510]
3. 3 [Option ID = 4511]
4. 4 [Option ID = 4512]

4) छात्राणाम् पाठ्यवस्तुनि अवबोधनस्य ताभ्य: सूचनाउद्धरणस्य पाठ्यवस्तुनिर्वचनस्य च दक्षता कथ्यते।

(1) प्रवाहपूर्णपठनम् (Reading fluency)

(2) निष्कूटनम् (Decoding)

(3) श्रुतलेख: (Dictation)

(4) पठनावबोधनम् (Reading comprehension)

[Question ID = 1129][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q139]

1. 1 [Option ID = 4513]
2. 2 [Option ID = 4514]
3. 3 [Option ID = 4515]
4. 4 [Option ID = 4516]

5) एका सञ्चालकविकलता (Motor disorder) यया ध्वने: उत्पादने जिह्वाओष्ठयो: समन्वय: प्रभावित: भवति, कथ्यते

(1) डिस्कैल्कुलिया (Dyscalculia)

(2) डिस्फेज़िया (Dysphasia)

(3) डिस्प्रेक्सिया (Dyspraxia)

(4) डिस्लैक्सिया (Dyslexia)

[Question ID = 1130][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q140]

1. 1 [Option ID = 4517]
2. 2 [Option ID = 4518]
3. 3 [Option ID = 4519]
4. 4 [Option ID = 4520]

6) अधोलिखितेषु किं व्यागोत्स्कीमहोदयस्य भाषाविकाससिद्धान्ते आधारितम् अस्ति ?

(1) यदा एक: बाल: जायते तदा भाषाया: काऽपि आधारभूता क्षमता न भवति।

(2) भाषाविकास: सामान्यसंज्ञानात्मकविकासक्रमे निरन्तरता भवति।

(3) भाषा सामाजिकअन्तर्क्रियां विकसति

(4) बालका: सकारात्मकपुनरुर्जस्विताया: (Positive reinforcement) उत्पादरूपेण भाषां शिक्षन्ते।

[Question ID = 1131][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q141]

1. 1 [Option ID = 4521]
2. 2 [Option ID = 4522]
3. 3 [Option ID = 4523]
4. 4 [Option ID = 4524]

7) अधोलिखितेषु किं कार्याधारितभाषाशिक्षणस्य सिद्धान्त: न अस्ति ?

(1) सोपाननिर्माणम् (Scaffolding)

(2) सक्रियशिक्षणम् (Active learning)

(3) सृजनाय पुनरुत्पादनम् (Reproduction to create)

(4) अनुवादस्य प्रतिबिम्ब: (Reflection of translation)

[Question ID = 1132][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q142]

1. 1 [Option ID = 4525]
2. 2 [Option ID = 4526]
3. 3 [Option ID = 4527]
4. 4 [Option ID = 4528]

8) भाषाशिक्षणे संरचनात्मकोपागमे (Constructivist approach) शिक्षकात् अपेक्ष्यते

(1) छात्रेभ्य: पूर्वनिर्मितज्ञानदानम् ।

(2) स्वपाठ्यक्रमस्य स्वयमेव निर्माणम् ।

(3) छात्राणाम् स्वपाठ्यपुस्तकं स्वयं रचितुम् समर्थीकरणम् ।

(4) स्वज्ञानस्य माध्यमेन ज्ञाननिर्मातुं छात्राणाम् साहाय्यम् ।

[Question ID = 1133][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q143]

1. 1 [Option ID = 4529]
2. 2 [Option ID = 4530]
3. 3 [Option ID = 4531]
4. 4 [Option ID = 4532]

9) *अभिकथनम् (A) :*

उपचारात्मकशिक्षणं एका प्रक्रिया अस्ति यस्यां शिक्षिका प्रथमं छात्राणां समस्याया: निदानं करोति तदनन्तरं उचितपद्धते: प्रयोगं करोति ।

कारणम् (R) :

उपचारात्मकपद्धते: प्रयोगात् पूर्वं अध्यापक: छात्राणाम् शक्तय: दुर्बलता: च जानीत् ।

अधस्तनेषूचितमुत्तरं चिनुत

(1) (A) तथा (R) द्वे सत्ये स्त:, (R) च (A) इत्यस्य कथनस्य उचितव्याख्या अस्ति ।

(2) (A) तथा (R) द्वे सत्ये स्त:, परन्तु (R), (A) इत्यस्य कथनस्य उचितव्याख्या न अस्ति ।

(3) (A) सत्यम् अस्ति, परन्तु (R) असत्यम् अस्ति ।

(4) (A) असत्यम् अस्ति, परन्तु (R) सत्यम् अस्ति ।

[Question ID = 1134][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q144]

1. 1 [Option ID = 4533]
2. 2 [Option ID = 4534]
3. 3 [Option ID = 4535]
4. 4 [Option ID = 4536]

10) *अभिकथनम् (A) :*

यदा त्वम् अल्पवय: असि तदा अन्यभाषाया: शिक्षणम् सरलतरम् ।

कारणम् (R) :

शुद्धउच्चारणस्य विकास: अपेक्षाकृत: अनायास: भवति यदि अयं आधारभूते स्तरे शिक्षित: ।

अधस्तनेषूचितमुत्तरं चिनुत

(1) (A) तथा (R) द्वे सत्ये स्त:, (R) च (A) इत्यस्य कथनस्य उचितव्याख्या अस्ति ।

(2) (A) तथा (R) द्वे सत्ये स्त:, परन्तु (R), (A) इत्यस्य कथनस्य उचितव्याख्या न अस्ति ।

(3) (A) सत्यम् अस्ति, परन्तु (R) असत्यम् अस्ति ।

(4) (A) असत्यम् अस्ति, परन्तु (R) सत्यम् अस्ति ।

[Question ID = 1135][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q145]

1. 1 [Option ID = 4537]
2. 2 [Option ID = 4538]
3. 3 [Option ID = 4539]
4. 4 [Option ID = 4540]

11) यदा बालका: मानकव्याकरणं शिक्षितुं प्रारम्भन्ते ते सामान्यत: अस्य अतिसामान्यीकरणं कुर्वन्ति । अस्य कारणम् अस्ति

(1) ते परिष्करणाय सावधानं व्याकरणनियमान् शिक्षन्ते ।

(2) ते मन्यन्ते यत् सामान्यवाक्यरचनानियमा: सर्वत्र उपयुक्ता: सन्ति ।

(3) ते भाषायां प्रवाहशीला: भवितुं व्याकरणस्य प्रयोगं कुर्वन्ति ।

(4) बालका: स्वपितृभ्य: भाषाया: आधारभूतनियमान् शिक्षन्ते ।

[Question ID = 1136][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q146]

1. 1 [Option ID = 4541]
2. 2 [Option ID = 4542]
3. 3 [Option ID = 4543]
4. 4 [Option ID = 4544]

12) एकस्मात् पाठ्यवस्तुन: सूचनां गृहीत्वा, तस्या: व्याख्या: अभिधेयार्थस्तरात् भिन्नरूपेण करणम् कथ्यते

(1) पूर्वकथनम् (Predicting)

(2) तुलना (Comparing)

(3) द्रुतपठनम् (Skimming)

(4) निष्कर्षग्रहणम् (Inferring)

[Question ID = 1137][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q147]

1. 1 [Option ID = 4545]
2. 2 [Option ID = 4546]
3. 3 [Option ID = 4547]
4. 4 [Option ID = 4548]

13) पञ्चमकक्षाया: एक: छात्र: कथयति यत् यदा मम मित्रं पञ्जाबीभाषया सम्भाषते तं अधिगन्तुम् कठिनं न अस्ति परन्तु अस्या: पठनं आयासपूर्णम् अस्ति । एतत् कथनं तम् स्वाकलनाय योग्यं करोति, यतो हि तेन कृतम्

(1) शिक्षणस्य आकलनम्

(2) शिक्षणाय आकलनम्

(3) शिक्षणरूपेण आकलनम्

(4) शिक्षणे आकलनम्

[Question ID = 1138][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q148]

1. 1 [Option ID = 4549]
2. 2 [Option ID = 4550]
3. 3 [Option ID = 4551]
4. 4 [Option ID = 4552]

14) भाषाकलनस्य किं मापनम् अस्ति ?

(1) प्रत्येक छात्रस्य स्वसहपाठिन: तुलनायां उपलब्धि: ।

(2) तेषां समग्रा योगात्मिका (Summative) वा उपलब्धि: ।

(3) छात्राणां भाषा-उपलब्धि: ।

(4) छात्राणां भाषानैपुण्यम् ।

[Question ID = 1139][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q149]

1. 1 [Option ID = 4553]
2. 2 [Option ID = 4554]
3. 3 [Option ID = 4555]
4. 4 [Option ID = 4556]

15) स्टीफन क्रेशनमहोदयस्य 'बोधगम्यनिवेश:' (Comprehensible input) इति सिद्धान्तेन प्रस्तावितम्

(1) छात्रेभ्य: तेषां भाषानुरूपं भाषाया: उपलब्धिकरणम् ।

(2) छात्रै: पाठ्यपुस्तकात् शिक्षकात् च निविष्टप्राप्ति: ।

(3) छात्रै: तेषां भाषास्तरात् किञ्चित् उच्चस्तरेण भाषाया: अन्वेषणम् ।

(4) छात्राणाम् स्तरात् उच्चतरपाठ्यवस्तुन: सामग्र्य: च अन्वेषणम् ।

[Question ID = 1140][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_SANSKRIT_Q150]

1. 1 [Option ID = 4557]
2. 2 [Option ID = 4558]
3. 3 [Option ID = 4559]
4. 4 [Option ID = 4560]